जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 27 प्रभात चूरू, गुरुवार 26 मई, 2022 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

हाल ही में दुर्लभ कैलिफोर्निया कॉन्डोर को अमेरिका के नॉर्दर्न कोस्ट रैडवुड फॉरैस्ट में उड़ते देखा गया और सौ साल में पहली बार ऐसा हुआ है। संरक्षित केन्द्र में जन्मे और पले -बढ़े दो कैलिफोर्निया कॉन्डोर को रैडवुड नैशनल पार्क में छोड़ा गया। पसिफिक नॉर्थवैस्ट में इस विशाल वल्चर को पुनः बसाने के लिए चलाए गए प्रोजैक्ट के तहत यह कदम उठाया गया। बाद में दो कॉन्डोर और छोड़े गए। इस पार्क में आखिरी बार 1892 में कैलिफोर्निया कॉन्डोर देखा गया। कैलिफोर्निया कॉन्डोर नॉर्थ अमेरिका का सबसे बड़ा पक्षी है जिसके पंखों का फैलाव लगभग दस फीट (3 मीटर) है। कभी इस क्षेत्र में ये पक्षी बड़ी तादाद में नजर आते थे। पर 70 के दशक में ये लुप्त हो गए। विलुप्ति के मुख्य कारण थे, अवैध शिकार, शिकारियों द्वारा मारे गए जानवरों के शव खाने की वजह से होने वाली लैड पॉइजनिंग और आवास विनाश। ये पक्षी 60 साल तक जिंदा रह सकते हैं और भोजन की तलाश में बहुत दूर-दूर तक जाते हैं, इसलिए इनकी रेंज अमेरिका के कई स्टेट्स तक फैली हो सकती है। इसको पुनः बसाने का प्रोजैक्ट क्षेत्रीय यूरोक आदिवासियों ने शुरु किया था। जो इसे पवित्र मानते हैं। उनके इस प्रोजैक्ट में फैडरल एवं स्थानीय फिश एण्ड वाइल्डलाइफ एजेंसियां भी शामिल हैं। यूरोक आदिवासी कई वर्षों से अपने पूर्वजों की धरती पर इस पक्षी की वापसी का प्रयास करते रहे हैं। ट्राइबल चेयरमैन जोसफ एल-जेम्स ने एक बयान में कहा कि ''अनगिनत पीढ़ियों से यूरोक आदिवासियों ने नैचुरल वर्ल्ड में संतुलन कायम रखने की पवित्र जिम्मेवारी ले रखी है। कॉन्डोर का पुनर्वास पृथ्वी को भावी पीढ़ियों के लिए बचाए रखने की हमारी सांस्कृतिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है।'' नैशनल पार्क में छोड़े गए चार कॉन्डोर में एक मादा व तीन नर हैं और इनकी उम्र 2 से 4 साल के बीच है। अस्सी के दशक के आरंभ में जंगल में मात्र 22 कॉन्डोर ही बचे थे, इन सभी को पकड़कर संरक्षित प्रजन केन्द्र में ले लाया गया था। सबसे पहले 1992 में सदर्न कैलिफोर्निया के लॉस पाडरेस नैशनल फॉरेस्ट में जाएंट कॉन्डोर छोड़े गए जो अपनी रेंज का विस्तार कर रहे हैं। अब इनकी आबादी 500 हो गई है। दो साल पहले कैलिफोर्निया के सिएरा नेवाडा के सकोया नैशनल पार्क में कैलिफोर्निया कॉन्डोर देखे गए , 50 साल में ऐसा पहली बार हुआ था। हालांकि उसी वर्ष जंगल में लगी आग में एक दर्जन वयस्क कॉन्डोर व दो बच्चे मारे गए थे।

कपिल सिब्बल का छोड़कर जाना राहत या आफत!

सिब्बल ने इस्तीफा देते हुए, पार्टी से संबंध कटु नहीं किये बल्कि कहा, वे कांग्रेस की ''भावना'' के साथ हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। क्या पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथ सुप्रसिद्ध वकील कपिल सिब्बल का कांग्रेस से बाहर होना पार्टी के लिये एक आघात है, राहत है या दोनों का मिश्रण हैं?

उनका पार्टी छोड़ना दोनों का मिश्रण ही है क्योंकि इस प्रश्न के उत्तर में पहली दो बातें-आघात एवं राहत में से एक तो कही नहीं जा सकती।

दरअसल, राजनीति गणित नहीं, बल्कि एक जटिल विज्ञान है जिसमें अन्य चीजों की अपेक्षा समय बहुत महत्वपूर्ण कारक हुआ करता है। इस प्रश्न के उत्तर इस बात पर भी निर्भर करेंगे कि व्यक्ति राजनैतिक पालों में से किस पाले में खड़ा हुआ है।

आइये, सबसे पहले घटनाक्रम पर नजर डालें। सिब्बल ने आज कहा कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने यह विस्फोट उस समय किया, जब वे समाजवादी पार्टी- समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा के लिये नामांकन पत्र भर चुके थे।

- **अतः यह भी माना जा सकता है कि, एक निर्दलीय सदस्य के रूप में सिब्बल राज्यसभा में विभिन्न पार्टियों के बीच सेतु का काम कर सकते हैं।**
- **जैसा कि, विदित ही है, सिब्बल के लालू, स्टालिन व चन्द्रशेखर राव से मधुर संबंध रहे हैं।**
- **समाजवादी पार्टी द्वारा राज्यसभा सीट के लिये सिब्बल का समर्थन भी अहसान का बदला चुकाने के समान है, क्योंकि सिब्बल की प्रभावशाली पैरवी के कारण, दो साल की कैद के बाद आज़म खान जेल से जमानत पर रिहा हो पाये हैं। हालांकि, सिब्बल अपनी सोची समझी रणनीति के तहत बार-बार यह दोहराते रहे कि, उन्होंने सपा ''जॉइन'' नहीं की है, बल्कि, एक निर्दलीय सदस्य बनने की उम्मीद रखते हैं।**

सिब्बल ने इस बात को रेखांकित करने की कोशिश की कि वे समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हुये हैं तथा कांग्रेस से बहुत दूर नहीं गये हैं एवं इसकी विचारधारा बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा पार्टी छोड़े जाने के कारणों को समझने की कोशिश करते समय इस परिदृश्य को ध्यान में रखा जाना जरूरी है।

निस्संदेह रूप से, सिब्बल एक प्रतिभाशाली वकील है तथा वे राजनैतिक मित्रों के लिये एक उपयोगी सम्पत्ति तथा प्रतिद्वन्दियों के लिए बहुत नुकसानदेह सिद्ध हो सकते हैं। इसलिये संसद में उनकी मौजूदगी आवश्यक है क्योंकि किसी बिन्दु पर समझदारीपूर्ण एवं सार्थक बहस कर सकते हैं। वे आर.एस.एस.-भाजपा के लिये भयोत्पादक शत्रु है, लेकिन चूँकि इस साल जुलाई के बाद, जब उनका कार्यकाल समाप्त होगा, कांग्रेस के पास इतना संख्या बल नहीं होगा कि वह उन्हें उच्च सदन (राज्यसभा) में भेज सके, इसलिये एक निर्दलीय सदस्य के रूप में राज्यसभा में उनकी मौजूदगी लम्बे समय तक विपक्ष की एकता के लिये काम करती रहेगी।

क्षेत्रीय नेताओं, जैसे- लालू यादव, तमिलनाडु तथा तेलंगाना के मुख्यमंत्री क्रमशः स्टालिन और के. चन्द्रशेखर राव के साथ उनके बहुत ही अच्छे संबंध हैं। एक वकील के रूप में उनकी उपयोगिता तथा कांग्रेस के प्रति उनकी विचारधारात्मक निष्ठा के कारण, सिब्बल विपक्षी एकता को प्रोत्साहित करने वाले तथा उसे आसान बना देने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाई दे सकते हैं। वे कांग्रेस सहित, विभिन्न नेताओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सिब्बल न तो पहले और न ही आखिरी ''वकील-नेता'' कॉम्बीनेशन हैं

पर, स्थिति में एक फर्क जरूर आया है, पहले प्रारम्भ से ''वकील-नेता'' कॉम्बीनेशन वाला व्यक्तित्व होता था, पर अब पहले सफल व प्रभावशाली वकील बनने के बाद, राजनीति में कूदा जाता है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 मई। कपित सिब्बल ऐसे पहले एवं सम्भवतः अन्तिम व्यक्ति नहीं, जिन्होंने ''कानून'' और ''राजनीति'' की दो दुनियाओं के साथ सफलतापूर्वक तथा साथ-साथ निर्वहन किया हो।

संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) में अपने वर्तमान कार्यकाल की समाप्ति के अन्तिम महीनों में, सिब्बल ने बुधवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में लखनऊ में राज्य सभा के लिये अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। ज्ञातव्य है कि समाजवादी पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह से सम्बन्धित में सिब्बल ने अखिलेश यादव की ओर से पैरवी की थी। इससे पहले सिब्बल अखिलेश के पिता मुलायम सिंह यादव के भी करीबी रहे बताये जाते हैं। विद्रोही जी-23 के सदस्य, सिब्बल ने घोषणा कर दी कि उन्होंने शानदार अतीत वाली पार्टी (कांग्रेस) से इस्तीफा दे दिया है तथा वे राज्य सभा का चुनाव, समाजवादी पार्टी के समर्थन के साथ, निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लडेंगे।

- **पहले वाले मॉडल में महात्मा गांधी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, जवाहर लाल नेहरू और डॉ.बी.आर. अम्बेडकर थे।**
- **नये मॉडल में सिब्बल, सुब्रमण्यम स्वामी, अभिषेक मनु सिंघवी, आर.के. आनन्द हैं।**
- **सिब्बल तो साफ कहते सुने गये हैं कि, वे चारा घोटाला काण्ड में लालू यादव के वकील थे, और लालू के कारण उनकी लोकसभा में ''एंट्री'' हुई थी।**

देश की आजादी के समय से ही, राजनैतिक परिदृश्य पर वकील-राजनेताओं का दबदबा रहा है। चाहे वे महात्मा गांधी हों, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद हों, जवाहर लाल नेहरू हो या डॉ. बी.आर. अम्बेडकर हों। पिछले दो दशकों में, एक अलग प्रकार का वर्ग उभर कर आया हैं-ऐसे लोग, जिन्होंने अपनी जबरदस्त वकालत के कारण, राजनीति में प्रतिष्ठा अर्जित की। जैसा कि सिब्बल ने स्वयं स्वीकार किया है, वे संसद में अपने प्रवेश के लिये आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद के ऋणी एवं आभारी हैं, जिनकी ओर से, वे उनके चारा-घोटाला सम्बन्धी मुकदमे लड़ रहे थे। स्वर्गीय राम जेठमलानी कई राजनैतिक दलों में आये-गये, जिनमें भाजपा, जनता दल, पवित्र हिन्दुस्तान कज़ाखन्म तथा आरजेडी शामिल हैं तथा वे शिव सेना के समर्थन से राज्यसभा सदस्य भी चुने गये थे। इसी तरह असन्तुष्ट तथा मुँहफट नेता डॉ. सुब्रमन्यम स्वामी भी विभिन्न राजनैतिक दलों से जुड़े रहे हैं। भारतीय जनसंघ से लेकर जनता पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी तक तथा उन्होंने राजनीति, शिक्षण तथा वकालत तीनों में एक साथ अपनी दिलचस्पी बनाये रखी है। इसी श्रेणी के अन्य कांग्रेसी नेताओं में शामिल हैं। पी चिदम्बरम तथा अभिषेक मनु सिंघवी। वस्तुतः, सिंघवी राज्यसभा के लिये ममता नर्जी की तृणमूल कांग्रेस के समर्थन से चुने गये थे। वरिष्ठ वकील आर.के. आनन्द एनडीए सरकार के शासनकाल के दौरान 2000 में राज्य सभा के लिये चुने गये थे तथा बाद में उन्होंने दो लोकसभा चुनाव भी लड़े। उन्होंने पहला चुनाव 2004 में कांग्रेस टिकट पर दक्षिण दिल्ली सीट से लड़ा था तथा दूसरी कोशिश उन्होंने 2014 में फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से इंडियन नेशनल लोक दल के टिकट पर की थी।

लोग अपने व्यवसायों के दौरान बीच में भी अपना रास्ता बदल लेते हैं, जबकि कुछ लोगों में इतनी और ऐसी क्षमताएं तथा कौशल हुआ करती हैं कि वे कई क्षेत्रों में एक साथ बड़ी सहजता से काम करते रहते हैं। इसमें कुछ नुकसान भी नहीं है। नैतिक प्रश्न केवल तभी उठते हैं, जब राजनैतिक दल लोगों को राज्यसभा के नामांकन के अवसर के रूप में ''रिटर्न गिफ्ट'' देते दिखाई देते हैं।

सिब्बल का इतिहास

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। कपिल सिब्बल ने उत्तर प्रदेश से एक निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में राज्यसभा का नामांकन पत्र भरकर गांधी परिवार के मुंह पर एक करारा तमाचा जड़ा है। उत्तर प्रदेश के हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रियंका गांधी की अगुवाई में सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी थी। कपिल सिब्बल समाजवादी पार्टी के वोटों के सहारे राज्यसभा में प्रवेश करेंगे क्योंकि उनके नामांकन पत्र भरने के दौरान अखिलेश यादव मौजूद थे।

- **इस बार सिब्बल इतिहास दोहरा रहे हैं, क्योंकि पिछली बार भी सपा की मदद से पहुंचे थे राज्यसभा, हालांकि, इस बार उनका ओहदा, निर्दलीय उम्मीदवार का होगा।**

सुप्रीम कोर्ट के सर्वाधिक कुशल वकीलों में से एक सिब्बल पिछली बार भी समाजवादी पार्टी की मदद से राज्यसभा सदस्य बने थे। हालांकि इस बार वे एक निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर राज्यसभा में होंगे क्योंकि वह किसी पार्टी से सम्बद्ध नहीं हैं।

समाजवादी पार्टी से राज्यसभा के दो अन्य सदस्य बनने हैं, जिसकी घोषणा वह उचित समय पर करेगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक-एक करके महारथी क्यों छोड़ रहे हैं पार्टी

राहुल की ''फिलॉसफी'' व भाषण में ''वैस्टर्न लिबरल'' सोच की प्रतिध्वनि तो सुनाई देती है, पर, धरातल पर जनता में यह ''विश्वास'' पैदा नहीं कर पा रही कि, इस ''फिलॉसफी'' में ही उसका भला निहित है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। राहुल गांधी ने भारत को एक राष्ट्र की बजाय राज्यों का एक संघ बताया और इस आइडिया की विस्तृत व्याख्या की और इधर भारत में कांग्रेस जिसने उन्हें प्रमुखता दे रखी है अक्षम नेतृत्व की वजह से टूट रही है।

- **नरसिम्हा राव जब प्र.मंत्री बने थे तो, उन्होंने अल्पमत वाली सरकार पूरे समय चलायी थी तथा पूरे समय नेहरू-गांधी परिवार को पार्टी के संगठन व सरकार से एकदम दूर रखा था। क्या राजनैतिक अस्तित्व के लिए पार्टी को नरसिम्हा राव अध्याय दोबारा दोहराने का समय आ गया है।**

राहुल गांधी ने विदेश जाकर अप्रवासी भारतीयों से संवाद करना उचित समझा यद्यपि यहां कांग्रेस का जनाधार निरंतर सिकुड रहा है। वे वही बात कह रहे है जो पश्चिम हमेशा से भारत के बारे में कहता रहा है।

इस तरह की बातें पाश्चात्य लोगों को अच्छी लग सकती हैं पर इससे पार्टी को अपनी दशा सुधारने में कोई मदद नहीं मिलेगी। इससे कांग्रेस पार्टी की ऐसी छवि कदापि नहीं बनेगी जिसे सरकार चलाने का मौका दिया जाए।

उनके इंटरव्यु और प्रश्नोत्तर सत्र जरा भी प्रेरणास्पद नहीं रहे और कई बार जवाब देते समय उनकी जबान लड़खड़ाई। एक व्यक्ति के प्रति उनकी घ्रणा उभरकर आई जबकि इससे बड़े कई सवाल और मुद्दे थे। इंटरव्यु अकस्मात खत्म हो गया। क्योंकि वक्ता की बातों में तालमेल ही नहीं था।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि पार्टी कार्यकर्ताओं का उच्चतम नेतृत्व की चुनाव जीतने की क्षमताओं पर भरोसा टूट रहा है। राहुल गांधी के साक्षात्कार इस कहावत पर खरे उतरते है जब रोम जल रहा था तब नीरो बंसी बजा रहा था। यहां पर हालात है लोग कांग्रेस छोड़ रहे है क्योंकि पार्टी का जहाज डूब रहा है।

गत कई वर्षों से कांग्रेस पार्टी के स्तम्भों में से एक रहे कपिल सिब्बल ने भी पार्टी छोड़ दी है और वे सपा की मदद से बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। यह एकमात्र घटना नहीं है।

इससे पहले सुनील जाखड़ ने अपनी पीड़ा जताते हुए पार्टी छोड़ी थी वे जाटों के रसूखदार नेता हैं। अश्विनी कुमार ने भी नाराजगी में पार्टी छोड़ी क्योंकि पार्टी की सत्ता में वापसी की संभावना नहीं थी।

इससे बहुत पहले युवा नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पार्टी छोड़ दी थी और वे सीधे भाजपा में चले गए क्योंकि उन्हें लगता था कि कांग्रेस नेतृत्व जनमानस को उत्साहित नहीं कर सकता है और ना ही वोट ले सकता है।

उनके मित्र सचिन पायलट राजस्थान में कई वर्षों से अशान्त हैं, और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दर्डा को टिकट देगी आप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सदस्य विजय दर्डा (72) आम आदमी पार्टी (आप) के टिकट पर पंजाब से पुनः राज्यसभा सदस्य बनने जा रहे हैं। पंजाब में 10 जून को राज्यसभा की दो सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव हो रहे हैं।

विजय दर्डा कांग्रेस नेताओं के परिवार से है। उनके पिता जवाहर लाल दर्डा और छोटे भाई राजेन्द्र दर्डा (69) दोनों ही महाराष्ट्र की सरकारों में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं।

समझा जाता है कि विजय दर्डा की आप सुप्रीमो अरविन्द केजरीवाल के साथ एक डील हुई है, जिसके अन्तर्गत वह अगले चुनावों में आप के महाराष्ट्र में प्रवेश को तीव्र करने के लिए अपने लोकमत ग्रुप ऑफ न्यूजपेपर्स से मदद करेंगे। लोकमत महाराष्ट्र के कई स्थानों से प्रकाशित होने वाला सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला दैनिक अखबार है।

- **आप का इरादा, लोकमत की पीठ पर सवार होकर महाराष्ट्र में प्रवेश करे।**

राज्यसभा चुनाव से पहले सामने आती जा रही है कांग्रेस विधायकों की नाराजगी

'मुख्यमंत्री अपने मंत्री के जेल जाने से डरते हैं इसलिए रीट की सी.बी.आई. जांच नहीं करा रहे'

जयपुर, 25 मई (का.प्र.)। राज्यसभा चुनाव ज्यों-ज्यों नजदीक आ रहे हैं, वैसे वैसे कांग्रेस विधायकों की नाराजगी सामने आती जा रही है। पहले डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा भेजा और प्रतापगढ़ विधायक रामलाल मीणा ने उनका समर्थन किया। इसके बाद घोघरा सीधे दिल्ली पहुंच गए तो रामलाल मीणा ने डूंगरपुर में कांग्रेस के बिखरने की बात कही। अब कांग्रेस के बेंगू विधायक राजेंद्र विधूड़ी ने तो सार्वजनिक रुप से कह दिया है कि मुख्यमंत्री गहलोत अपने मंत्री के जेल जाने से डरते हैं, इसलिए रीट की सीबीआई जांच नहीं करा रहे हैं।

- **कांग्रेस विधायक बिधूड़ी ने सार्वजनिक मंच से यह भी कहा कि, ''50 हजार से हारने वाले को राज्यमंत्री का दर्जा दे दिया, जीतने वाले को नीचे गिरा दिया।''**

चित्तौड़गढ़ के बेंगू से विधायक विधूड़ी अपने बयानों को लेकर पहले भी चर्चाओं में रहे हैं और अब उन्होंने फिर सार्वजनिक मंच से बयान देकर नई चर्चा छेड़ दी। विधूड़ी के बयान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वह अपने क्षेत्र के पारसोली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नए भवन के लोकार्पण समारोह में बतौर अतिथि बोल रहे थे।

इस दौरान पारसोली थाना पुलिस के खिलाफ बोलते-बोलते विधूड़ी ने सीएम को भी घेर लिया। उन्होंने कहा कि, थाने से डोडाचूरा चोरी हो गया। इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए थी। मुख्यमंत्री ही गृहमंत्री है, उन्हें सब को सस्पेंड करना चाहिए था। सबको भगाकर सीबीआई जांच करानी चाहिए थी।

सीएम रीट मामले की जांच नहीं करवा सकते। कम से कम पारसोली थाने के मामले की तो जांच करवानी चाहिए थी।

विधूड़ी ने चित्तौड़ से कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का नाम लिए बिना कहा कि जो नेता दो बार 50 हजार वोटों से हारा है, उसको मुख्यमंत्री ने राज्यमंत्री का दर्जा दे दिया और जीतने वाले को नीचे गिरा दिया। हम विधायक जीतेंगे तभी तो आप मुख्यमंत्री बनोगे। हमें हमारा कार्यकर्ता ही जिताएंगे। जब कार्यकर्ता ही मजबूत नहीं होगा, उसकी कोई सुनेगा नहीं तो हम भी कैसे जीतेंगे।

एक अनार सौ बीमार

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। अगले वर्ष राजस्थान विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिये विक्षुब्ध एवं उत्तेजित जाति-आधारित नेताओं ने अपना दमखम एवं तेवर दिखाने शुरु कर दिये हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से यह कहना शुरु कर दिया है कि पार्टी को अन्य जातियों को भी समायोजित करना चाहिये, केवल जाटों को ही नहीं, जैसा कि हो रहा है। उन्होंने कहा कि पी.सी.सी. अध्यक्ष जाट हैं, ए.आई.सी.सी. महासचिव हरीश चौधरी जो राजस्थान के बाड़मेर क्षेत्र से हैं, जाट हैं तथा गहलोत सरकार के 4-5 मंत्री जाट हैं। उन्होंने कहा है कि इससे जातियों का प्रतिनिधित्व असंतुलित हो गया है।

- **जाट के खिलाफ वातावरण बना रहे हैं राजपूत, आदिवासी, मुस्लिम आदि, राज्यसभा टिकट के लिये।**

मुस्लिमों का कहना है कि वे राज्य की आबादी का 10 प्रतिशत हिस्सा हैं तथा उन्हें राज्यसभा की एक सीट मिलनी चाहिये। आदिवासी भी स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं तथा अपनी उपेक्षा को लेकर मुखर होने लगे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

यह आत्मविश्वास रखो कि तुम पृथ्वी के सबसे आवश्यक मनुष्य हो। –गोर्का

वनों को पर्यटन उद्योग का हिस्सा बनाने की कवायद

सरकार में बैठे किसी व्यक्ति को यह घ्यान में नहीं आता कि वन विभाग का असली मकसद क्या है। खुली अर्थव्यवस्था के नये निज़ाम में शासन वन्य क्षेत्र और उसमें आबाद वन्य जीवों तथा वनस्पतियों के संरक्षण की सुध भूल कर वनों से मुनाफा कमाने वाले व्यावसायिक हितों को साधने वाला हो चला है। लगता है कि गणतांत्रिक व्यवस्था में नीति निर्माता बाज़ार की शक्तियों तथा कार्यपालिका तंत्र के इतने वशीभूत रहने लगे हैं कि उन्हें वनों के प्राकृतिक वातावरण और वहां की जैव विविधता के संरक्षण की नीतियों के पीछे के दर्शन की कोई खबर नहीं है या उनमें उसे समझने की दृष्टि ही नहीं है। इसका पता चारों तरफ अंधाधुंध और घोर अनियोजित तरीके से फैल रहे जयपुर शहर से सटे छोटे से बचे रह गये जीवंत वन क्षेत्र में व्यावसायिक तेंदुआ सफारी की दखल के राज्य सरकार के कदम से चलता है। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर मुख्यमंत्री द्वारा जिस प्रकार जयपुर के पास आमागढ़ लेपर्ड रिजर्व को पर्यटन स्थल बताते हुए उसकी सौगात प्रदेशवासियों को समर्पित की गई उससे सरकार की मंशा और भी स्पष्ट हो गई। सारा काम कितने सुव्यवस्थित तरीके से किया गया है इसका पता इससे चलता है कि सरकार पिछले साल वन संरक्षण को पर्यटन में तब्दील करने वाली इको–टूरिज्म पॉलिसी–2021 लागू करती है और उसके साथ की तेंदुआ सफारी की परियोजना हाथ में ले लेती है। अब यह बात यहीं नहीं रुकने वाली है इसका पता मुख्यमंत्री के भाषण से भी लगता है जिसमें उनका कहना था कि वन और पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए हैं जिसके तहत जयपुर के झालाना डूंगरी स्थित विश्व वानिकी उद्यान की तर्ज पर जोधपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर, भरतपुर और अजमेर में भी वानिकी उद्यान विकसित किए जा रहे हैं। अब कोई उनसे यह पूछे कि क्या उन्हें वन और उद्यान में फिक्र का पता भी है। उनका वक्तव्य तो यही ध्वनि देता है कि मानो राज्य में वन विभाग को पर्यटन विभाग के साथ जोड़ दिया गया हो।

वन क्षेत्र आधुनिक मानवीय बस्तियों की तरह नहीं होता। वह अपने अंदर सम्पूर्ण संसार होता है। वन्य जीव विशेषज्ञ बताते हैं कि आमागढ़ क्षेत्र तेंदुओं के अलावा पक्षियों की सौ से अधिक प्रजातियां, और सरीसृप की कोई डेढ़ दर्जन से अधिक प्रजातियों तथा अन्य जीवों जैसे लकड़बग्गा, सियार, जंगली बिल्ली, लोमड़ी व सीबिटकैट, सांभर, नीलगाय, खरगोश आदि शामिल हैं का वास है। प्रदेश के पहले लेपर्ड रिज़र्व झालाना व नाहरगढ़ अभयारण्य के मध्य में स्थित होने के कारण यह वन क्षेत्र वन्य जीव संरक्षण एवं कॉरिडोर विकास की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण माना जाता है। यह वन क्षेत्र एक उष्ण कटिबन्धीय, मिश्रित/पतझड़ /मानसूनी वन क्षेत्र है जहां मुख्यत: रेतीले समतली इलाके में टोटलिस, कुमठा, खेजड़ी तथा पहाड़ी ढलान पर धौंक, सालर, गोया खैर आदि वनस्पतियां पाई जाती हैं।

पक्षियों में स्थानीय व प्रवासी पक्षियों की करीब 250 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती हैं। मोर, तीतर, डव, बैवलर, मैना, पैराकीट, रौबिन, वुड पैकर, बुल–बुल, शिकरा आदि स्थानीय पक्षी हैं तो पिट्टा, पैराडाइज पलाई कैचर, गोल्डन औरियल, पाइड कुक्कू, यूरेशियन कुक्कू, यूरेशियन रौलर, औरियन्ट स्कूप आउल, पैलिड स्कूप आउल, नौर्दन गौसौक, यूरेशियन स्पैरोहीक आदि पक्षी हैं जो देश–विदेश के विभिन्न कोनों से प्रजनन व भोजन की तलाश मौ यहां आते हैं। क्या उनके प्राकृतिक विहार में मानवीय खलल उचित है यह बात सरकार में बैठे लोगों की समझ में इसलिए नहीं आती क्योंकि वे प्रकृति से प्रेम करने वालों को बाज़ार की ताकतों की सीख में आकर विकास के विरोधी मान बैठे हैं। पर्यटकों के मनोरंजन के लिए इस छोटे से बचे वन क्षेत्र के तीन किलो मीटर इलाके में पेड़ काटे गए हैं औरभारी मशीनरी से पूरी पारिस्थितिकी तंत्र की प्राकृतिक व्यवस्था में विघ्न डालते हुए ट्रैक बना कर उसे पूरी तरह बेहाल किया गया है। सरकार के पास अपनी मनमानी को ठीक बताने के लिए यह मासूम दावा भी है कि जंगली जानवरों की निगरानी के लिए पेट्रोलिंग के वास्ते ऐसा आवश्यक था। कुछ समय पहले यह खबर मीडिया में छुट–पुट रूप से जरूर आई थी कि आमागढ़ वन क्षेत्र को पर्यटकों के आकर्षित करने योग्य बनाने तथा इस परियोजना को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने के लिए, लगभग 3 किमी के सफारी ट्रैक विकसित किया जा रहा है और अरावली पहाड़ियों के एक तरफ पेड़ों को काटा गया है। मगर जहां बाज़ार प्रायोजित व्यावसायिक परियोजनाओं के लिये इंसानों की बस्तियां उजाड़ी जाने पर समाज की चेतना पर कोई असर न होता हो वहां ऐसी अत्यंत छोटे वन क्षेत्र के बारे में सोचने के लिए किसके पास फुरसत हो सकती है।

स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ के एक सदस्य का सार्वजनिक बयान था कि विभाग ने तेंदुओं के घरों में घुसकर हजारों पेड़ों को बेरहमी से काट दिया और क्षेत्र की पूरी पारिस्थितिकी को बर्बाद कर दिया। वन्यजीव पर्यटन को सामान्य पर्यटन से विभाजित करने वाली एक महीन रेखा होती है। इस कदम से इस महीन रेखा का अतिक्रमण कर दिया गया है। व्यावसायिक पर्यटन ने संरक्षण को पीछे धकेल दिया है।

तेंदुआ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची के तहत सूचीबद्ध है जिसका अर्थ है कि इसे गंभीर सुरक्षा दी जानी है। मगर सरकारें वन्य जीवों की बजाय लालची मानव के लिये सुविधाओं का विस्तार करती हैं। वन संरक्षण का मॉडल इस विश्वास पर आधारित होता है कि संरक्षित वन क्षेत्रों को बनाकर जैव विविधता को संरक्षित किया जा सकता है क्योंकि इससे मानवीय दखल को रोक कर पारिस्थितिक तंत्र को अपना काम करने दिया जाता है।आमागढ़ में लेपर्ड कंजर्वेशन के नाम पर चार नये वाटर पॉइन्ट का निर्माण, दो पुराने वाटर पॉइन्ट का पुनरूद्धार हुआ है तथा दो नये बोरवेल लगा कर उन पर सोलर पैनल लगवाए गए हैं। इन वाटर पॉइंट्स पर पाइप लाइन के माध्यम से वन्य जीवों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। इसे इस वन क्षेत्र को पालतू जानवरों का एक बाड़ा बनाने का उद्यम ही कहा जा सकता है। वास्तव में सारा उद्यम वन संरक्षण का नहीं पर्यटकों की सुविधाओं का है जिसका अंदाजा अधिकृत रूप से जारी सरकारी विज्ञिप्त से होता है। इसमें कहा गया है कि इस क्षेत्र में सफारी का आयोजन सुबह और शाम दो पारियों में किया जाएगा। पर्यटकों की सुविधा के लिए सफारी टिकट ऑनलाइन उपलब्ध होंगे और बुकिंग सरकारी वेबसाइटपर की जा सकेगी। आमागढ़ सफारी के लिए भौतिक रूप से भी टिकट खरीदे जा सकेंगे जिसके लिए बिक्री की खिड़की और प्रवेश द्वार प्रसिद्ध गलता मंदिर की ओर जाने वाली सड़क पर सिसोदिया रानी बाग के ठीक आगे बनाया गया है। इस विज्ञिप्त में वन्य जीवों के संरक्षण की नहीं बल्कि पर्यटकों की मौज–मस्ती का अधिक प्रचार है। सरकारी विज्ञिप्त कहती है कि पर्यटक आमागढ़ जंगल में आकर्षक ड्राइव का मजा ले सकेंगे और ड्राइव के दौरान तेंदुए, लकड़बग्घा, रेगिस्तानी लोमड़ी और अन्य पक्षियों और जानवरों की तस्वीरें क्लिक करने के अलावा आसपास के कुछ सुंदर दृश्यों का भी आनंदले सकते हैं। पर्यटकों को सरकारी विज्ञिप्त यह सूचना भी देती है कि इस क्षेत्र के आसपास कई किले और मंदिर हैं, जैसे गलता मंदिर, आमागढ़ किला, रघुनाथ किला और अम्बामाता मंदिर। इस प्रकार सरकार इस वन क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र बना देने पर इठला रही है।

अब क्योंकि सारा व्यावसायिक तामझाम तेंदुए के संरक्षण के नाम पर किया जा रहा है इसलिए उसके बारे में भी सरकारी विज्ञिप्त में कुछ लिखा जाना लाजमी था। इसमें सफारी के काम की आवश्यकता को बताने के लिए कहा गया कि यह वन क्षेत्र झालाना लेपर्ड रिजर्व व नाहरगढ़ अभयारण्य के मध्य स्थित है। इस क्षेत्र में लगभग 15 लेपर्ड का आवास है। विभाग द्वारा प्रोजेक्ट लेपर्ड के तहत वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में किए गए प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2017 के पश्चात झालाना लेपर्ड रिजर्व में लगातार लेपर्डस की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2018 में जहां लेपर्डस की संख्या करीब 20 थी, वहीं वर्तमान में सम्पूर्ण क्षेत्र में लेपर्डस की कुल संख्या करीब 40 है। पिछले तीन वर्षों में (जनवरी 2019 से अगस्त 2021 तक) झालाना क्षेत्र में कुल 35 शावकों का जन्म हुआ है। आमागढ़ वन क्षेत्र को लेपर्डस एवं अन्य वन्य प्राणियों ने दूसरे जंगलों में जाने के लिये कॉरिडोर के तौर पर इस्तेमाल किया है, चूंकि झालाना का जंगल केवल 1978 हैक्टेयर है यहां लेपर्ड के लिए सीमित स्थान है अत: सब–एडल्ट लेपर्ड जंगल/आवास की तलाश में आमागढ़ व लालबेरी वन क्षेत्र में आते रहे हैं एवं भविष्य में भी आते रहेंगे। इस प्रकार यहां लेपर्ड की संख्या बढ़ेगी। यह तो अधिकृत रूप से मान लिया गया कि इस वन क्षेत्र में तेंदुए संरक्षित है तथा बिना किसी सफारी परियोजना के ही उनकी संख्या भी बढ़ रही है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि सफारी के अलावा ऊंचे स्थान से पर्यटकों को जल महल को दिखाने का भी व्यावसायिक दृष्टिकोण है। स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ के एक सदस्य का सार्वजनिक बयान था कि विभाग ने तेंदुओं के घरों में घुसकर हजारों पेड़ों को बेरहमी से काट दिया और क्षेत्र की पूरी पारिस्थितिकी को बर्बाद कर दिया। वन्यजीव पर्यटन को सामान्य पर्यटन से विभाजित करने वाली एक महीन रेखा होती है। इस कदम से इस महीन रेखा का अतिक्रमण कर दिया गया है। व्यावसायिक पर्यटन ने संरक्षण को पीछे धकेल दिया है। तेंदुआ बच के रहने वाला, एकान्तप्रिय और निशाचर प्राणी है जो दिन में आम तौर पर पेड़ पर चढ़ कर सोता रहता है। जब पर्यटक सुबह शाम गाड़ियों में भर–भर कर आएंगे तब यह प्राणी और समूचा जंगल बेचैन होगा तो उससे कैसा वन संरक्षण हो सकता है इसका जवाब तो एक सामान्य बुद्धि का इंसान भी दे सकता है मगर दुर्भाग्य से वह शासन में बैठे लोगों को समझ में नहीं आता।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वर्तमान बाजारी व्यवस्था के रहते मितव्ययता कैसे बर्तें, अपरिमित बढती महंगाई के परिपेक्ष में

आज टेक्नोलॉजी एवं विज्ञान के ज्ञान के फलस्वरूप नित नयी विकसित निर्माण उद्योगों की उत्पाद श्रृंखला से मनुष्य भ्रमित हो रहा है।

बाजार में विभिन्न प्रकार की छूटें, पेमेंट की इन्स्टालमेन्ट में अदायगी, बिना ब्याज लिए, पुराने माल की वापिसी से नयी की खरीद पर उम्मीद से अधिक डिस्काउंट, वारंटी अथवा गारंटी की निश्चिंतता, खराबी होने पर माल वापिसी से लेकर मुफ्त मरम्मत आदि ऐसे अनेक प्रलोभन बाजार उपलब्ध करा रहा है, जिनसे आकर्षित होकर उपभोक्ता अनावश्यक वस्तुओं की भी खरीद कर लेता है। मॉडर्न माल्स में खरीददार एक बास्केटनुमा ट्रोली में सजी खुली रेकों से घूम–घूम कर सामान उठा–उठा कर अपनी ट्राली में रखता जाता है, चाहे घर से चलते समय उनमे से अधिकांश वस्तुओं की जरूरत उसे नहीं थी ऐसी बेतुकी व् अनावश्यक खरीद मनुष्य का महीने का आर्थिक बजट बिगाड़ देती है।

निर्मित वस्तुओं में बिजली के उपकरण यथा–पंखे, कपडे धोने की मशीन, रूम कूलर्स, एयर कॉन्डीशनर्स, मिक्सचर्स एंड ग्रिन्डर्स, फर्नीचर मोल्डेड व् लकडी, ब्रांडेड सिले हुए पहनने के कपडे पुरुष व् महिलाओं के, सुगम यातायात के साधन जैसे– दो पहिया वाहन, फोर व्हीलर्स, नवीन उपकरणों (म्यूजिक प्लेयर, एयर कंडीशनर आदि) से सुसज्जित, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे– कंप्यूटर, लैब टॉप, मोबाइल, फोन्स और स्मार्ट मोबाइल फोन्स अनेकों गुणों से सज्जित, आदि विभिन्न निर्मित वस्तुएं बाजार में उपलब्ध हैं।

एक अन्य पक्ष जो बाजारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है वो है बैंको से सुगमता से बहुत कम ब्याज पर कर्ज का मिल जाना। और प्रचार–प्रसार के लिए लाखों रुपये के प्रिंट मीडिया में फुल अखवारी पेज के विज्ञापन, ताकि लोगों में उत्सुकता उस वस्तु के प्रति बढ़ सके।

अब तो विदेशों में पढ़ाई के लिए भी बैंक लोन दे देते हैं अन्यथा बहुत बड़ी संख्या में छात्र विदेश में पढ़ाई कर मेडिकल डॉक्टर, इंजीनियर आई टी प्रोफेशनल्स, मार्केटिंग प्रबंधन, वित्तीय प्रवंधन, ह्यूमन रिसोर्स प्रबंधन व अन्य टेक्नोलॉजिकल, व्यवसायक, सूचना प्रौद्योगिकी आदि विषयों में शिक्षा व् प्रशिक्षण कैसे प्राप्त करते? क्योंकि देश में छात्रों के अनुपात में न तो वांक्षित

प्रो. (डॉ) वीर बहादुर सिंह

संस्थाएं उपलब्ध हैं और न ही वांक्षित सीटें। देश की एक बहुत बड़ी छात्रों की संख्या विदेशों की शिक्षण संस्थाओं में पढ़ने को मजबूर हैं। इस प्रक्रिया का एक बड़ा नेगेटिव पक्ष भी है अधिकांश छात्र विदेश में शिक्षा ग्रहण कर विदेश में ही रोजगार में संलग्न हो जाते हैं, जहां उन्हें अनुकूल कार्य वातावरण और अपेक्षित वेतन आदि प्राप्त हो जाते हैं।

यहां पर एक दृष्टान्त है अमेरिका देश में एक बार किसी प्रेस रिपोर्टर ने प्रेजिडेंट से प्रश्न किया कि अमेरिका में पढ़ाई, अनुसन्धान व् विभिन्न किस्म के रोजगारों के लिए मेरिटोरियस लोग कैसे उपलब्ध होते हैं? प्रेजिडेंट का उत्तर सुन भारतीय लोग और राज नेता सिहिर जायेंगे, प्रेजिडेंट ने उत्तर दिया– जब तक भारत में आरक्षण लागू रहेगा तब तक अमेरिका को अपने देश में मेरिट बढ़ाने के उपाय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

अनावश्यक स्कूटर, मोटर साइकिल और कारों का अव्यवस्थित उपयोग अवांक्षित होता है। पहनने के कपडे भी न्यूनतम रखे ताकि अनावश्यक धुलाई आदि पर खर्चा कम हो सके।

विगत कुछ ही वर्षों से एक अन्य उद्योग बाजारू क्षेत्र में विकसित हुआ है और आगे बढ़ रहा है वह है निर्मित पके–पकाये भोजन व अन्य खाद्य वस्तुओं का। इस क्षेत्र में भोजन व अन्य खाद्य सामग्री ऑन लाइन ही बुक होती है और ऑन लाइन ही घरों या ऑफिसेस में पहुंचा दी जाती है, इसमें कुछ निर्मित या पकाये हुए पदार्थ संभवत: विदेशी मूल के हैं, उनके नाम भी हम जैसे लोगों के लिए अटपटे हैं, जैसे– चाउमीन, नूडल्स, पाव भाजी, पिज़्ज़ा, मंचूरियन, हक्का नूडल, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज आदि जिनमे स्वाद बढ़ाने के लिए एक रसायन (मोनोसोडियम ग्लूटामेट, अजीनोमोटो) उपयोग किया जाता है। इस स्वाद के लोग आदी हो जाते हैं परतु लम्बे समय तक इस रसायन के खाने से आमाशय में अम्लता बढ़ने लगती है और उपयोगकर्ता कई पाचन सम्बन्धी व्यधिओं से ग्रसित हो जाता है। इन सभी समस्याओं के होते हुए भी इन वस्तुओं का प्रचलन शहरों में तेजी से बढ़ रहा है। लोगों को व्यवसाय में संलग्न रहते घर का खाना नसीब नहीं हो पाता अत: विकल्प के रूप में यह खाद्य व्यवसाय फलफूल रहा है। बड़े शहरों में कई इंजीनियरिंग पढ़े युवा इस कार्य में पूरे समय संलग्न हैं। दूसरे देशों में पर्यटन और शीघ्र सूचना प्रणाली ने इसे विकसित करने में आग में घी का काम किया है। उपरोक्त वर्णन में से अधिकांश परिस्तिथिओं से लेखक स्वयं का सामना हुआ है। लेखक आशा करता है कि लेख पढ़ कर लोग इन मुद्दों पर वांछित विचार कर उचित कदम उठाने में तत्पर होंगे।

प्रो. (डॉ.) वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं विवि उदयपुर।

25 लाख की लागत से बनी कोर्ट परिसर की कैन्टीन पर दो साल से लटके ताले

मालपुरा, (निसं)। स्थानीय नगरपालिका प्रशासन की उदासीनता व अनदेखी के चलते 25 लाख की लागत से कोर्ट परिसर में निर्मित दो मंजिला केन्टीन भवन पर दो साल से ताले लटके हुए हैं व भवन उद्घाटन के इंतजार मे धूल चाट रहा है। पूर्व पालिका बोर्ड में स्वीकृत केन्टीन भवन का निर्माण व शिलान्यास आनन–फानन में करवा दिया गया लेकिन दो मंजिला भवन में केन्टीन शुरू होना तो दूर भवन के ताले तक नहीं खुले। इतना ही नहीं लाखों रूपयों की लागत से केन्टीन के सामने गार्डन भी बनाया गया था। जो कि आज आवारा मवेशियों की शरणस्थली में तब्दील हो गया है।

रोजाना न्यायालय व पंचायत समिति में आने वाले हजारों नागरिकों की सुविधा के लिए बनाये गये दो मंजिला केन्टीन भवन में समय पर केन्टीन ठेका नहीं होने से बीते दो साल में पालिका को लाखों रूपयों की आय का भी घाटा होना सामने आया है। यहां तक की भवन में हुए विद्युत कनेक्शन की लाखों रूपयो की बिल राशि भी सरकारी कोष से खर्च की जा चुकी है। न्यायालय परिसर में निर्मित केन्टीन व गार्डन की हो रही दुर्दशा पर उपखण्ड प्रशासन की चुप्पी भी आश्चर्य का विषय बनी हुई है।

मालपुरा न्यायालय परिसर में पालिका द्वारा बनाई गई कैन्टीन पर दो साल से ताले लगे हुए हैं।

- **केन्टीन के सामने बना गार्डन आवारा मवेशियों की शरणस्थली में तब्दील हो गया है**
- **विद्युत कनेक्शन की लाखों रूपयों की बिल राशि भी सरकारी कोष से खर्च की जा चुकी है**

कई मृतबा रात के अंधेरे में केन्टीन परिसर में शराबियों व शरारती तत्वों की जमावडे की सूचना के बावजूद पालिका प्रशासन सब कुछ जानकर भी अनजान बना हुआ है। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि जब केन्टीन को शुरू ही नहीं करना था तो 25 लाख की लागत से भवन का निर्माण क्यों करवाया गया। साथ ही क्यों सरकारी परिसर के बडे भाग को अवरूद्ध किया गया।

गर्मी की छुट्टियां : रचनात्मक, सृजनात्मक उत्सव क्यों नहीं

इस बारबच्चों की पढाई और परीक्षा का सिड्यूल मई के अन्तिम सप्ताह में पूरा होगा। छुट्टियाँ होते ही पूरा परिवार जश्न के मूढ में आ जाएगा। बच्चों की फरमाइश पर माता–पिता उन्हें हिल स्टेशन से लेकर पर्यटन के दर्शनीय स्थलों की सूची थमा देते हैं, फिर योजना बनती है और अपनी आर्थिक सामर्थ्य, अभिभावकों की स्वयं की छुट्टियां, घर की सुरक्षा आदि के मद्देनजर योजनाएं बनेंगी।

आपने गौर किया होगा अब बच्चे और उनके अभिभावक कुछ वर्षों पहले मनाई जाने वाली गर्मी की छुट्टियों से बहुत दूर हट चुके हैं। ज्यादा समय नहीं हुआ है जब आपने प्राय: सभी ने ऐसी नैसर्गिक और प्राकृतिक छुट्टियों का खूब लुत्फ उठाया है। दादी–नानी के घर बच्चों से गुलजार हो उठते थे। घर के बुजुर्ग महिनों पहले आने वाले नौनिहालों की आवभगत की तैयारियों में जुट जाते थे। हर रोज का एक प्लान, खाने के जायके, घरेलू खेलकूद की फहरिस्त सब रैडी होता था। बच्चों के साथ मेहमानों की रेलमपेल होती थी, बेटियाँ अपने बच्चों को अपने मां–बाप को सौंपकर घोड़े बेचकर सोने का आनन्द उठाती थी। छुट्टियों के अन्तिम सप्ताह में दामाद जी पुंहचते तो घर में आवभगत का लेवल भी पीक पर पंहुच जाता था। बिना किसी फोरमल पाठ्यक्रम के ये छुट्टियाँ बच्चों की अनौपचारिक लर्निंग का सर्वश्रेष्ठ समय होता था। यहां बच्चे खेलकूद, सृजनात्मक रचनायात्रा बात ही बात में सीख जाते थे। पर आज बुढी होती पीढी अपने नौनिहालों के आगमन की बाट निहारती निढाल हुई जा रही है बच्चों और और उनके मा बाप को फुर्सत नहीं है। समय की सच्चाई यह भी है कि आज के समय में पिता के साथ–साथ कई माएं भी जॉब करती हैं, ऐसे में उनके साथ छुट्टियां बिताना और रिश्ते–नाते निभाना टफ टास्क हो गया है। आज आपको लाखों एकाकी परिवार ऐसे देखने को मिल जाएंगे जो कहीं किसी रिश्तेदार के आते जाते ही नहीं हैं।

इन्ही बातों ध्यान में रखते हुए गर्मी की छुट्टियों के लिए स्कूल ने माता–पिता को एक गजब प्रोजेक्ट दिया। चेन्नई के इस स्कूल का नाम है अनई वायलेट मैट्रिक हायर सेकेंड्री स्कूल। जिन्होंने पहली से पांचवीं क्लास तक के बच्चों के माता–पिता के लिए होमवर्क दिया है। अपने 17 प्वॉइंट्स के होमवर्क में स्कूल ने बताया है कि अभिभावकों को क्या–क्या करना है। हद हो गई अब स्कूल यह भी बताने लगे हैं कि गर्मी की छुट्टियां बच्चों के साथ कैसे बितानी है लेकिन तनिक रुकिए जब आप स्कूल द्वारा अभिभावकों को थमाई गई लिस्ट पढेंगे तो समझ आएगा कि स्कूल ने आखिरकार ये सब क्यों कहा। चलिए पहले हम स्कूल द्वारा अभिभावकों को दिए गए होमवर्क पर निगाह डाल लें। चौंकिए मत जी हां यह होमवर्क बच्चों को नहीं अभिभावकों को ही मिला।

पर्चे पर स्कूल की तरफ से लिखा गया है– डियर पेरेंट्स, पिछले 10 महीने से हमने आपके बच्चे को पूरी तरह से ध्यान दिया। आपने भी नोटिस किया होगा कि बच्चे को स्कूल आना बहुत पसंद था। आने वाले 2 महीने आपको बच्चे

राजेन्द्र मोहन शर्मा

का ध्यान रखना होगा। उनकी छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए हम कुछ टिप्स आपसे शेयर कर रहे हैं। अपने बच्चों के साथ दिन में दो बार खाना जरूर खाएं। उन्हें किसानों के कठिन परिश्रम के बारे में बताएं। हो सके तो खेत खलिहानों की सैर कराएं और खाना बिल्कुल भी बेकार न करने की सलाह दें। खाने के बाद उन्हें अपनी प्लेटें खुद धोने दें। ऐसा करने से बच्चे मेहनत की कीमत समझेंगे और घर पर महिलाओं पर काम का बोझ थोड़ा कम होगा।

उन्हें अपने साथ खाना बनाने में मदद करने को प्रेरित करें उन्हें उनके लिए सब्जी या फिर फ्रूट सलाद बनाने दें। कम से कम तीन पड़ोसियों के घर जाएं. उनके साथ घुले–मिलें और उनको जानने की कोशिश करें। दादा–दादी, नाना नानी के घर अवश्य जाएं और उन्हें बच्चों के साथ घुलने–मिलने दें। उनका प्यार और भावनात्मक सहारा आपके बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। उनके साथ तस्वीरें लें और संजोकर रखें।

- **चेन्नई के एक स्कूल ने बच्चों की सृजनात्मकता बढाने व परिवेश को समझाने के लिए माता-पिता को होमवर्क दिया है**

आप जहां आप काम करते हैं, उन्हें वहां ले जाएं। उन्हें ये बताने की कोशिश करें कि आप कितनी मेहनत करके परिवार को चलाते हैं। किसी भी त्योहार को न छोड़ें। बच्चों को लोकल मार्केट जरूर लेकर जाएं और छोटा–मोटा सामान स्वेच्छा से खरीदने दें। अपने बच्चों से किचन गार्डन बनवाएं इसके के लिए बीज सहेजने और बोने के लिए प्रेरित करें। उनको बताएं कि पेड़–पौधे बच्चों के विकास के लिए कितने जरूरी हैं। अपने बचपन और अपने परिवार के इतिहास के बारे में बच्चों को जरूर बताएं। अपने बच्चों का बाहर जाकर खेलने दें, चोट लगने पर चिन्ता न करें, गंदा होने दें। आप जानते हैं कभी कभार गिरना और दर्द सहना उनके लिए अच्छा है। उन्हें जमीन पर चटाई बिछा कर बिठाएं और घरेलू खेल खिलाएं। उन्हें कोई पालतू जानवर जैसे कुत्ता, बिल्ली, चिड़िया या मछली को अडॉप्ट करने दें जिससे वे प्यार, सम्भाल और दायित्व जैसे भाव सीख सकें। बच्चों को उन्हें कुछ लोक गीतसिखाएं और फिर उनसे जरूर सुने।

रंग बिरंगी तस्वीरों वाली स्टोरी बुक्स लेकर आएं और बच्चों को पढ़ सुनाने को कहें। टीवी, मोबाइल फोन, कंप्यूटर और गैजेट्स से बच्चों को बहुत दूर रखें।

आप घर में लगातार कुछ न कुछ नया बनाएं और बच्चों को भी सिखाएं।

अगर आप माता–पिता हैं या दादा–दादी, नाना–नानी हैं तो इसे पढ़कर आपकी आंखें नम जरूर हुई होंगी। और आखें अगर नम हैं तो वजह साफ है कि आपके बच्चे वास्तव में आपसे से काफी दूर हो चुके हैं। स्कूल के एसाइनमेंट में लिखा एक–एक शब्द ये बता रहा है कि जब हम छोटे थे तो ये सब बातें हमारी जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा थीं, जिसके साथ हम बड़े हुए हैं, लेकिन आज हमारे ही बच्चे इन सब चीजों से दूर हैं, जिसकी वजह हम खुद हैं। अब आप ही सोच लीजिए जो काम आप आसानी से कर सकते थे वही सब हमें बच्चों के स्कूल सिखा रहे हैं। लेकिन जब जागो तभी सवेरा। तो देर किस बात की उठिए तैयारी की कीजिए अपने परिजनों से मिलने अपने बच्चों के साथ निकल पड़िए। मेहमान बनिए लुत्फ उठाईए और मेजबान बन कर चुकाइए। बच्चे बनकर खिलखिलाईए और बूढ़े बन कर मुस्कुराइए। बच्चों के जीवन कोष में मीठी स्मृतियों का खजाना संजोइए। ऐसा न हो ही आप सोचते रह जाएं और आपके वृद्ध अभिभावक पंख लगाकर आपकी बाट जोहते उड़ जाएं।

राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद् और चिन्तक

राशिफल

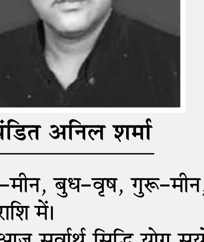

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 26 मई, 2022

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, रेवती नक्षत्र रात्रि 12:38 तक, आयुष्मान योग रात्रि 10:14 तक, बालव करण दिन 10:55 तक, चन्द्रमा रात्रि 12:38 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मीन, बुध–वृष, गुरू–मीन, शुक्र–मेष, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात है। आज आपरा एकादशी, भद्रकाली एकादशी है। पंचक रात्रि 12:38 पर समाप्त होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:20 तक, चर 10:42 से 12:24 तक, लाभ–अमृत 12:24 से 3:46 तक, शुभ 5:28 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:34, सूर्यास्त 7:09

मेष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। धार्मिक–सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यक्तिगत कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में वाद–विवाद बढ़ सकते हैं और अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मीन
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी और महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

आपदा प्रबंधन मंत्री मेघवाल ने देवीपुरा पंचायत भवन का शिलान्यास और नव क्रमोन्नत विद्यालय का उद्घाटन किया

सादुलपुर, (निसं)। आपदा प्रबंधन एवं सहायता, प्रशासनिक सुधार और समन्वय, सांख्यिकी विभाग एवं नीति निर्धारण प्रकोष्ठ मंत्री गोविंद राम मेघवाल तथा विधायक नरेंद्र बुडानिया ने बुधवार को राजगढ पंचायत समिति एवं तारानगर विधानसभा क्षेत्र की नवसृजित देवीपुरा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पंचायत भवन का शिलान्यास किया तथा नव क्रमोन्नत शहीद दानाराम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन किया।

सरपंच चांदकौर की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने विधायक नरेंद्र बुडानिया की कार्यशैली और तारानगर में करवाए जा रहे विकास कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की और कहा जनता को अच्छे जनप्रतिनिधियों को आगे बढाकर प्रजातंत्र को मजबूत करने का काम करना चाहिए। साथ ही किसान आदोलन में मारे गये 700 किसानों का जीक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी एवं अमित शाह पर आरोप-

क्रमोन्त विद्यालय का उदघाटन एवं पंचायत भवन का शिलान्यास करते आपदा प्रबंधन एवं सहायता, मंत्री गोविंद राम मेघवाल तथा विधायक नरेंद्र बुडानिया।

प्रत्यारोप के साथ जमकर बरसते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण सात वर्ष में देश बंटाधार हो गया है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अम्बेडकर नें कहा था कि बन्दूक की गोली से अधिक ताकत वोट में होती है, इसलिए अपने वोट की ताकत प्रयोग सही जगह पर करें। कैबिनेट मंत्री मेघवाल नें कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के विकास के लिए उल्लेखनीय एवं अद्भुत कार्य किए जा रहे हैं। कोविड महामारी के समय राजस्थान ने देश में सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन किया और बेहतरीन इंतजाम किए।

■ विधायक बुडानिया ने क्षेत्र के विकास के लिए की अनेक घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने रिकॉर्ड तोड बजट पेश किया है, जिसकी पूरे देश में सराहना हो रही है। प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। महिलाओं को मोबाइल व विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी जा रही है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के रूप में प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की जा रही है, जो पूरे देश में एक मिसाल है। उन्होंने ग्रामीणों को अपने बच्चों की शिक्षा और खास तौर पर बालिका शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जिसे पीने वाला दहाडेगा। मंत्री मेघवाल ने इस दौरान अंडर ब्रिज एवं पेयजल टंकी सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

अनेक विकास कार्यों की हुई घोषणा:- कार्यक्रम में विधायक बुडानिया ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अनुरोध पर देवीपुरा में पेयजल टंकी, कालोडी से सांखू फोर्ट सडक निर्माण, जयपुरिया खालसा में उच्च प्राथमिक विद्यालय स्वीकृत करवाने, पंचायत भवन देवीपुरा की चारदीवारी बनवाने, जयपुरिया खालसा में 4० केवीए ट्रांसफॉर्मर और देवीपुरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में दो कक्षा-कक्षों के निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्य करवाने का आश्वासन दिया और कहा कि इसके अलावा भी क्षेत्र की जनता की जो माँग होगी, उसे पूरा करने का वे भरसक प्रयत्न करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भामाशाह रणवीर झाझडिया नें देवीपुरा के उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए टिन शेड बनवाने की घोषणा की।

सार-समाचार

प्रियांशु ने जीता कांस्य पदक जीता

सादुलपुर, (निसं)। मध्यप्रदेश के नीमच शहर में एम एम ए मिक्स मार्शल आर्ट्स के तत्वावधान में फाइटऑफ नाइट की चौथी एम.एम.ए. इंटरनेशनल संपदा का आयोजन रविवार 22 मई को नीमच शहर के राम प्रसाद स्टेडियम में आयोजितत प्रतियोगिता में राजगढ निवासी प्रियांशु चांवरिया ने कांस्य पदक जीता है। पार्षद पति जीतू चांवरिया नें बताया कि इस प्रतियोगिता में देश के स्टार खिलाडियो के आतिथ्य और रेसलर खली के द्वारा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया था, जिसमें राजगढ के उभरते स्टार खिलाडी प्रियांशु चांवरिया नें भाग लेकर कांस्य पदक जीता है। प्रियांशु ने एक बार फिर से राजगढ (चूरू) के बाल्मीकि समाज का नाम रोशन किया और देश में अपना परचम लहराया है। इस मौके पर प्रियांशु के राजगढ पहुंचने पर वाल्मीकि समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुरारी लाल चांवरिया, हरखचन्द चांवरिया, गोविंद चांवरिया, संजय चांवरिया, अरुण चांवरिया, विक्रम सारसर, महिंद्र, नवीन व प्रमोद जमादार आदि लोग उपस्थित थे।

धरना 18वें दिन भी जारी

चिड़ावा, (निसं)। लालचौक बस स्टैंड पर किसान सभा के द्वारा टोल के विरोध में दिया जा रहा धरना बुधवार को 18 वें दिन भी जारी रहा। बुधवार को धरने की अध्यक्षता बनवारी लाल ने की जबकि प्रेमसिंह नेहरा क्रमिक अनशन पर बैठे। किसान सभा के ब्लॉक प्रभारी बजरंगसिंह बराला ने बताया कि टोल बंद होने तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। धरने पर राजेश शर्मा मोई, सुरेश वर्मा, अनिल कुमार मोई, कपिल तेतरवाल, बनवारीलाल, राजेंद्र सिंह चाहर, जगदीश प्रसाद सैनी, उप सरपंच संदीप सहित कई लोग मौजूद रहे।

मंत्री मेघवाल का किया स्वागत

चूरू, (कासं)। दूधवाखारा स्टेशन पर कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने बुधवार को चूरू दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया, जिनका विभिन्न स्थानों पर स्वागत हुआ। इसी कड़ी में देवीपुरा राजगढ़ जाते समय कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल का कांग्रेस नेता डॉ. महेश शर्मा की अगुवाई में ग्राम ब्रह्मनगर में ग्रामीणों ने मालाएं और साफा पहनाकर स्वागत किया।

80 वर्षीय पार्वती देवी को मिला पट्टा, शिविर में 37 पट्टे बांटे

पालिकाध्यक्ष चौधरी ने 80 वर्षीय पार्वती देवी को पट्टा दिया।

सरदारशहर, (निसं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान के अंतर्गत वार्ड न.16, 18 व 19 के शिविर का आयोजन बापा सेवा सदन विद्यालय में किया गया। शिविर में पालिकाध्यक्ष चौधरी ने 80 वर्षीय पार्वती देवी को दिया पट्टा।

पार्वती देवी ने बताया की पिछले अभियान के दौरान पट्टे हेतु आवेदन किया था जिसका आज 5 साल बाद मुझे पट्टा मिला है। शिविर के दौरान 37 व्यक्तियों को पट्टे वितरित किए गए। शिविर में नगरपालिका अध्यक्ष राजकरण चौधरी ने आमजन की समस्याएं सुनी। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि प्रशासन शहरों के संग अभियान वरदान साबित होगा। अधिशाषी अधिकारी देवीलाल बोचल्या ने आवेदन प्राप्त किए। शिविर में पार्षद अशोक मेहरा, ताराचंद, बाबूलाल, अर्जुन, मुकेश, मदनलाल, प्रमोद, शुभकरण, बलदेव, इंदरचंद्र पटवारी एवं सभी विभागों के कार्मिक व गणमान्यजन आदि रहे मौजूद रहे।

बोबासर पुलिया की रेलिंग तोड़ नीचे गिरा ट्रेलर

सुजानगढ़, (निसं)। बोबासर पुलिया की रेलिंग तोड कर एक ट्रेलर नीचे गिर गया। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई। हादसे की सूचना पर सदर थाना पुलिस के हैड कांस्टेबल सुभाष कुमार ने मौके पर पंहूच कर घटना

■ हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई

की जानकारी ली। हैड कांस्टेबल सुभाष कुमार ने बताया कि ट्रेलर चालक बंटी सिंह पुत्र शंकरसिंह कच्छावा निवासी गरोड़ा पुलिस थाना नेछवा, जिला सीकर लाडनूं की ओर से ट्रेलर लेकर सालासर की तरफ जा रहा था। ड्राइवर बंटीसिंह के अनुसार बोबासर पुलिया से नीचे उतरने के दौरान स्टेयरिंग के जाम होने से ट्रेलर रेलिंग तोड़ता हुआ नीचे गिर कर पलट गया। जिससे उसमें रखे मंजिया के दाने से भरे हुए कट्टे सडक़ पर बिखर गये। हादसे के बाद ट्रेलर मालिक अजय चौधरी को सूचना दी गई। हैड कांस्टेबल सुभाष कुमार ने बताया कि इस सम्बंध में पुलिस थाने में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ।

विधायक ने नवनिर्मित बस स्टैण्ड पर वॉटर कूलर व टेबलों का उद्घाटन किया

सादुलपुर, (निसं)। गोकूलचन्द फतेहपुरियां परिवार एवं ओमप्रकाश डोभी वाले, ओमप्रकाश सुरेश कुमार बसंल के सौजन्य से नवनिर्मित बस स्टेण्ड राजगढ पर दो वाटर कूलर एवं टेबलों का विधिवत उद्घाटन प्रगतिशील विधायक एवं राजस्थान क्रीडा परिषद अध्यक्ष पदमश्री डॉ कृष्णा पूनियां नें नगरपालिका अध्यक्ष रजिया गहलोत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मंगलवार देर शाम को किया।

सादुलपुर विधायक डॉ कृष्णा पूनियां ने कहा कि जल की सेवा सर्वोपसेवा है, जिसके लिए यात्रियों की दुआएं आपको मिलेगी। उन्होंने कहा कि मेरा जीवन सादुलपुर की सेवा के लिए ही समर्पित है तथा आमजन की सेवा के लिए 24 घंटे मेरे घर का द्वार खुल्ला है। इसी दौरान बस ऑपरेटर यूनियन की ओर से यूनियन के अध्यक्ष निहाल सिंह झाझडियां नें 5 टेबले लगाने की घोषणा की। इसी दौरान विधायक नें भामाशाहों का दुपटटा पहनाकर सम्मान किया गया। वहीं विधायक नें बस स्टेण्ड पर

नवनिर्मित राजगढ़ बस स्टैण्ड पर वॉटर कूलर का उद्घाटन करती सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ कृष्णा पूनियां।

बन्द पडे नवनिर्मित शौचालयों के ताले खोलकर प्रारभ करने के निर्देश दिये। गौरतलब है कि इसी दौरान दो वाटर कूलर एवं यात्रियों को बैठने के लिए 32 टेबल लगाई गई हैं।

इस अवसर पर निजी बस ऑपरेटर युनियन के अध्यक्ष निहाल सिंह झाझडिया, सेवानिवृत एएसपी नियाज मोहम्मद, राजस्थान रोडवेज बस संचाल मुकेश पूनियां, सचिव कृष्ण जांगिड, कोषाध्यक्ष नरेश श्योराण, उपाध्यक्ष सुमित कस्वा, उपाध्यक्ष सुखवीर सहारण,ख्सरपंच प्रतिनिधि नरेन्द्र पूनियां, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनिरूद्ध पाटोदिया, समाजसेवी नन्दकुमार दाहिमा, प्रबंध ट्रस्टी जयश्रीवेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन ट्रस्ट सादुलपुर गणेश दाधीच, समाजसेवी विमल पूनिया, समाजसेवी मंगतुराम दाधीच, प्रमोदरानी बैरासरिया, निजी बस ऑपरेटर यूनियन के कृष्ण सांगवान, मुकेश पूनिया लसेडी, सहित व्यापारीगण एवं अनेक लोग उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद कस्वां का स्वागत किया

रतनगढ़, (निसं)। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द इंदोरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सांसद राहुल कस्बा का प्रयागराज-जयपुर सुपरफास्ट रेल सेवा का विस्तार करवाने पर ट्रेन के साथ बीकानेर से चलकर रतनगढ रेल्वे स्टेशन पहुंचने पर साफा, माला व मुंह मीठा करवा कर स्वागत करते हुए अभिनंदन किया। इस अवसर पर सांसद राहुल कस्बा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस बहुप्रतीक्षित ट्रेन के बीकानेर तक विस्तारित होने से जिले के राजलदेसर, रतनगढ, चुरू व सादुलपुर क्षेत्र के लोगों को बङा लाभ मिलेगा । उन्होंने कहा कि लंबे समय से चल रही इस क्षैत्र की जनता की मांग को देखते हुये रेल मंत्रालय ने सुपरफास्ट ट्रेन का बिकानेर तक विस्तार किया है। भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द इंदोरिया ने इस ट्रेन को चलाने पर सांसद कस्बा को साधुवाद देते हुए बताया कि भारतीय रेलवे लगातार नये-नये बदलाव कर रही है, जिनसे देश की जनता को सुविधाजनक यात्रा का फायदा मिल रहा है।

आम सूचना

स्व. नरेन्द्र भोजक की पत्नी सरोज ने कुर्सीनामा प्रस्तुत कर सम्पति का बंटवारा चाहा है। इस संदर्भ में किसी को आपत्ति हो, तो तीन दिन के अंदर अपना एतराज दर्ज करवाये। तीन दिन के बाद दर्ज आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

सरोज पत्नी स्व. नरेन्द्र कुमार भोजक, वार्ड नं. 14 (हाल वार्ड नं. 29) सरदारशहर

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर/सामान्य, उ.प. रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित/पुनः आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता : http://www.ireps.gov.in 2. ई-निविदाएं बंद होने की तिथि व समय :** 15.06.2022 को 15.00 बजे तक **3. ई-निविदाएं खोलने की तिथि व समय :** 15.06.2022 को 15.00 बजे के बाद **1. निविदा सं. 09-इलैक-बीकेएन- ई-निविदा-22-23 कार्य का विवरण:** Comprehensive maintenance contract for storage type water cooler, window/split/ duct-able AC, master water coolers and refrigerators for 3 year for Bikaner, Lalgarh, Suratgarh, Hanumangarh, Sri Ganganagar, Ratangarh and Churu area over Bikaner division. **अनुमानित लागत : Rs. 2208732.06 धरोहर रूपये : Rs. 44200.00 निविदा दस्तावेज लागत:** Nil **2. निविदा सं. 10-इलैक-बीकेएन- ई-निविदा-22-23 कार्य का विवरण:** Comprehensive maintenance contract for storage type water cooler, window/split AC, master water coolers and refrigerators for 3 year for Hisar, Sirsa, Bhwani, Sadulpur and Delhi area over Bikaner division. **अनुमानित लागत : Rs. 1296547.70 धरोहर रूपये : Rs. 25900.00 निविदा दस्तावेज लागत:** Nil 332-CQ/22

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्रयागराज-बीकानेर ट्रेन का सांसद नरेंद्र कुमार की अगुवाई में स्वागत किया

चिड़ावा, (निसं)। सीकर-लोहारू रूट से पहली बार सुपरफास्ट ट्रेन का संचालन शुरू हुआ। ट्रेन पहली बार दो बजकर आठ मिनट पर चिड़ावा स्टेशन पर पहुंची। यहां पर ट्रेन के ड्राइवर, गार्ड व स्टाफ का माला पहनाकर और मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया। इसके बाद सांसद नरेंद्र कुमार खीचड़ ने गाडी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सांसद खुद भी ट्रेन से नवलगढ़ तक साथ गए।

सांसद ने कहा कि ट्रेन संचालन के लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। जो कि झुंझुनूंवासियों को सौगात मिली है। खीचड ने कहा कि ट्रेन शुरू होने से बीकानेर और प्रयागराज तक का सफर आसान हो गया है और लंबी दूरी की अन्य गाड़ियों का आवागमन भी जल्द शुरू होगा। चिड़ावा स्टेशन मास्टर आजाद सिंह ने बताया कि इस ट्रेन से साढ़े छह घण्टे में चिड़ावा से बीकानेर पहुंचा जा सकेगा। वहीं प्रयागराज तक का सफर 18 घंटे में पूरा हो सकेगा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मावण्डिया, भाजयुमो

चिड़ावा पहुंचने के बाद ट्रेन के ड्राइवर, गार्ड व स्टाफ का माला पहनाकर और मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया गया।

जिलाध्यक्ष जय सिंह माठ, भाजपा नेता राजेश दहिया, नगर अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, रविकांत शर्मा, सुरेश जलिंद्रा, मुकेश जलिंद्रा, मदन डारा, अभिषेक पारीक, किशोरीलाल, नाहरसिंह थालौर, डॉ.बीएल वर्मा, शंभू पंवार सहित अन्य जिला व नगर पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन पर कस्बेवासियों ने जताई खुशी:- प्रयागराज-जयपुर एक्सप्रेस रेल का सबसे पहले चिड़ावा में इस रेल का पहला स्टोपेज रहा। रेल का स्वागत करने चिड़ावा कस्बे के लोग भी पहुंचे। शेखावाटी रेल संघर्ष समिति के वरिष्ठ सहयोगी सदस्य और समाजसेवी झंडी प्रसाद संदीप हिम्मतरामका के नेतृत्व में लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया। इसके अलावा रेल के साथ आए एडीआरएम आदित्य मंगल, सीनियर डीसीएम मुकेश सैनी, स्टेशन सुप्रीडेंटेंन आजादसिंह, टीआई हनुमानप्रसाद, सीएमआई रामबीर यादव, आरपीएफ इंस्पेक्टर किशनसिंह, तथा स्टेशन मास्टर संजीव कुमार आदि का साफा ओढाकर सम्मान किया गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच हार्डकोर बहादूरसिंह की पेशी हुई

सुजानगढ़, (निसं)। क्षेत्र के बहुचर्चित भवानीसिंह हत्याकांड में हार्डकोर आरोपी बहादूरसिंह को कडी सुरक्षा के बीच अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया।

अपर लोक अभियोजक करणीदान चारण ने बताया कि हार्डकोर आरोपी बहादूरसिंह को गांव चारियां के भवानीसिंह हत्याकाण्ड में बीकानेर जेल से लाकर कडी सुरक्षा में एडीजे बलवंतसिंह भारी के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय में गवाह नरेन्द्रसिंह के बयान हुए। बयानों में नरेन्द्रसिंह ने आरोपी बहादूरसिंह को पहचानने से इंकार कर दिया। ज्ञात रहे कि बहादूरसिंह राजस्थान पुलिस का सिपाही रहा है, जिस पर विभिन्न पुलिस थानों में अनेक मामले दर्ज हैं।

हरी झंडी दिखाई

चूरू, (कासं)। बीकानेर से प्रयागराज ट्रेन प्रारंभ हो गई है। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं चूरू लोकसभा के सांसद राहुल कस्वां ने हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता ओम सारस्वत तथा हरलाल सहारण ने किया स्वागत। भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ वासु चावला, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, सादुलपुर के पूर्व सभापति जगदीश बैरासरिया, मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अख़्तर खान, आई टी संयोजक रमेश शर्मा सहित चूरू शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

36 घंटे बाद पानी आया

बिसाऊ, (निसं)। कस्बे में सोमवार की रात को आए तूफान से काफी पेड़ एवं बिजली के पोल गिरने के कारण बिजली बाधित होने के चलते 36 घंटे बाद कस्बे में पानी की आपूर्ति हुई। आसपास के कई गांव में अभी तक बिजली सप्लाई नहीं हुई है जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। टांई, भीखणसर आदि गांवों में बिजली नहीं होने की वजह से पानी की व्यवस्था लड़खड़ा गई। देर शाम तक बिजली व्यवस्था के लिए कर्मचारी लगे रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत बेवड़ पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

क्रमांकः-ग्राप/बेवड़/ई-निविदा/2022-23/स्पे 07-8 दिनांक 23.05.2022

ई-निविदा सूचना 01/2022-23

वर्ष 2022-23 के लिए महानरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए निर्माण सामग्री आदि क्रय हेतु इच्छुक पंजीकृत बोलीदाता/संवेदकों से निर्धारित प्रत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेवसाईट www.eproc.raj.gov.in पर दिनांक 24.05.2022 सांय 5 पी.एम. से ग्राम पंचायत मुख्यालय पर निविदा आमंत्रित की जाती है।निविदा का विस्तृत विवरण तथा शर्तें www.sppp.raj.nic.in तथा www.eproc.raj. gov.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

UBN. ZCR2223GLOB00236

ग्राम विकास अधिकारी	सरपंच
ग्राम पंचायत बेवड़	ग्राम पंचायत बेवड़
पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)	पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

कार्यालय ग्राम पंचायत नौरंगपुरा पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

क्रमांकः-ग्राप/नौरंगपुरा/निविदा/2022-23/स्पे 5-6 दिनांक 19.05.2022

निविदा सूचना

वर्ष 2022-23 में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर प.रा नियम 181 (1) के अन्तर्गत 2 कार्यों की दिनांक 06.06.2022 को 12.30 पी.एम. तक मुहरबन्द लिफाफे में राजकीय विभागों में पंजीकृत प्राधिकृत ठेकेदारों से कार्यवार निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यों का विस्तृत विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा के लिए फार्म शुल्क 500/- रूपये नकद/डीडी जमा करवाया जा सकता है। 2 प्रतिशत अमानत राशि का डी.डी. जमा करवाना होगा। बोली/निविदा फार्म व समस्त शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 3 निर्माण कार्य की ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ई-निविदा सं. 1/2022-23 भी आमंत्रित की जाती है, ई निविदा का विस्तृत विवरण तथा शर्तें www.sppp.raj.nic.in तथा www.eproc.raj. gov.in पर दिनांक 25.05.2022 को सांय 5.00 पी.एम. से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

1. प.रा नियम 181(1) के 2 कार्यों के यूबीएन नं. ZCR2223WSOB00238
2. ई निविदा के 3 कार्य के यूबीएन नं. ZCR2223WSOB00237

ग्राम विकास अधिकारी	सरपंच
ग्राम पंचायत नौरंगपुरा	ग्राम पंचायत नौरंगपुरा
पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)	पंचायत समिति राजगढ़ (चूरू)

ब्रह्म चैतन्य संस्थान ब्राह्मण बच्चों को दिलाएगा पांडित्य कर्म की शिक्षा

चिड़ावा, (निसं)। शहर की अग्रणी विप्र संस्था ब्रह्म चैतन्य संस्थान ब्राह्मण समाज के बालकों को पांडित्य कर्म की शिक्षा देगा। इसको लेकर समाज की ओर से एक विशेष समिति बनाई गई है। इसमें शामिल विद्वतजन बालकों को वैदिक पूजन पद्धित, विवाह पद्धित, मुंडन संस्कार व अन्य संस्कारों के पांडित्य कर्म की शिक्षा देंगे।

पांडित्य कर्म की शिक्षा के लिये संस्कृत शिक्षा विभाग के रिटायर्ड सहायक निदेशक कैलाश चतुर्वेदी, आचार्य पं. नगेन्द्र शर्मा के संयोजन में एक समिति का गठन किया गया है जिसमें संस्थान के पाण्डित्य प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विद्वान आचार्य पंडित मुकेश पुजारी, आचार्य पं. अनिल शर्मा, आचार्य पं. देवीलाल शास्त्री व कई विद्वान बालकों को पांडित्य कर्म की शिक्षा देंगे और पंडितों के रूप में आचार-विचार और व्यवहार के बारे में नैतिक शिक्षा भी देंगे।

विधायक डॉ. कृष्णा पूनियां ने 'ई-नाम प्रयोगशाला' का विधिवत उद्घाटन किया

सादुलपुर, (निसं)। कृषि उपज मण्डी में आयोजित कार्यक्रम में सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनियां द्वारा समिति कार्यालय में बुधवार को ई-नाम प्रयोगशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया। साथ ही मंडी प्रांगण में विकास कार्यो की घोषणा करते हुए 31 किसानों को 34 लाख 2० हजार रूपये की सहायता राशि के चैक बांटे गये।

सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ कृष्णा पूनियां नें बताया कि हमने पूर्व विजिट के दौरान मुख्य मण्डी प्रांगण सादुलपुर के आई.जे. तथा के. ब्लॉक में आंतरिक सडकों के निर्माण की घोषणा की थी तथा इसी घोषणा के तहत 31 मार्च द्वारा इस कार्य हेतु 96 लाख रूपये की स्वीकृति जारी कर सडकों के निर्माण हेतु टेण्डर जारी कर दिये गये हैं तथा शीघ्र ही सडकों के निर्माण का कार्य शुरू हो जयोगा। उन्होंने बताया कि किसानों को उनकी उपज का अधिकाधिक भाव मिले, इस उदेश्य की

किसानों को 34 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक वितरण करती सादुलपुर विधायक पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनियां।

■ 31 किसानों को 34 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक बांटे

पूर्ति के लिए मण्डियों को विकसित किया जा रहा है। वहीं इसी कडी में विधायक डॉ कृष्णा पूनियां नें बताया कि तिलहन फसलों में तेल की मात्रा की जाँच के लिए 10.03 लाख की लागत से आधुनिक ऑयल टेस्टिंग मशीन खरीद कर लगाई गई है।

साथ ही 6.50 लाख की लागत से आधुनिक कम्प्यूटर, लैपटॉप, टेबलेट, एल.ई.डी. टीवी तथा 10.09 लाख रूपये की लागत से मुख्य मण्डी सादुलपुर एवं गौण मण्डी तारानगर में कैमरे, एम्प्लीफायर, निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु जरनेटर, फसल के दानों की गुणवत्ता जाँचने हेतु 14 लाख की लागत से ग्रेन एनालेसर, अनाज की सफाई हेतु 20 लाख की लागत से मोबाईल क्लिनिंग मशीन, मण्डी में होने वाले कचरे के निस्तारण हेतु 6 लाख रूपये से आधुनिक कम्पोस्ट मशीन खरीद करके मण्डी में लगाई गई है ताकि मण्डी में आने वाले किसानों एवं व्यापारियों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। साथ ही मण्डी में आने वाले किसानों, हम्मालों एवं मजदूरों के लिए मात्र 5 रूपये भरपेट भोजन की व्यवस्था करने हेतु किसान कलेवा योजना शुरू करने की घोषणा की गई। इस अवसर पर मण्डी सचिव कमल किशोर सोनी सहित अनेक व्यापारीगण, किसान एवं मण्डी कर्मचारीगण उपस्थित थे।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को रोकने के लिए धार्मिक रूप दिया

सार्वजनिक कुएं पर किसे अतिक्रमण को रोकने के लिए रातों-रात शिव परिवार की मूर्ति स्थापित की

नारायणपुर, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत चतरपुरा के रैगरों के मोहल्ले में सार्वजनिक कुएं पर हो रहे अतिक्रमण को हटाकर ग्राम पंचायत द्वारा पानी की टंकी बनाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। इसको लेकर ग्राम पंचायत चतरपुरा के लोगों ने बुधवार को नारायणपुर एसडीएम सुनीता मीणा को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन में बताया कि कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक कुएं पर अतिक्रमण किया हुआ है, उसको बानसूर विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत द्वारा नोटिस चस्पा कर अतिक्रमण हटाना जाना प्रस्तावित था। लेकिन कुछ लोगों द्वारा सार्वजनिक कुएं पर किये गए अतिक्रमण को रोकने के लिए रातों-रात धार्मिक मुद्दा बनाने के लिए शिव परिवार की मूर्ति स्थापित कर दी गई।

ग्रामीणों के ज्ञापन के बाद एसडीएम मीणा ने ग्राम पंचायत चतरपुरा के रैगरों के मोहल्ले में विवाद स्थल पहुंचकर मौका मुआयना किया। इधर भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र ने बताया कि शिवालय आस्था का प्रतीक है उसको लेकर मोहल्ले के लोग एकजुट है लोग उसकी पूजा करें और मंदिर को हटाया नहीं जाए, वहां पंचायत की ओर से पानी की टंकी रखवाकर पेयजल व्यवस्था भी कर दी जाए।

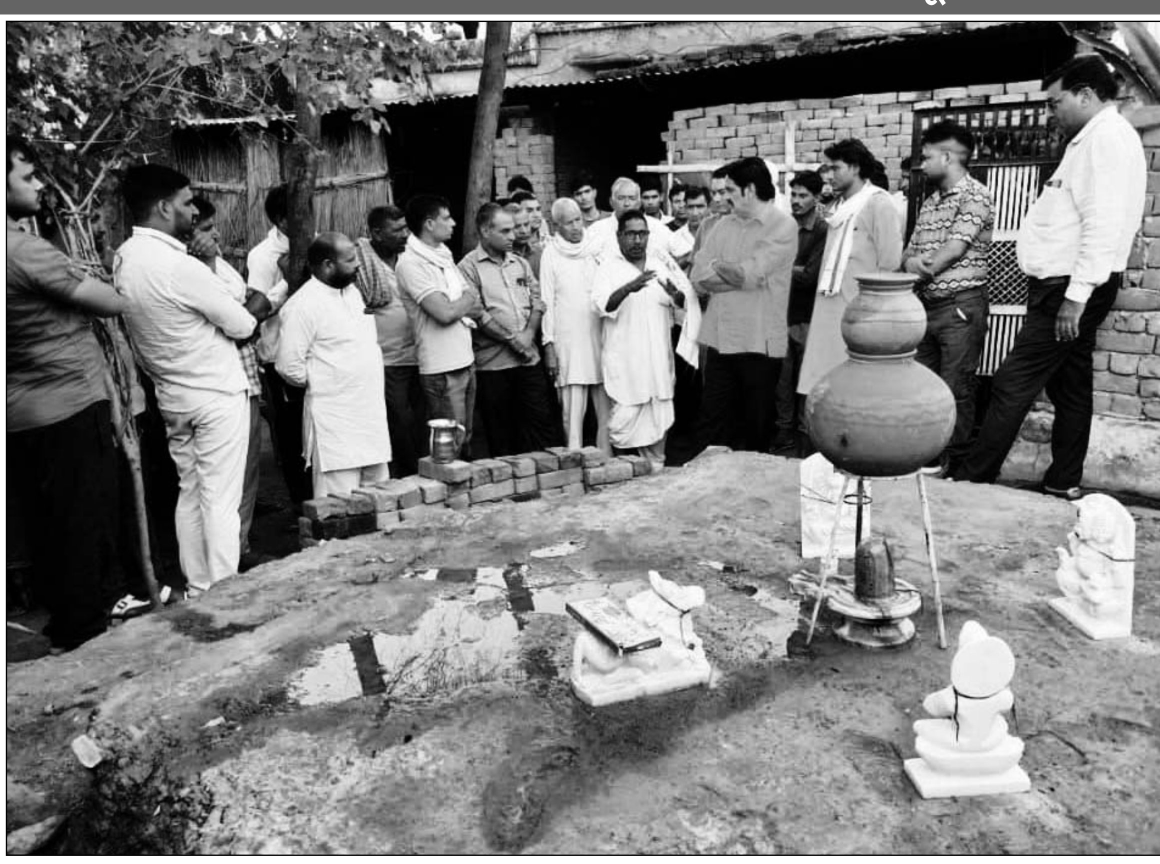

भाजपा प्रदेश मंत्री महेन्द्र यादव ने ग्रामीणों से शिव परिवार के बारे में जानकारी ली।

रीट परीक्षा प्रकरण में एसओजी ने दो जनों को कोर्ट में पेश किया

रीट पेपर लीक मामले में 2 और आरोपी जालोर से गिरफ्तार

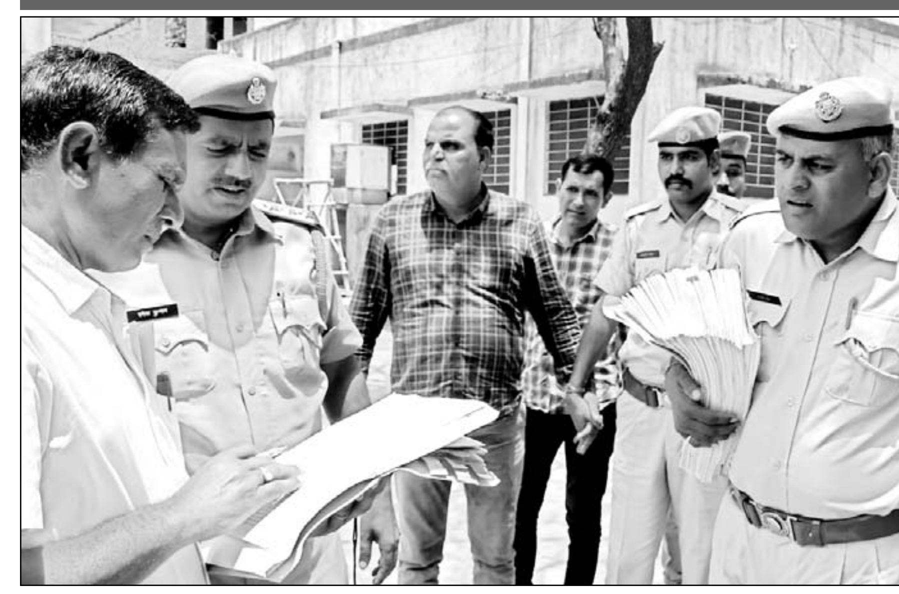

रीट प्रकरण में आरोपी को पेश करने ले जाती एसओजी।

गंगापुर सिटी, (निसं)। रीट (राजस्थान इलिजिबिलीटी इन्ट्रेंस एक्जाम) पेपर लीक मामले में एसओजी की टीम लगातार कार्रवाई कर रही है और मामले से जुड़े आरोपियों को गिरफ्तार कर रही है। एसओजी की टीम ने रीट पेपर लीक मामले में 2 और आरोपियों को जालोर से गिरफ्तार किया है।

टीम ने बुधवार को इन आरोपियों को गंगापुर सिटी कोर्ट में पेश किया, जहां से 1 आरोपी को पुलिस रिमांड पर सौंपा है और दूसरे को जेल भेज दिया

- **कोर्ट ने एक को भेजा जेल व एक को सौपा रिमाण्ड पर**

है। एसओजी के सीआई रमेश चंद ने बताया कि भीनमाल शहर में रीट परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को पेपर पढ़ाने के लिए जगह उपलब्ध करवाने के आरोप में करडा थाना क्षेत्र के कोटडा व हाल भीनमाल के मालवीय नगर निवासी रामलाल कांवा (46) पुत्र कानाराम बिश्नोई और संग्रामराम बिश्नोई निवासी भीनमाल को गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपियों को गंगापुर सिटी की न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया, जहां से रामलाल बिश्नोई को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है, जबकि संग्रामराम बिश्नोई को जेल भेज दिया गया। रीट पेपर लीक मामले में एसओजी ने अब तक 63 लोगों को गिरफ्तार किया है।

फर्म के पास नहीं है पर्याप्त कर्मचारी व संसाधन, उसे ही दे दिया सफाई का ठेका

- **फर्म के द्वारा ठेके की शर्त पूरी नहीं करने के बाद भी पालिका द्वारा हर माह लाखों का भुगतान किया जा रहा है**
- **पालिका के पास सफाई कर्मचारी उपलब्ध हैं लेकिन उन्हें बड़े प्रशासनिक उच्चाधिकारियों के कार्यालयों और उनके आवास पर निजी कार्यों के लिए भेज दिया गया है**

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार भले ही ना हो लेकिन सरकार के लाखों रुपए की 'सफाई' जरूर की जा रही है। दरअसल डीडवाना की सफाई व्यवस्था को सुधारने के नाम पर दिए गए ठेके में बड़ा गड़बड़झाला सामने आया है। सफाई ठेके के नाम पर सरकार के लाखों रुपए की भी कथित लूट हो रही है।

जानकारी के अनुसार डीडवाना नगर पालिका द्वारा सफाईकर्मियों की कमी का हवाला देकर और सफाई व्यवस्था को बेहतर और सुदृढ किए जाने के नाम पर कुछ समय पूर्व लगभग 92 लाख रुपए का टेंडर जारी किया था। इस टेंडर में सफाई कर्मचारियों की संख्या, संवेदक के पास उपलब्ध संसाधन, निर्धारित वार्ड क्षेत्र सहित अनेक शर्तें तय की गई थी लेकिन आश्चर्य की बात है कि जिस फर्म को ठेका दिया गया है,उसके द्वारा किसी भी प्रकार की शर्त पूरी नहीं की जा रही। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा संबंधित फर्म को प्रतिमाह लाखों रुपए का भुगतान किया जा रहा है। नियमानुसार ठेके की शर्तों में संवेदक के पास लगभग 70 से 80 सफाई कर्मचारी होने आवश्यक है। वहीं कचरा परिवहन हेतु 4 ट्रैक्टर तथा अन्य संसाधन होने जरूरी है। इसके अलावा जिन वार्डों में ठेकाकर्मियों को सफाई का काम सौपा गया है, उन वार्डों में नियमित रूप से सुबह व शाम सफाई होना अनिवार्य है।

मगर सच्चाई यह है कि संवेदक के पास आधे से भी कम सफाई कर्मचारी उपलब्ध है। वही कचरा परिवहन के लिए मात्र एक ट्रैक्टर ही मौजूद है। इसके अलावा कचरा ट्रोलियां सहित अन्य जरूरी संसाधनों का भी अभाव है। यही नहीं जिन वार्डों में ठेके के सफाई कर्मचारियों को सफाई करनी है, उन वार्डों में नगर पालिका के सफाई कर्मचारी ही सफाई कर रहे हैं। यानी संवेदक के सफाई कर्मचारी निर्धारित स्थानों पर सफाई करने भी नहीं पहुंच रहे। नगर पालिका के पास पर्याप्त सफाई कर्मचारी उपलब्ध है लेकिन इनमें से अधिकांश सफाई कर्मचारियों को बड़े प्रशासनिक उच्चाधिकारियों के कार्यालयों और उनके आवास पर निजी कार्यों के लिए भेज दिया गया है। वहीं कई सफाई कर्मचारियों से नगर पालिका में भी विभागीय कार्य करवाए जा रहे हैं। हरिजन के अलावा अन्य जातियों के सफाई कर्मचारियों को विभागीय काम या उच्चाधिकारियों के पास डेपुटेशन पर भेज दिया जाता है।

इस मामले में निर्दलीय पार्षद नासिर कुरेशी ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा है कि नगर पालिका अपने चहेते लोगों को अधिकृत करने में लगी हुई है। जिन वार्डों के लिए सफाई ठेका दिया गया है। उन वार्डों में संवेदक का कोई सफाई कर्मचारी नहीं जाता। यही नहीं संवेदक के पास शर्त अनुसार आधे से भी कम कर्मचारी है। उसके पास पर्याप्त संसाधन भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में समझा जा सकता है कि संवेदक शहर की सफाई कैसे करवाएगा? उन्होंने इस मामले की जांच की मांग की है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए ऑनलाइन फार्म आमंत्रित

अजमेर, (कासं)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान माखुपुरा में प्रवेश के लि ए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के उपाचार्य शिलेन्द्र माथुर ने बताया कि सत्र 2022-23 व 2022-24 में राज्य की समस्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में एनसीवीटी व एससीवीटी के अन्तर्गत विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लि ए राज्य स्तरीय केन्द्रीकृत ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया द्वारा प्रवेश के लि ए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए है। इच्छुक अभ्यर्थी राजस्थान सरकार के एकीकृत एसएसओ पोर्टल अथवा ई-मित्र कियोस्क के माध्यम से ऑनल ाईन फार्म 31 मई से भर सकेंगे। ऑनल ाईन आवेदन फार्म भरने के लिए आवेदन का प्रोसेस शुल्क ई-मित्र के माध्यम से जमा करने की अंतिम तिथि 8 जुलाई है। प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की आयु एक सितम्बर 2022 को 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।

आरपीएससी ने जारी की छह परीक्षाओं की संभावित तिथि

अजमेर, (कासं)। आरपीएससी 6 विभिन्न परीक्षाओं की संभावित तिथि जारी की गई। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि विभिन्न विभागों में 16 हजार 354 पदों के लिए परीक्षाओं का आयोजन कराया जाना प्रस्तावित किया गया है। आयोग के फुल कमीशन की बैठक में इस संबंध में हुए विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों के क्रम में विभिन्न परीक्षाओं की संभावित परीक्षा तिथियों को जारी किया गया है। इससे अभ्यर्थियों को विभिन्न परीक्षाओं की समयबद्ध रूप से तैयारी करने का अवसर मिलेगा।

ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट संवीक्षा परीक्षा 2022 के तहत जूनियर जियोफिजिसिस्ट, जूनियर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट एवं तकनीकी सहायक-केमिस्ट्री तथा हाइड्रोजियोलॉजी के कुल 53 पदों की संवीक्षा परीक्षा का आयोजन 1 एवं 2 अगस्त 2022 को किया जाना संभावित है। एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर एवं असिस्टेंट एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर के कुल 22 पदों के लि ए संवीक्षा परीक्षा 2022 का आयोजन दिनांक 27 से 30 अगस्त 2022 तक किए जाने की संभावना है। माध्यमिक शिक्षा विभाग में 26 विषयों के कुल 6000 पदों की स्कूल लेक्चरर परीक्षा 2022 का आयोजन अक्टूबर माह के द्वितीय से चतुर्थ सप्ताह के मध्य तथा वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड द्वितीय परीक्षा 2022 के तहत 8 विषयों के कुल 9760 पदों के लिए परीक्षा दिनांक 17 दिसम्बर से 24 दिसंबर तक आयोजित की जा सकती है। संस्कृत शिक्षा विभाग में 5 विषयों के कुल 102 पदों के लि ए स्कूल लेक्चरर परीक्षा-2022 दिनांक 13 नवंबर से 15 नवंबर 2022 के मध्य एवं वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड-द्वितीय परीक्षा 2022 के तहत 6 विषयों के कुल 417 पदों के लि ए माह जनवरी 2023 के द्वितीय सप्ताह में परीक्षा को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

पांचवीं व आठवीं बोर्ड का रिजल्ट एक-दो दिन में

बीकानेर, (कासं.)। पांचवीं व आठवीं बोर्ड का एग्जाम रिजल्ट एक-दो दिन में घोषित होने वाला है। बुधवार को रिजल्ट करने की तैयारी थी लेकिन कुछ खामियों के चलते स्थगित कर दिया गया। अब शुक्रवार तक रिजल्ट जारी करने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य में पांचवीं व आठवीं के 27 लाख 23 हजार स्टूडेंट्स को रिजल्ट का इंतजार है। आठवीं बोर्ड में इस बार स्टूडेंट्स को फेल करने का प्रावधान है।

शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला परीक्षा परिणाम जारी करने के लिए कम्प्यूटर पर पहला बटन दबाएंगे। एक साथ पूरे राज्य का परिणाम घोषित करने की कोशिश के चलते कुछ जिलों में रिजल्ट तैयार होने के बाद भी घोषित नहीं किया जा रहा है।राज्य में आठवीं बोर्ड के 12 लाख 63 हजार स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया है, जबकि पांचवीं बोर्ड में 14 लाख 60 हजार स्टूडेंट्स ने एग्जाम दिया है।

न्यांगली का बेटा कनाडा सरकार में मैनेजर विश्लेषक बना

सादुलपुर, (निसं)। गांव न्यांगली निवासी नरेश सिंह न्यांगली का पुत्र युवराज सिंह राठौड़ का कनाडा सरकार के लोकसेवा आयोग मानव संसाधन सेवाएं विभाग में मैनेजर विश्लेषक (सिस्टम एनालिस्ट) के पद पर नियुक्ति होने पर गांव सहित क्षेत्र में खुशी की लहर है।

युवराज सिंह ने कनाडा के रेड रीवर कॉलेज से बिजनेस टेक्नोलोजी मैनेजर की पढाई की है। युवराज सिंह राठौड के पिता नरेश सिंह न्यांगली ने बताया कि यदि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को उचित सुविधा व वातावरण मिले तो प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। युवराज सिंह राठौड ने कठोर मेहनत व लग्न के साथ पढाई करके विदेश में भी अपनी प्रतिभा से बढिया पैकेज पर यह मुकाम हासिल किया है। इससे गाँव न्यांगली में खुशी का माहौल है। गौरतलब है कि इस उपलब्धि से अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलेगी। कनाडा में मैनेजर विश्लेषक (सिस्टम एनालिस्ट) के पद पर नियुक्त युवराज सिंह राठौड़।

युवराज सिंह राठौड़

इंदिरा गांधी नहर में मिले बम को 16 दिन बाद डिफ्यूज किया

सूरतगढ़, (निसं)। उपखंड के राजियासर कस्बे में गत दिनों मिले बम का निस्तारण बीकानेर से पंहुचे सेना के दस्ते ने सुरक्षा जाप्ते के साथ डिफ्यूज करवा दिया। थानाधिकारी पवन चौधरी ने बताया कि 8 मई को राजियासर थाना क्षेत्र के उदयपुर गोदारान की रोही के गांव 3 की रोही में नहरबंदी के दौरान इंदिरा गांधी नहर में बम मिला था। जिसको पुलिस ने नहर के के किनारे ही सुरक्षित रखवाया था और आज बीकानेर से सेना के बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित स्थान पर ले जाकर बम का निस्तारण करवा दिया है। इस दौरान एतिहात के तौर पर पुलिस जाप्ता व सेना के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

दिव्यांगों से ऑनलाइन आवेदन के नाम पर वसूले रुपए

अलवर, (निसं)। सक्षम अलवर अभियान के तहत पंचायत समिति मालाखेड़ा में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन अपने परिजनों के साथ पहुंचे। शिविर में 351 से अधिक रजिस्ट्रेशन किए गए। इस दौरान ऑनलाइन करने के पहले दिव्यांगजन से आय प्रमाण पत्र के 50 रुपए तथा ऑनलाइन के 50 रुपए और फार्म के भी 20 रुपए वसूले गए जिसे लेकर लोगों ने उपखंड अधिकारी मालाखेडा के समक्ष शिकायत की थी।

लोगों की शिकायत पर उपखंड अधिकारी ने ऐसे लोगों को बुलाकर लताड लगाई और दिव्यांग जन से अवैध रूप से की गई वसूली पर रोक लगाई। इस पर दिव्यांग जनों ने उपखंड अधिकारी का आभार व्यक्त किया। चिकित्सक के द्वारा पहले ऑनलाइन का अडंगा लगाने के कारण काफी देर तक दिव्यांग परेशान रहे। कई चिकित्सक ने महिला दिव्यांग के साथ अभद्र व्यवहार किया। जिसको लेकर मामला गरमा गया। इस पर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोकेश मीणा, उपखंड अधिकारी अनुराग हरित, प्रधान वीरवती के द्वारा दिव्यांगजन के प्रति सहानुभूति पूर्वक व्यवहार करने तथा उनका कार्य निपटाने के निर्देश दिए। तब जाकर दिव्यांग व उनके परिजन शांत हुए।

शिविर के दौरान प्रधान वीरवती, पूर्व प्रधान शिव लाल गुर्जर, सरपंच हिम्मत सिंह चौधरी, सरपंच बच्चों सिंह, सरपंच हजारी लाल मीणा, सहायक अभियंता बी एल मीणा मौजूद रहे। उपखंड अधिकारी मालाखेडा के निर्देश पर राजस्व विभाग के भूअभिलेख निरीक्षक श्रीलाल मीणा, लोकेश मीणा, पटवारी अमरचंद, हरि सिंह, पीके जैमन सहित अन्य ने कार्य में सहयोग प्रदान किया।

उपखंड अधिकारी मालाखेडा अनुराग हरित ने बताया सक्षम अलवर अभियान के तहत 351 से अधिक पंजीयन किए गए। इन सभी दिव्यांगों का ऑनलाइन पंजीयन करने के बाद दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी लोकेश मीणा ने बताया दिव्यांग के आवेदन रिजेक्ट हुए हैं, उनका दोबारा से प्रमाण पत्र बनाया जाएगा तथा दिव्यांगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

सक्षम अलवर अभियान के तहत शिविर में 351 से अधिक रजिस्ट्रेशन किए गए।

वेटरनरी विश्वविद्यालय को आई.सी.ए.आर. से पांच वर्षों के लिए मान्यता मिली

वित्तीय सहायता व संसाधन होंगे उपलब्ध

बीकानेर, (कासं)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर को अगले पांच वर्षों के लिए अपनी मान्यता (अधिस्वीकरण) प्रदान की है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग के नेतृत्व में प्रस्तुत की गई, स्व-अध्ययन रिपोर्ट के बाद आई.सी.ए.आर. की चार सदस्यीय पीयर रिव्यू टीम की आंकलन रिपोर्ट के आधार पर आगामी पांच वर्षों 2021-22 से 2025-26 के लिए ग्रेड 'ए' के साथ राजुवास को मान्यता प्रदान की गई है। कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग ने बताया कि आई.सी.ए.आर. से आगामी पांच वर्षों के लिए अधिस्वीकरण से विश्वविद्यालय में छात्र शोध, फैकल्टी कौशल विकास, उन्नत पशुधन प्रबंधन एवं उन्नत चिकित्सकीय सुविधाओं को बल मिलेगा तथा वेटरनरी विश्वविद्यालय को एक नई पहचान मिलेगी।

कुलपति प्रो. गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों एवं ईकाइयों के समुचित प्रयासो से हमें यह सफलता मिली है अब हम पशुचिकित्सा शिक्षा के नये आयामों व पशुपालकों के कौशल विकास के साथ-साथ नई परियोजनाओं को अंजाम दे सकेंगे।

गौरतलब है कि मान्यता प्रदान करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की चार सदस्य पीयर रिव्यू टीम ने विश्वविद्यालय के संघटक

- **चार सदस्यीय पीयर रिव्यू टीम की आंकलन रिपोर्ट के आधार पर मिली मान्यता**

महाविद्यालय पी.जी.आई.वी.ई.आर. जयपुर एवं वेटरनरी महाविद्यालय, नवानियां, उदयपुर के साथ-साथ वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर में 1 से 3 दिसम्बर, 2021 को दौरा एवं निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. गर्ग ने बताया कि पीयर रिव्यू टीम के सदस्यों ने वेटरनरी विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों का भ्रमण कर सभी विभागों में शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का जायजा लिया। टीम ने वित्तीय, प्रशासनिक और ढ ांचागत विकास कार्यों को भी देखा। टीम के सदस्यों ने पशुचिकित्सा शिक्षा, पशुपालक और पशुधन कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को राज्य में अत्यंत उपयोगी बताते हुए राजुवास द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की थी।

सदस्यीय दल के निरीक्षण एवं मूल्यांकन के आधार पर तैयार रिपोर्ट के आधार पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय का पांच वर्षों के लिए अधिस्वीकरण किया किया गया है। जिससे विश्वविद्यालय को वित्तीय सहायता एवं विभिन्न योजनाओं को मंजूरी प्रदान की जा सकेगी।

आयुर्वेद नर्सेज भर्ती में 536 पदों पर नियुक्ति आदेश जारी

अजमेर, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य आयुष नर्सेज महासंघ के विगत दो वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद आखिरकार आयुर्वेद विभाग अजमेर द्वारा बुधवार को विभागान्तर्गत प्रक्रियाधीन 704 आयुर्वेद नर्सेज भर्ती में से कुछ पदों को होल्ड रखते हुए 536 पदों पर नियुक्ति आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे प्रदेश के बेरोजगार व कार्यरत नर्सेज में खुशी का माहौल है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष छीतर मल सैनी ने नर्सेज भर्ती में नियुक्ति आदेश जारी कर बेरोजगार नर्सेज को नियुक्ति का तोहफा देने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, आयुर्वेद मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, आयुष सचिव विनीता श्रीवास्तव, उपसचिव आरएन शर्मा, ओएसडी डॉ. गिरधर गोपाल शर्मा सहित निदेशाल य व आयुर्वेद यूनिवर्सिटी जोधपुर के अधिकारियों का आभार जताया। प्रदेश अध्यक्ष सैनी ने कहा कि आयुर्वेद विभाग में उक्त 704 नर्सेज भर्ती आजतक के इतिहास में सबसे बड़ी भर्ती साबित होगी।

सहायक सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा में संशोधन का अवसर

- **अभ्यर्थी का नाम एवं फोटो के अतिरिक्त सभी प्रकार के बदलाव कर सकेंगे**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग हेतु सहायक सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा 2021 का आयोजन 8 जुलाई को अजमेर एवं जयपुर मुख्याल य पर किया जाना है। इस परीक्षा में आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को बुधवार से ऑनलाइन संशोधन का अवसर दिया जा रहा है। आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि दिनांक 25 मई से 3 जून 2022 तक अभ्यर्थियों द्वारा नाम एवं फोटो के अतिरिक्त सभी प्रकार के संशोधन ऑनलाइन किये जा सकेंगे।

ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किये जायेंगें। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगीं। संशोधन चाहने वाले अभ्यर्थी को ई-मित्र/ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से 500 रूपए का शुल्क जमा कराना होगा। आयोग के ऑनलाइन पोर्टल पर उपल ब्ध एप्लाई ऑनलाइन लिंक अथवा एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपल ब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर संबंधित परीक्षा में ऑनलाइन संशोधन किया जा सकेगा।

साक्षात्कार का परिणाम जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा बुधवार को प्रवक्ता-सिविल अभियांत्रिकी के साक्षात्कार का परिणाम जारी किया गया। सचिव एचएल अटल ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग में प्रवक्ता सिविल अभियांत्रिकी के पदों के लि ए आयोजित लि खित परीक्षा के परिणाम में अस्थाई रूप से सफल घोषित उम्मीदवारों के साक्षात्कार 23 एवं 24 मई 2022 को आयोजित किए गए थे। साक्षात्कार के बाद संबंधित सेवा नियमानुसार 12 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

राजस्थान नाथ समाज,जयपुर चुनाव समिति

प्रधान कार्यालयः श्री गोरक्षनाथ आश्रम, R-1, सेक्टर नं.7, विधाधर नगर, जयपुर-302039

चुनाव अधिसूचना

दिनांक 13.03.2022 को राजस्थान नाथ समाज संस्था जयपुर की साधारण सभा में सर्वसम्मति से संस्था के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव सम्पन्न करवाने हेतु चुनाव समिति का गठन किया गया था। चुनाव समिति द्वारा संस्था के चुनाव सम्पन्न करवाए जाने हेतु आजीवन सदस्यों की सूची (मतदाता सूची,रसीद बुक) प्राप्त करने के हर संभव प्रयास करने के बावजूद भी उपलब्ध नहीं होने के कारण चुनाव समिति ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि दिनांक 26.06.2022 को संस्था के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संस्था के सदस्यों के खुले अधिवेशन में संस्था के प्रधान कार्यालय श्री गोरखनाथ आश्रम आर-1, सेक्टर नं.7, विधाधर नगर, जयपुर में कराया जावेगा जिसकी चुनाव अधिसूचना जारी कर दिनांक 26.06.2022 को खुला अधिवेशन बुलाया जाता है।

दिनांक :- 22.05.2022 स्थान:- जयपुर

चुनाव समिति
राजस्थान नाथ समाज

करोना संक्रमण से चौदह दिन बाद एक और मौत हुई राजस्थान में

राज्य में इससे पहले 10 मई को अजमेर में एक संक्रमित की मृत्यु हुई थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को चौदह दिन बाद फिर करोना से एक और संक्रमित की मौत हुई है। हालाकि इस बीच राज्य में थोड़ी गिरावट के बाद 57 नए मरीज मिले हैं। वहीं प्रदेश में 52 मरीज ठीक होने के साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 495 हो गए हैं।

राजधानी जयपुर में बुधवार को करोना संक्रमण से एक मरीज की मौत हो गई है। इससे पहले 10 मई को अजमेर में एक संक्रमित की मृत्यु हुई थी। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9555 लोगों की जान जा चुकी है। इधर पिछले चौबीस घंटों में प्रदेश के 8 जिलों में 57 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 71 रोगी पाए गए थे। वहीं

- **प्रदेश में बुधवार को थोड़ी गिरावट के बाद 57 नए संक्रमित मिले, इनमें 31 रोगी जयपुर में पाए गए हैं।**
- **राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 495 हो गए हैं।**

आज राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। इस दौरान जिले में 31 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 10, अजमेर में 5, जोधपुर व उदयपुर में 3-3, बीकानेर व सीकर में 2-2 तथा गंगानगर में 1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 25 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में बुधवार को फिर नए संक्रमितों के मुकाबले रिकवर कम हुई है। इस दौरान 52 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 12 लाख 75 हजार 303 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। वहीं एक्टिव केस बढ़कर 495 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 264 मामले जयपुर में है।

जगतपुरा व विद्याधर नगर में 5-5 नए संक्रमित मिले

राजधानी जयपुर में बुधवार को सबसे ज्यादा जगतपुरा और विद्याधर नगर में 5-5 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 4, सोड़ाला में 3 तथा जामड़ोली, अजमेर रोड, बनीपार्क, ब्रह्मपुरी, झोटवाड़ा, खातीपुरा, कोटपूतली, मालवीय नगर, मानसरोवर, सांभर, सांगानेर और टोंक रोड इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 24 मरीज ठीक हुए हैं।

सहायक वन संरक्षक और रेंज ऑफिसर भर्ती का रास्ता साफ

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक वन संरक्षक और रेंज ऑफिसर भर्ती-2021 का रास्ता साफ करते हुए भर्ती का अंतिम परिणाम जारी करने पर लगी रोक को हटा लिया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती में स्केलिंग पद्धति को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश गौरव शर्मा व अन्य की याचिकाओं पर दिए। एकलपीठ ने गत 28 मार्च को आरपीएससी को भर्ती प्रक्रिया जारी रखने के निर्देश देते हुए अंतिम परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी थी।

याचिकाओं में कहा गया था कि भर्ती प्रक्रिया के तहत सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के अनिवार्य प्रश्न पत्रों के अलावा बीस अन्य प्रश्न पत्रों में से दो वैकल्पिक प्रश्न पत्रों को चुनने की व्यवस्था की गई थी। आरपीएससी ने बिना बताए अभ्यर्थियों के अंकों को स्केलिंग के नाम पर कम दिए और याचिकाकर्ताओं को चयन से बाहर कर दिया। याचिका में कहा गया कि आयोग ने मनमर्जी से अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों में 70 अंकों तक की कमी-बढ़ोतरी कर दी। जबकि एक बार भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियमों को नहीं बदला जा सकता।

'शुद्ध के लिए युद्ध' अभियान को सफल बनाने के लिए मिशन मोड में काम करें : सीएस

मुख्य सचिव उषा शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय में आगामी महिनों में शुरु होने वाले 'शुद्ध के लिए युद्ध अभियान' की समीक्षा की।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा है कि "शुद्ध के लिए युद्ध अभियान" को सफल बनाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को मिशन मोड में काम करना होगा ताकि अभियान को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सके और आमजन को शुद्ध खाद्य पदार्थ पूरी मात्रा में प्राप्त हो सकें।

शर्मा बुधवार को यहां शासन सचिवालय में आगामी महिनों में शुरु होने वाले "शुद्ध के लिए युद्ध अभियान" की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा है कि इस अभियान को पूर्णतया गंभीरता से लें तथा इसे सफल बनाने के लिए प्रत्येक विभाग अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि इस अभियान को कुछ माह के बजाए स्थायी प्रकिया के तौर पर अपनाना चाहिए। साथ ही इसकी पूरी मॉनीटरिंग भी सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन में इस अभियान के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए इसका पूरा प्रचार-प्रसार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान में नशे की दुष्प्रवति की रोकथाम के लिए भी प्रयास किया जाना चाहिए उन्होंने इस सबंधं में विभागीय अधिकारियों से कहा कि नशे की प्रवृति पर रोकथाम के लिए एक फिल्म बनाकर उसे प्रत्येक कॉलेज तथा स्कूल मे दिखानी चाहिए जिससे युवा नशे की दुष्प्रवति से बच सकें।

नीमराणा में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए चर्चा

जापान एक्सटर्नल ट्रेड आर्गनाइजेशन और नाइडेक कंपनी के उच्चाधिकारियों ने बुधवार को अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता, रीको की प्रबंध निदेशक अर्चना सिंह और बीआईपी आयुक्त इंद्रजीत सिंह के साथ बैठक कर कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में 7 और 8 अक्टूबर को होने वाले इन्वेस्ट राजस्थान समिट की तैयारियां अब गति पकड़ने लगी है। उद्योगों की स्थापना और जापानीज कंपनियों को नीमराणा में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बुधवार को जापान एक्सटर्नल ट्रेड आर्गनाइजेशन (जेट्रो) और नाइडेक कंपनी के उच्चाधिकारियों ने अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता, रीको की प्रबंध निदेशक अर्चना सिंह और बीआईपी आयुक्त इंद्रजीत सिंह के साथ अहम बैठक कर कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने उद्योग भवन में आयोजित इस बैठक में जापान और राजस्थान के संबंधों को बेहतरीन बताते हुए कहा कि प्रदेश में वर्ष 2006 में जापानीज इन्वेस्टमेट जोन बनने के साथ से ही जापानी कंपनियों का कबेहतर सहयोग मिला है। जापानीज कंपनियों ने प्रदेश में निरंतर निवेश को बढ़ाया है। उन्होंने इन्वेस्ट राजस्थान समिट में भी इसी तरह के सहयोग का आग्रह किया है।

इस अवसर पर रीको प्रबंध निदेशक अर्चना सिंह ने बताया कि नीमराणा में प्रदेश का दूसरा जापान बसता है। राज्य सरकार जापानीज कंपनियों को निवेश का बेहतर माहौल उपलब्ध कराने के लिए सभी जरूरी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि बैठक में कंपनियों द्वारा मिले फीडबैक के आधार पर सुविधाओं में विस्तार भी किया जाएगा।

बैठक में बीआईपी आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने जापानीज प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान वन स्टॉप सॉल्यूशन, रिप्स, रोड शोज सहित कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सौर उर्जा के साथ डाउनस्ट्रीम एनर्जी (पेट्रोकेमिकल) जैसे क्षेत्रों में कार्य कर रही है। उन्होंने कंपनियों से सभी क्षेत्रों में निवेश करने के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के लिए भी आश्वस्त किया।

इस अवसर पर में जेट्रो (नई दिल्ली) के चीफ डायरेक्टर जनरल यासुयूकी मुराहाशी, सीनियर इन्वेस्टमेंट एडवाइजर टोमोयूकि हतानो, असिटेंट डायरेक्टर गौरव शर्मा व नाइडेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (नीमराणा) के मैनेजिंग डायरेक्टर केईजी ओशिमा, कंपनी सेकेट्ररी लोकेश तनेजा और अभिषेक त्यागी ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और सुझाव भी दिए। गौरतलब है कि इनवेस्ट राजस्थान समिट में जापानीज कंपनियों के साथ 500 करोड़ रुपए से ज्यादा के एमओयू होना प्रस्तावित हैं।

पंजीयन का अधिकार मिलेगा

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने क्रमोन्नत तहसीलों व उप तहसीलों को उप जिला घोषित करने तथा इनमें लगे तहसीलदारों को पंजीयन के अधिकार देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

हत्याकांड मामले में पांच साल बाद भी सीबीआई ने चार्जशीट फाइल नहीं की

हाईकोर्ट ने तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की

जयपुर। बलकेश मीणा हत्याकांड में सीबीआई ने जांच करने के बाद चार्जशीट फाइल नहीं की। इस पर हाईकोर्ट ने तथ्यात्मक रिपोर्ट तलब की है। भाई सुरेश मीणा की ओर से याचिका प्रस्तुत की गई थी और 2017 में हाईकोर्ट ने जांच सीबीआई को दी थी लेकिन 5 साल बाद भी न्यायालय में चार्जशीट फाइल नहीं की गई।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी न्यायालय में बहस करते हुए बताया कि अप्रैल 2016 में बलकेश मीणा को नीम का थाना पुलिस वाले दुकान से उठाकर ले गए थे और 3 दिन तक उसको गिरफ्तार नहीं दिखाया गया और थाने में ही रखा गया था उसके साथ पुलिस वालों ने मारपीट की और उसके बाद उसको सवाई माधोपुर थाने में ले गए वहां पर भी लगातार मारपीट की गई और लगातार मारपीट करने से बलकेश मीणा की मृत्यु हो गई। बलकेश मीणा के परिवार वालों ने रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं पूरे गांव ने थाने को घेर लिया था तब पुलिस के उच्चाधिकारियों द्वारा पूरे थाने को सस्पेंड किया गया था लेकिन उसके बाद में अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तब याचिकाकर्ता की तरफ से भंडारी ने हाईकोर्ट में याचिका प्रस्तुत कर सीबीआई जांच की मांग की थी और हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद सीबीआई को निर्देश दिया कि वे पूरे प्रकरण की दोबारा निष्पक्ष जांच करें। इस आदेश से घबराकर पुलिस वालों ने रिव्यू याचिका पेश कर निवेदन किया कि जांच सीबीआई को नहीं दी जावे और राजस्थान के किसी भी बड़े अधिकारी से जांच करवा ली जाए। भंडारी ने इसका जबरदस्त विरोध किया कि रिव्यू याचिका मेंटेनेबल नहीं है। हाई कोर्ट में बहस सुनने के बाद पुलिस सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। उसके बाद सीबीआई दिल्ली ने इस प्रकरण में पूरी जांच की। गवाहों के दिल्ली बुलाकर बयान लिए गए और मौके की जांच पड़ताल की गई और जांच पूरी कर ली गई लेकिन राजस्थान सरकार के प्रमुख गृह सचिव अभय कुमार के द्वारा अभियोजन स्वीकृति नहीं देने से सीबीआई चार्जशीट नहीं फाइल कर पा रही है जबकि इस प्रकरण में अभियोजन स्वीकृति की कोई जरूरत नहीं है लेकिन इस कांड में 10 पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है इसलिए दबाव के कारण चार्जशीट फाइल नहीं की जा रही है। इस पर राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश चंद्रप्रकाश सोनगरा ने भंडारी की बहस सुनकर सरकारी वकील को निर्देश दिए कि पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट 4 सप्ताह बाद हाईकोर्ट में प्रस्तुत करें।

भर्ती विज्ञापनों पर रखें ध्यान, ताकि भर्तियां कोर्ट में ना अटके : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नवसृजित दौ सौ पदों के लिए निकाले गए भर्ती विज्ञापन पर किसी भी तरह की कार्रवाई करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने स्वास्थ्य सचिव और खाद्य सुरक्षा आयुक्त को नोटिस जारी कर 18 जुलाई तक जवाब पेश करने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश प्रदीप शर्मा की याचिका पर दिए। अदालत ने मामले में महाधिवक्ता को कहा कि सरकार को देखना चाहिए कि भर्ती विज्ञापन स्पष्ट और नियमानुसार सही हो। इसके अलावा उनमें नियमानुसार भर्ती को लेकर प्रावधान किए गए हो, ताकि कोर्ट में मामला आने पर भर्तियां अटके नहीं। अदालत ने कहा कि एक लाख भर्तियां देने की बात कही जा रही है, लेकिन अस्सी हजार कोर्ट में ही अटक जाती हैं।

याचिका में अधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने गत 25 अप्रैल को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के दो सौ नवसृजित पदों के लिए अलग-अलग विभागों में काम कर रहे कार्मिकों से आवेदन मांगे। विज्ञापन में कहा गया कि नियमित नियुक्ति से खाद्य सुरक्षा अधिकारी नहीं आने तक इन्हें नियुक्ति देने का प्रावधान किया गया। वहीं प्रशिक्षण को छोड़कर शैक्षणिक योग्यता रखने वालों को इसमें आवेदन करने को कहा गया। याचिका में कहा गया कि एफएसओ पद की पात्रता केन्द्र सरकार की ओर से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2016 के नियम के तहत तय की गई है। जिसमें शैक्षणिक योग्यता के साथ ही फूड सेफ्टी ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त होना जरूरी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के वर्ष 1965 के नियम के तहत भी प्रशिक्षण प्राप्त होना जरूरी है। इसके बावजूद राज्य सरकार ने प्रशिक्षण की अनिवार्य योग्यता को ही हटा दिया। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट की खंडपीठ पूर्व में भी राज्य सरकार के ऐसे प्रयासों को गैर कानूनी घोषित कर चुका है। इसके बावजूद राज्य सरकार फिर से अपात्रों को नियुक्ति देने जा रही है।

पायलट सहित अन्य की याचिका खारिज करवाने वाली अर्जी पर सुनवाई टली

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुधवार को पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट सहित उनके गुट के अन्य विधायकों को विधानसभा स्पीकर की ओर से नोटिस देने के मामले में लंबित याचिका को खारिज करवाने के लिए पेश अर्जी पर सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी है। एक्टिंग सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश पीआर मीणा व अन्य की याचिका में मोहन लाल नामा की ओर से पेश अर्जी पर दिए।

- **पायलट और अन्य विधायकों ने नया अधिवक्ता नियुक्त किया**

मोहनलाल नामा की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी ने अर्जी पेश कर कहा है कि दोनों पक्षों में राजनीतिक समझौता हो गया है। इसके अलावा याचिकाकर्ता पीआर मीणा सहित अन्य विधानसभा में विश्वास मत के समर्थन में अपना वोट दे चुके हैं। ऐसे में उनकी विधानसभा और कांग्रेस में सदस्यता बरकरार रखने की प्रार्थना भी एक तरह से मंजूर हो चुकी है। इसलिए अब याचिका लंबित रखने का कोई औचित्य नहीं है और याचिका को न्याय हित में खारिज की जाए। दूसरी ओर विधायकों की ओर से जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद रखी है।

वहीं हाई कोर्ट में पूर्व में पायलट सहित 18 विधायकों के अधिवक्ता ने पैरवी करने से मना कर दिया था तो राजस्थान हाई कोर्ट ने सभी विधायकों को नोटिस भिजवाया था आज पायलट सहित 16 विधायकों की ओर से ने अधिवक्ता ने पैरवी की 7 विधायकों की तरफ से वकालतनामा पेश किया और बाकी के विधायकों की ओर से अंडरटेकिंग दी कि अगली तारीख पर वकालतनामा पेश कर देंगे।

पब्लिक अगेंस्ट करप्शन संस्था की ओर से अधिवक्ता पूनम चंद भंडारी ने न्यायालय को बताया कि एक विधायक गजेन्द्र सिंह शेखावत की मृत्यु हो चुकी है इसलिए उसका नाम याचिका में से हटा दिया जाए। न्यायधीश ने भंडारी के स्टेटमेंट के आधार पर विधायक गजेन्द्र सिंह शक्तावत का नाम याचिका से हटाने के निर्देश दिए और प्रकरण को 4 सप्ताह बाद सुनवाई के लिए नियत किया।

डॉ. दीपाली प्रधान को मिला श्री गुरु सेवा सम्मान

जयपुर। केंद्रीय मंत्री सी.आर.चौधरी ने बुधवार को जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में डॉ. दीपाली प्रधान को श्री गुरु सेवा सम्मान अवार्ड से नवाजा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. गणेश नारायण, अलका चौधरी और चंदनमल वर्मा भी उपस्थित थे।

डॉ. दीपाली को यह पुरस्कार उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों, प्रयोगों, सेमिनार, वर्कशॉप व अन्य शिक्षा के क्षेत्र में कार्यों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए दिया गया। डॉ. दीपाली प्रधान ने पिछले कई वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है।

नवसृजित न्यायालयों को मिलेंगे 39 नवीन पद

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 13 नवसृजित न्यायालयों में 39 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अंतर्गत नए न्यायालयों में सहायक अभियोजन अधिकारी के 13 पद, कनिष्ठ सहायक के 13 पद तथा चतुर्थ श्रेणी के 13 पद सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 4 अप्रेल को प्रदेश में 13 नए न्यायालय खोलने की अधिसूचना जारी की गई थी। नवीन पदों के सृजन से न्यायालयों में दायित्वों का सूचारू रूप से निर्वहन करने में मदद मिलेगी। इस निर्णय से लगभग 3.67 करोड़ रुपए का वार्षिक व्यय संभावित है।

हाउसिंग बोर्ड ने 1 दिन में 100 व्यवसायिक भूखंड बेचकर कीर्तिमान बनाया

जयपुर, (का. स.)। राजस्थान आवासन मण्डल ने बुधवार नीलामी उत्सव में एक ही दिन में 100 व्यावसायिक भूखण्ड बेचने का नया रिकॉर्ड कायम किया है। हाउसिंग बोर्ड की अपनी दुकान-अपना व्यवसाय योजना में बीकानेर वृत्त के हनुमानगढ और सूरतगढ में ई-ऑक्शन एवं ई-बिड सबमिशन के माध्यम से 9 करोड़ 53 लाख रूपये में यह 100 व्यावसायिक भूखण्ड बिके। इसके अतिरिक्त इस बुधवार को ही 70 आवासीय संपत्तियां भी बेची गई हैं। यह जानकारी हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर पवन अरोड़ा ने दी है।

अरोडा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के शुरूआती दो माह की अल्पावधि में ही बुधवार नीलामी उत्सव के अन्तर्गत ई-ऑक्शन और ई-बिड सबमिशन के माध्यम से मंडल द्वारा प्रदेश में 847 आवासीय एवं व्यावसायिक अधिशेष सम्पत्तियों का विक्रय कर कुल 112 करोड़ रूपये का राजस्व प्राप्त किया गया है। इनमें जयपुर वृत्त प्रथम, द्वितीय और तृतीय में 258 आवासों का बेचान कर 41 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित किया गया है।

आयुर्वेद विभाग में कम्पाउण्डर एवं नर्स जूनियर ग्रेड पदस्थापन आदेश जारी

जयपुर, (का.सं.)। आयुर्वेद विभाग में कम्पाउण्डर एवं नर्स जूनियर ग्रेड के 536 पदों पर चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति प्रदान कर पदस्थापन आदेश जारी कर दिये गये हैं। इनमें 485 अभ्यर्थी नॉन टीएसपी संवर्ग के तथा 51 अभ्यर्थी टीएसपी वर्ग के हैं।

आयुर्वेद विभाग की शासन सचिव विनीता श्रीवास्तव ने बताया कि कम्पाउण्डर एवं नर्स जूनियर ग्रेड के 704 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इनमें से 536 अभ्यर्थियों को पदस्थापन दे दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को सम्बधित उपनिदेशक कार्यालय, आयुर्वेद विभाग में 15 दिवस में कार्य ग्रहण करना होगा। उन्होंने बताया कि 168 पदों पर भर्ती न्यायालय के निर्देश एवं प्रमाण पत्रों के सत्यापन की प्रक्रिया के अधीन रोकी गई है।

रीट परीक्षा में आवेदन से वंचित अभ्यर्थियों को राहत

जयपुर। हाईकोर्ट ने रीट परीक्षा-2022 में आवेदन पत्र भरने से वंचित रहे अभ्यर्थियों को राहत देते हुए उनके आवेदन स्वीकार करने को कहा है। इसके साथ ही अदालत ने शिक्षा सचिव और प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सहित रीट समन्वयक से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश भगवती शर्मा व अन्य की याचिका पर दिए। अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि गत 12 अप्रेल को रीट का विज्ञापन निकाला गया था। जिसमें चालान जनरेट करने की अंतिम तिथि 19 मई और आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि 23 मई रखी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने पिछली बार आवेदन पत्र भरा था, लेकिन परीक्षा रद्द हो गई थी। ऐसे में उन्हें इस बार सिर्फ चालान ही जनरेट करना था, लेकिन याचिकाकर्ता तय तिथि तक चालान जनरेट नहीं कर पाए।

जेडीए ने अमृत कुंज-द्वितीय योजना में पुराने आवंटियों को भूखंड दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जेडीए प्रशासन ने बुधवार को अमृत कुंज योजना के आवंटियों को भूखंडों का आवंटन किया गया। इन आवंटियों को लॉटरी के माध्यम से नई योजना अमृत कुंज-द्वितीय में भूखंडों का आवंटन किया गया।

- **वर्ष 2010 में कालवाड़ गाँव में सृजित 1426 भूखंडों की योजना में हाईकोर्ट के स्टे के कारण नहीं दिया जा सका था कब्ज़ा**

जेडीए आयुक्त रवि जैन ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से ग्राम कालवाड़ में अमृत कुंज योजना का सृजन वर्ष 2010 में किया गया था। आवंटी भूखण्ड नहीं मिलने के कारण कई वर्षों से परेशान थे। पूर्व में सृजित अमृत कुंज योजना में कुल 1426 भूखण्ड थे। योजना में हाईकोर्ट की ओर से पूर्व में स्थगन आदेश दिया गया था,

जेडीए प्रशासन ने बुधवार को अमृत कुंज योजना के आवंटियों को भूखंडों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया।

जिस कारण आवंटियों को मौके पर कब्जा नहीं दिया जा सका था।

जेडीए की ओर से सफल भूखण्डधारियों के लिए अमृत कुंज-द्वितीय योजना सृजित करने का निर्णय लिया गया। शीघ्र योजना सृजित कर आवंटियों को भूखण्डों का आवंटन संभव हो पाया है। योजना में मौके पर भूमि का सीमांकन किया जा चुका है। विकास कार्य किये जा रहे है। पूर्व में क्षेत्रफल 30, 54, 120 व 225 वर्गमीटर भूखण्ड लॉटरी से आवंटित किये गये, जिसके पेटे आवंटियों की ओर से सम्पूर्ण राशि जमा करा दी गयी है। ऐसे आवंटियों को नवसृजित योजना अमृत कुंज-द्वितीय में लॉटरी के माध्यम से नागरिक सेवा केन्द्र जविप्रा, जयपुर में भूखण्डों का आवंटन किया गया है।

राज्य में सुव्यवस्थित भेड़ निष्क्रमण के लिए जिलों में पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : सीएस

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने कहा कि प्रति वर्ष की तरह ही इस साल भी राज्य में भेड़ निष्क्रमण को निर्बाध तरीके से संचालित करने के लिए जिला प्रशासन तथा संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग तथा जिला प्रशासन प्रोएक्टिव होकर काम करे, तथा संवेदनशील जगहों पर पहले से ही सचेत होकर पुख्ता व्यवस्थाएं करें।

मुख्य सचिव बुधवार को यहां शासन सचिवालय में वीसी के जरिये भेड़ निष्क्रमण वर्ष 2022-23 की पूर्व तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कई बार पशुपालकों की भेड़ें उनके रास्ते में पड़ने वाले किसानों के खेतों में घुस जाती हैं, जिससे उनमें और भेड़ पालकों में टकराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। शर्मा ने कहा कि इस स्थिति से बचने के लिए पुलिस विभाग तथा जिला प्रशासन पहले से ही सचेत होकर काम करे साथ ही भेड़चालकों द्वारा निष्क्रमण के लिए निर्धारित मार्ग से ही गुजरना सुनिश्चित करें। मार्ग में फेरबदल की स्थिति में यथोचित कार्रवाई करते हुए सुगम निष्क्रमण को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा निष्क्रमण के एन्ट्री प्वाइंट चिन्हित करते हुए स्थाई एवं अस्थाई चैकपोस्टों की स्थापना तथा कार्मिकों की नियुक्ति का काम भी शीघ्र पूरा किया जाए।

शर्मा ने निर्देश दिये कि जिलों में भेड़ निष्क्रमण के सफल संचालन के लिए संभागीय आयुक्त तथा पुलिस महानिरीक्षक वीसी के जरिये प्रत्येक जिले में कलक्टर तथा जिले के पशुपालन अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ व्यवस्थाएं सुचारू होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभाग के स्तर पर भेड़ों की दवा, ठहराव आदि की व्यवस्था का भी पुख्ता इंतजाम रखा जाए। सात ही भेड़पालकों के पंजीकरण तथा परिचय पत्र जारी करने का कार्य भी विभाग द्वारा किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

मारपीट के आरोपियों को गिरफ्तार करने को लेकर व्यापार संघ ने प्रतिष्ठान बंद रखे

व्यापारियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए पुलिस पर सवालिया निशान लगाये

पाटन, (निसं)। नीम का थाना में मंगलवार को दिन दहाड़े दुकानदार के साथ हुई मारपीट का मामला तूल पकड़ने लगा। मामले को लेकर व्यापारियों के खासा आक्रोश देखने को मिला। बुधवार को सुभाष मंडी व्यापार संघ ने आक्रोश व्यक्त करते हुए अपने अपने प्रतिष्ठानों को बंद रखा।

उसके बाद को शाम 6:00 बजे उपखंड अधिकारी को आरोपियों की गिरफ्तारी करने व भविष्य में ऐसी वारदातें घटित नहीं होने को लेकर ज्ञापन सौंपा। सुभाष मंडी व्यापार महासंघ के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल ने ज्ञापन में अवगत करवाते हुए बताया कि शहर के मुख्य बाजार सुभाष मंडी में सरेआम गुंडागर्दी करते हुए मंगलवार को दिल्ली मोबाइल पॉइंट पर साहिल के दुकान पर आने के बाद 9 से 10 युवकों ने लाठी डंडों से साहिल की पिटाई कर दी थी। जिससे वह गंभीर घायल हो गया था। साहिल को जिला अस्पताल से जयपुर रैफर किया गया था। व्यापारियों ने

मांग को लेकर उपखड अधिकारी को ज्ञापन देते नीमकाथाना के व्यापारी।

आक्रोश व्यक्त करते हुए एसडीएम बृजेश गुप्ता को पुलिस पर सवालिया निशान लगाते हुए आए दिन हो रही घटनाओं पर नाराजगी जाहिर की। जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। जिससे भविष्य ऐसी घटना की पुनरावृति ना हो सके।

वही व्यापार संघ नीम का थाना ने आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

■ **नीम का थाना में मंगलवार को दुकानदार के साथ हुई मारपीट को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा**

दुकानें बंद कर किया विरोध:- सुभाष मंडी में अज्ञात युवकों द्वारा दुकानदार की बेरहमी से पिटाई करने व्यापारियों में भय व्याप्त है। व्यापारियों ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खडे किए है।

व्यापारियों ने दुकानें बंद कर के नाराजगी जाहिर की है। इस दौरान रामगोपाल मेगोतिया, चंद्र मोहन अठावाल, मुकेश नाड़, प्रदीप पंजाबी, शेरखान, फिरोज, आरिफ सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

योजनाओं का आमजन को मिले लाभः सिहाग

चूरू, (कासं)। जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने बुधवार को जिला परिषद सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक में राजस्व से जुड़े विभिन्न प्रकरणों के साथ-साथ जिले के विकास से जुड़े महत्त्वपूर्ण कार्यों, फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन सहित विभिन्न मसलों पर विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में एडीएम लोकेश गौतम, सीईओ रामनिवास जाट, सुजानगढ़ एसडीएम भागीरथ साख सहित एसडीएम, बीडीओ, तहसीलदार, जिला स्तरीय अधिकारी एवं नगर निकाय अधिकारीगण मौजूद रहे। इस मौके पर जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करें और अतिक्रमण के प्रकरणों को निष्पक्ष व प्रभावी ढंग से निपटाएं। राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाएं और काफी समय से लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देकर उन्हें निस्तारित करें। कलक्टर सिहाग ने कहा कि उपखंड अधिकारी राजस्व प्रकरणों के साथ-साथ सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समुचित मॉनीटरिंग करें और देखें कि सरकार की मंशा के अनुसार समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ पहुंचे।

लोहिया कॉलेज के सामने टैक्सी स्टैण्ड पर जल भराव की समस्या के समाधान की मांग

टैक्सी यूनियन ने लोहिया कॉलेज के सामने स्थित टैक्सी स्टैण्ड पर बारिश का पानी एकत्र होने से हो रही परेशानियों को लेकर नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

चूरू, (कासं)। टैक्सी यूनियन ने लोहिया कॉलेज के सामने स्थित टैक्सी स्टैंड पर बारिश का पानी एकत्र होने से हो रही परेशानियों को लेकर बुधवार को नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि चूरू में जब भी बारिश होती है, पानी भराव की समस्या से टैक्सी ड्राईवरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां दुपहिया वाहन चालक व राहगीर भी कई बार गिरकर चोटिल हो जाते हैं। इस अवसर पर मोहम्मद तारीफ, फारुख खान, आरिफ खान, जाकिर खान, आदिल खान, दिलशाद खान, रूपदेव मीणा, दीवान अली, आबिद, राजकुमार, पिंटू, इमरान, दिनेश, रफीक सिक्का, अकरम, पवन सांखला, साहिल, कुंदन, दीनदयाल, राज गुर्जर, सिकंदर आदि उपस्थित थे।

किसान जागरूकता मेले का आयोजन

चिड़ावा, (निसं)। निकटवर्ती खुडानिया ग्राम स्थित किसान बीज भंडार पर बुधवार को किसान जागरूकता मेले का आयोजन किया गया। कृषि विभाग के रिटायर्ड क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सहदेव सिंह के मुख्य आती8में आयोजित हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता रतेरवाल सीड्स के कृष्ण कुमार शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि अशोक सिहाग थे। डॉ. सहदेव सिंह ने किसानों को खेती में लगने वाले कीड़ो, समय पर मिट्टी पानी जांच के फायदों के बारे में जानकारी दी। धान्या सीड्स के क्षेत्रीय अशिकारी सुरजीत ढिल्लन ने किसानों को धान्या बाजरा 7878 की विशेषता बताई। विकाश शर्मा ने पशु स्वास्थ्य व पशु आहार के बारे में जानकारी दी। सभा में कुलदीप बलौदा, विकास कुमार, विक्रम मीणा ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन हास्य कवि हरीश हिंदुस्तानी ने किया। इस दौरान लकी ड्रा भी निकाला गया जिसमें धान्या बाजरा 7878 के 40 पैकेट ,10 लैपटॉप बेग, 10 टी शर्ट व 20 धान्या के हैंड बैग वितरित किये गये। अंत मे जोगेंद्र सिंह ने किसानों का धन्यवाद दिया। इस दौरान बलबीर धनकड़, जिंकू लमोरिया, दिलीप सिंह, मनोज, राजेन्द्र, सुमेर, अर्जुन फौजी, महिपाल सहित आस-पास के क्षेत्र के काफी किसान मौजूद रहे।

जयपुर-प्रयागराज ट्रेन से राजगढ़ पहुंचे सांसद कस्वां का भव्य स्वागत किया

सादुलपुर, (निसं)। सांसद राहुल कस्वा के अथक प्रयासों से प्रयागराज से जयपुर ट्रेन का विस्तार सादुलपुर तक सप्ताह में तीन दिन होकर बुधवार को पहुंचनें पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा सांसद राहुल कस्वा का जोरदार स्वागत किया। साथ ही गाडी के चालक का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

बीकानेर से उक्त ट्रेन में सादुलपुर पहुँचे सांसद राहुल कस्वा नें बताया कि पूर्व में इस ट्रेन को जयपुर से बीकानेर कर दिया गया था, जिसमें सीकर,चूरू होकर चलने का रूट तैयार कर दिया गया था, मगर हमारे प्रसाद के चलते अब चलते इस ट्रेन को सादुलपुर होकर चलाया गया है। जिसके तहत सांसद सांसद राहुल कस्वा नें लगातार रेल मंत्रालय के सम्पर्क में रहकर इस ट्रेन को अब सप्ताह में तीन दिन सादुलपुर होकर चलाने के आदेश करवाये, जिसके तहत यह ट्रेन आज पहली बार सादुलपुर पहुँची। इस अवसर पर सांसद राहुल कस्वा का सादुलपुर रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि हेमराज पूनिया, उप प्रधान रामफल लंबोरिया, भाजपा प्रवक्ता डॉ. कुलदीप पूनिया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जगदीश बैरासरिया, जिला परिषद सदस्य जगदीश सहारण, सिद्धमुख अध्यक्ष

जयपुर-प्रयागराज ट्रेन के सादुलपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर सांसद राहुल कस्वां माल्यार्पण कर स्वागत करते भाजपा कार्यकर्तागण।

सतवीर पूनिया, शहर मण्डल अध्यक्ष राजेश, चाँदगोठी मण्डल अध्यक्ष सुभाष गुर्जर, हमीरवास मण्डल अध्यक्ष सुरेंद्र स्वामी, गुलपुरा मण्डल अध्यक्ष सुखदेवाराम मेघवाल, साँखू मण्डल अध्यक्ष बलवीर तेतरवाल, पंचायत समिति सदस्य धर्मवीर पूनिया, राजेश पूनिया, सरपंच प्रतिनिधि सतवीर धायल, बंशी नाई, कैलाश भोजणिया, युवा मोर्चा के दीपक शर्मा, नवीन रेप्सवाल, रविन्द्र फगेडिया, सुखवीर मांझू, जे.पी. फगेडिया, अजय पण्डित, महामंत्री रामचन्द्र पूनिया, वरिष्ठ भजपा सदस्य मनिषा शांडिल्य, राजवीर, सुशील, महेंद्र, अंतर, जयवीर नेहरा, पार्षद प्रतिनिधि जयवीर ढाका, विक्रम सांसी, कन्हैयालाल लुगरिया, सुनील हडियाल वाला, जयभगवान सैनी पूर्व चेयरमैन, ओमप्रकाश स्वामी, अनिल बंसल, एडवोकेट सुखवीर पूनिया, दराज सौलंकी, नन्दू भोजक ,रामेश्वर धायल व डी. पी. जोशी आदि उपस्थित रहे।

फलदार व औषधीय पौधे लगाये

रतनगढ़, (निसं)। सेठ मोहनलाल जालान राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण प्रेमी शिक्षक बाबूलाल तुनगरिया ने प्राचार्य कल्याणसिंह चारण के सानिध्य में आओ प्रकृति की ओर चले अभियान के तहत आम,अर्जुन,पारिजात, चम्पा,जामुन आदि फलदार व औषधीय पौधों का रोपण किया। इस दौरान तुनगरिया ने परिसर में बीजारोपण के लिए सहजन के बीज व कोरोना महामारी बचाव के लिए जरूरतमंद परीक्षार्थियों हेतु 101 कपड़े के मास्क प्राचार्य चारण को भेंट किए।प्राचार्य चारण ने तुनगरिया के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि हमारी पृथ्वी का सौंदर्य हरियाली है ओर ये हमारी पृथ्वी पर बरकरार रहे इसके लिए हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की जरूरत है। इस अवसर पर तुनगरिया ने कहा कि स्वच्छ हवा चाहिए तो इसके लिए हमें पेड़ पौधे लगाने की जरूरत है। वक्त रहते मनुष्य को समझना होगा नहीं तो उनका जीवन खतरे में पड़ सकता है। इसके लिए वृक्ष लगाना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर डॉ. कैलाशचंद्र जोशी, डॉ एपी गुप्ता, प्रो. धनराज पांडिया, गिरधारीलाल गोदारा, राधेश्याम जांगिड़, प्रियंका शर्मा, रामनारायण सैनी, संजय, जितेंद्र, ताखुसिह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत सिरोही में प्रशासन गांवों के संग अभियान का फोलोअप शिविर

पाटन, (निसं)। नीम का थाना की ग्राम पंचायत सिरोही में प्रशासन गांवों के संग अभियान फॉलोअप शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर राजीव सेवा केंद्र भवन पर आयोजित किया गया। शिविर में पेयजल से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से प्राथमिकता दी गई।

ग्राम पंचायत सिरोही, भगेगा, गोविंदपुरा, आगवाडी, कुरबड़ा का संयुक्त रूप से फॉलोअप शिविर ग्राम सिरोही में आयोजित किया गया। शिविर का औचक निरीक्षण जिला कलेक्टर अविचल चतुर्वेदी द्वारा किया गया। शिविर में लोगो ने उत्साह के साथ भाग लिया। कलेक्टर चतुर्वेदी ने बताया कि आज पांच ग्राम पंचायतों का फॉलोअप शिविर ग्राम सिरोही में आयोजित किया गया है। शिविर के निरीक्षण के दौरान जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण के संबंध में संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया। सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट जांची गई। फॉलोअप शिविर के माध्यम से जनता जनार्दन के कार्यों का त्वरित निस्तारण हो। इसमें कोई कोताही नहीं बरती जाए और आमजन की समस्याओं का निस्तारण करना सरकार का लक्ष्य है।

■ **शिविर में पेयजल से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से प्राथमिकता दी गई**

शिविर में समस्याएं सुनते जिला कलेक्टर अविचल चतुर्वेदी।

आमजन पेयजल व विद्युत समस्या से त्रस्त: कलेक्टर अविचल ने बताया कि इस बार तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। तेज गर्मी से आमजन त्रस्त है। ऐसे में अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान है। कृषि उत्पादन क्षेत्रों में बिजली कटौती से किसानों की फसल जलाभाव में जल रही है। जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। वही, जिले में पानी की समस्या गहराती ही चली जा रही है। लोग एक एक बूंद के संघर्ष कर रहे है। जिले में 185 ट्यूबबेल स्वीकृत हुए है। उपखंड क्षेत्र नीम का थाना में 27 ट्यूबबेल ड्रिल होने है। अभी तक 19 ट्यूबबेल ड्रिल किए जा चुके है। इस दौरान एसडीएम बृजेश गुप्ता, तहसीलदार सत्यवीर यादव, बीडीओ राजू राम सैनी, प्रधान मंजू यादव, सरपंच जय प्रकाश, जय सिंह, लक्ष्मण सिंह, बबली मीणा,पूर्व सरपंच वीरेंद्र यादव सहित समस्त विभाग के अधिकारी व कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

विरोध-प्रदर्शन के बाद करवाया पेयजल समस्या का समाधान

चिड़ावा, (निसं)। शहर की चौधरी कॉलोनी के वार्ड 10, 11 और 14 के लोग लगातार तीसरे दिन भी पेयजल की समस्या को लेकर विरोध जताने जलदाय विभाग पहुंचे तथा विरोध-प्रदर्शन कर परिसर में धरना दिया। जिसके बाद अधिकारी हरकत में आए और समस्या का समाधान करवाया।

ज्ञात है कि कॉलोनी के सामुदायिक विकास भवन में बने पंप हाउस से तीनों वार्डों में पानी की आपूर्ति होती रही थी मगर उक्त पंप हाउस से निकटवर्ती मावंडिया की ढाणी की तरफ चार इंच पाइप लाइन गलत तरीके से जोड़ दी गई जिसके कारण। उक्त तीनों वार्डों में पानी की सप्लाई बाधित हो गई । मंगलवार को सहायक अभियंता से बुधवार को समस्या के समाधान के आश्वासन के बाद सुबह वार्डवासी तय समय पर पंप हाउस में एकत्र हो गए। जहां कर्मचारी ने तीनों वार्डों में अलसुबह ही वॉल से थोड़ा-थोड़ा पानी खोल दिया। जिससे कि जांच में पेयजल से जुडी कोई समस्या नहीं मिले। गुस्साए वार्डवासियों ने कर्मचारी को समय से पहले पानी खोलने पर खरी-खोटी सुनाई। और साढ़े दस बजे के करीब वार्डवासी जलदाय कार्यालय में एकत्र हो गए जहाँ अधिकारी के नहीं मिलने पर लोगों ने कार्यालय के सामने बरामदे में धरना शुरू कर दिया। सूचना पर करीब 11 बजे सहायक अभियंता विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे। जिसके बाद वार्ड के पांच लोगों के प्रतिनिधि मंडल के साथ कर्मचारियों को पंप हाउस पर कनेक्शन हटाने के लिए भेजा। गया। कनेक्शन को हटाने के बाद मामला शांत हुआ।

■ **पेयजल समस्या को लेकर तीसरे दिन भी किया विरोध-प्रदर्शन**

पदक विजेता कबीर का कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने अभिनंदन किया

चूरू, (कासं)। मध्यप्रदेश में 19 से 22 मई तक आयोजित हुई 5वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजसथान के 11 खिलाड़ियों ने भाग लिया। कोच कविन्द्र राठौड़ ने बताया कि राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए कबीर ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीता है। इस अवसर पर जिला कलक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने बधाई देकर कबीर का स्वागत किया। कबीर के पिता भंवरलाल ने चूरू मार्शल आर्ट अकादमी के अध्यक्ष भानीराम सोनी, सुनीता कुमारी, अविनाश चौधरी, अनिशा भार्गव, लावण्या, वासु, शुभम, कोमल, मीरा, रिया, भुवेन, आर्यन व अकादमी के खिलाड़ियों को बधाई दी। इसी दौरान रजत पदक विजेता कबीर के निज निवास पर आयोजित सम्मान समारोह में जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कबीर का माला पहनाकर अभिनंदन किया। वंदना

मध्यप्रदेश में आयोजित हुई 5वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रजत पदक विजेता कबीर का जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने अभिनंदन किया।

आर्य ने कहा कि आज कबीर ने पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस दौरान शिवम अस्पताल के पीआरओ सुनील शर्मा, राजस्थान पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक नरेन्द्र मील, लालचंद शर्मा, उमाशंकर, सांवरमल, कोमल चौधरी, हिमांशु, अरशद, अनिता, कान्हाराम सोनी आदि ने कबीर को बधाई दी। इसी प्रकार आशीर्वाद लाइव स्टॉक फार्मिंग शास्त्री नगर के संचालक मुकेश कुमार ने 11 हजार रुपये देकर कबीर का अभिनंदन किया।

नरेगा संविदा कार्मिकों का धरना 8वें दिन भी जारी

चूरू, (कासं)। चार मई से प्रदेश के सभी नरेगा संविदा कार्मिक हड़ताल व कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज जिला मुख्यालय पर चूरू जिले के नरेगा संविदा कार्मिकों का धरना प्रदर्शन 8 वें दिन भी जारी रहा।

यहां नरेगा संविदा कार्मिक संघ सरदारशहर के अध्यक्ष हनुमानाराम सीवर ने बताया कि पिछले काफी वर्षों से वे शोषण रूपी जीवन जी रहे हैं। सरकारें आती-जाती हैं, लेकिन किसी भी प्रकार की नरेगा संविदा कार्मिकों की जायज मांगों के संबंध में सुनवाई नहीं की। कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद नरेगा संविदा कार्मिकों को आस जगी थी कि कांग्रेस सरकार ने बजट घोषणा के अनुरूप संविदा कार्मिकों को नियमितीकरण व समायोजन घोषणा की थी। इसके उपरांत आज तक किसी भी प्रकार की घोषणा को पूर्ण नहीं किया है, इसलिए नरेगा संविदा कार्मिकों को हड़ताल व नरेगा योजना के कार्य बहिष्कार के लिए मजबूर होना पड़ा है। मजबूरन नरेगा संविदा कार्मिकों को राज्य स्तर पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे। आज कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन में चन्दनमल सोनी, आदुराम, देबु सुथार, जयप्रकाश नेहरा, जितेन्द्र सिंह शेखावत, बाबुलाल कनवारिया, इन्द्रचन्द बाकोलिया, गौरव सिंह भाटी, रामदेव भाट, आसिफ अंसारी, हरि सिंह, विजय चाहर, मकसूद खां, दिनेश खेडिवाल, नन्दन सिंह, सुरेश कुमार, हेमेंद्र सिंह, हरि सिंह प्रजापत आदि कार्मिक उपस्थित थे।

■ **प्रदेश के सभी नरेगा संविदा कार्मिक कर रहे हैं हड़ताल व कार्य बहिष्कार**

दो छात्राओं को मिलेगा इंदिरा प्रियदर्शनी पुरस्कार

चिड़ावा, (निसं)। शहर के मुख्य डाकघर के सामने संचालित लोहिया सीसै स्कूल की दो छात्राओं का चयन इंदिरा प्रियदर्शनी पुरस्कार के लिए हुआ हैं। विद्यालय की 10वीं की छात्रा कली को अपने वर्ग में जिले में प्रथम आने तथा छात्रा मीतू को कॉमर्स संकाय में पुरे जिले में अपने वर्ग में प्रथम आने पर पुरस्कार के लिए चयन हुआ हैं। पुरस्कार के लिए चयनित होने पर छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्था निदेशक जगपाल सिँह यादव, प्रबंध निदेशक राम सिँह नेहरा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अभय सिँह बड़ेसरा, सचिव प्रदीप नेहरा, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, प्रधानाचार्या प्रमिला झाझाडीया ने छात्राओं को माला पहनाकर, स्मृति चिन्ह भेटकर सम्मान किया। उप प्रधानाचार्य गुलजार खां, कॉमर्स व्याख्याता कन्हैया लाल लाठ सहित कई लोग मौजूद रहे।

अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

सुजानगढ़, (निसं)। अभिभाषक संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संघ के सभागार में सम्पन्न हुआ।

एड. सुरेन्द्र मिश्रा द्वारा की गई गणेश वंदना से शुरू हुए कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलवंतसिंह भारी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एड. दिनेश दाधीच, उपाध्यक्ष विनोद सोनी, सचिव हरीश गुलेरिया, संयुक्त सचिव तोलाराम गोदारा, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, पुस्तकालय अध्यक्ष विमल गोदारा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। निवर्तमान अध्यक्ष भीमशंकर शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश दाधीच को कार्यभार सौंपा।

इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष दिनेश दाधीच ने सभी अधिवक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि वे अपने पूर्ववर्तियों द्वारा शुरू किए गये

सुजानगढ़ में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए एडीजे बलवंतसिंह भारी।

कार्यों को जारी रखते हुए विकास के कामों को जारी रखेंगे। इस अवसर पर एड. अशोक कुमार पारीक, भंवरलाल शर्मा, कुम्भाराम आर्य, बजरंगसिंह रूहेला, श्यामनारायण राठी, हरिशचन्द्र पारीक, सूर्यप्रकाश स्वामी, मो. मौलानी, विनोद शर्मा, महेन्द्रसिंह, देवेन्द्रसिंह, बसन्त चोटिया, कमल गोयतान, सुरेश शर्मा, बुद्धिप्रकाश प्रजापत, ओमप्रकाश घोटिया, नरेश सोनी, राहूल देव शर्मा, बनवारी खीचड़, बनवारी बिजारणियां, करणीदान चारण, भंवरलाल जांगीड़, रघुवीरसिंह, मो. दयान, रजनीकांत सोनी, संतोष सोनी, विजेन्द्रा खेतान, बसन्ती खेतान, बाबूलाल बोहरा, एस. मंजू, गजेन्द्रसिंह, विजेन्द्रसिंह, श्यामसुन्दर खण्डेलवाल, निर्मल सिंगोदिया, प्रदीप कठातला, किशन शर्मा सहित अनेक अधिवक्तागण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एड. सुरेन्द्र मिश्रा ने किया।

■ **एडीजे ने दिलाई नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ**

चोरों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया

रतनगढ़, (निसं)। के निकटवर्ती गांव कंनवारी में हाल ही में हुई चोरियों के आरोप में रतनगढ़ पुलिस ने 4 शातिर चोरों को प्रोडक्शन वारंट पर चूरू जेल से मंगलवार को गिरफ्तार कर रतनगढ़ पुलिस थाने में ले आई है। डीवाईएसपी हिमांशु शर्मा ने बताया कि 32 वर्षीय सुमेरसिंह पुत्र महावीर सिंह मीणा निवासी गांव दलेलपुरा तहसील खेतड़ी, पपू उर्फ धर्मपाल निवासी गांव दलेलपुरा तहसील खेतड़ी, 27 वर्षीय राजू उर्फ राजिया पुत्र फूलाराम मीणा निवासी गांव बाडिया नाला तहसील गुढ़ागौड़जी व 50 वर्षीय अनिल उर्फ गट्टू पुत्र बीरबलराम मीणा निवासी गांव दलेलपुरा तहसील खेतड़ी को अन्य चोरियों के आरोपों में रतननगर पुलिस ने हाल ही में झुंझुनूं से गिरफ्तार किया था। जिन्होंने हाल ही में तहसील के गांव कंनवारी में हुई चोरी घटना में हाथ होना स्वीकार किया है तथा अभी पूछताछ जारी है और भी चोरियों का खुलासा होने की संभावना है।

उपनेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने सड़क का लोकार्पण किया

नयाबास स्थित वार्ड 16 में विधायक कोटे से निर्मित 7.50 लाख की लागत से बनी सड़क का लोकार्पण करते विधायक राठौड़।

चूरू, (कासं)। नयाबास स्थित वार्ड 16 में विधायक कोटे से निर्मित 7.50 लाख की लागत से बनी सड़क का लोकार्पण मुख्य अतिथि उप नेता प्रतिपक्ष व विधायक राजेंद्र सिंह राठौड़ ने किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता देव किशन सैनी ने की, वहीं कार्यक्रम के विषिष्ट अतिथि पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. वासुदेव चावला, बसंत शर्मा, दीनदयाल सैनी, सुरेश सारस्वत, नगर परिषद प्रतिपक्ष नेता विमला गढ़वाल थे। इस अवसर पर वार्ड पार्षद लिखमीचन्द प्रजापत, किशन किरोड़ीवाल, महावीर स्वामी, सत्तार खान, अरुण शर्मा, दिलीप खान एडवोकेट, दयालचंद, सांवरमल प्रजापत, रामेष्वर लाल गहलोत, सत्यनारायण सैनी, शोभा देवी, मुकेश प्रजापत आदि अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

उसका भविष्य उसी के हाथ में है। अगर वह फिट रहता है और इस गति से गेंदबाजी करता है, तो मुझे यकीन है कि वह लंबे समय तक राष्ट्रीय टीम के साथ रहेगा।

- सौरव गांगुली

बीसीसीआई अध्यक्ष, नये उभरते गेंदबाज उमरान मलिक के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक स्वर्ण पदकधारी भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा तुर्की से अपना 'ट्रेनिंग बेस' (अभ्यास की जगह) फिनलैंड में करेंगे जो पावो नुर्मी खेलों की मेजबानी करेगा जिसमें वह 14 जून को जोहानेस वेटर के सामने होंगे। नीरज अभी तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में ट्रेनिंग कर रहे हैं। 24 साल का यह भारतीय एथलीट 22 जून तक फिनलैंड के कुओरताने ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में अभ्यास के लिये गुरूवार को रवाना होगा। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कहा कि "चार हफ्ते के ट्रेनिंग सत्र को सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) द्वारा मंजूरी दी गयी है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता था।

पाटीदार के शतक से बेंगलुरु दूसरे क्वालीफायर में, राजस्थान से मुकाबला

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बैंग्लुरु	रन	गेंद	4	6
कोहली का मोहसिन बो आवेश	25	24	2	0
डू प्लेसिस का डीकॉक बो मोहसिन	0	1	0	0
पाटीदार नाबाद	112	54	12	7
मैक्सवेल का लेविस बो कुणाल	9	10	0	1
लोमरोर का राहुल बो रवि	14	9	2	0
कार्तिक नाबाद	37	23	0	1
अतिरिक्त :	10			

कुल : 20 ओवर में 4 विकेट पर 207 रन
विकेट पतन : 1-4, 2-70, 3-86, 4-115
गेंदबाजी : मोहसिन 4-0-25-1, चमीरा 4-0-54-0, क्रुणाल 4-0-39-1, आवेश 4-0-44-1, रवि 4-0-45-1

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4	6
डी कॉक का डू प्लेसिस बो सिराज	6	5	0	1
नहुल का शाहबाज बो हैजलवुड	79	58	3	6
वोहरा का शाहबाज बो बैजलवुड	19	1	1	2
हूडा का हसरंगा	45	26	1	4
स्टॉयनिस का रजत बो हर्षल	9	9	0	1
लुईस नाबाद	2	6	0	0
क्रुणाल का और बो हैजलवुड	0	1	0	0
चमीरा नाबाद	11	4	1	1
अतिरिक्त :	22			

कुल : 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन
विकेट पतन : 1-8, 2-41, 3-137, 4-173, 5-180, 6-180
गेंदबाजी : सिराज 4-0-41-1, हेजलवुड 4-0-43-0, शाहबाज 4-0-35-0, हसरंगा 4-0-42-1, हर्षल 4-0-25-1

कोलकाता, 25 मई। रजत पाटीदार (नाबाद 112) के शानदार शतक और उनकी दिनेश कार्तिक (नाबाद 37) के साथ 92 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को बुधवार को 14 रन की जीत से एलिमिनेट कर आईपीएल के 27 मई को होने वाले दूसरे क्वालीफायर में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला पहले क्वालीफायर में हारने वाली टीम राजस्थान रॉयल्स से अहमदाबाद में होगा।

बेंगलुरु ने टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 207 रन का विशाल स्कोर बनाया और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ को छह विकेट पर 193 रन पर थाम लिया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पाटीदार ने कप्तान फाफ डू प्लेसिस के शून्य पर पहले ओवर में आउट होने के बाद मैदान में उतरते हुए पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी की और अपनी टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। पाटीदार ने 54 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 12 चौके और सात छक्के लगाए। कार्तिक ने 23 गेंदों पर नाबाद 37 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

पाटीदार इस सीज़न में दूसरे विकल्प के तौर पर प्लेइंग इलेवन में शामिल हुए थे, लेकिन इस पारी में उन्होंने किसी भी परिपक्व बल्लेबाज़ की तरह बल्लेबाज़ी करते रहे और पारी के अंत में अविजित ही पवेलियन की ओर गए। लखनऊ के फील्डर द्वारा दिए जीवनदानों और पाटीदार के शतक ने बेंगलुरु को एक बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। मोहसिन के अलावा तमाम गेंदबाज़ काफ़ी महंगे साबित हुए। विराट कोहली ने 24 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली। उनके आउट होने के बाद ग्लेन मैक्सवेल नौ और महिपाल लोमरोर 14 रन बनाकर आउट हुए। लेकिन इसके बाद बेंगलुरु ने जो गति पकड़ी तो वह 207 रन पर जाकर ही थमी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ के कप्तान लोकेश राहुल ने एक छोर से पारी को संभाले रखा लेकिन जब निर्णायक ओवरों में पारी को गति देने की जरूरत थी तब वह टीम के 180 के स्कोर पर जोश हेजलवुड का शिकार बन गए। राहुल ने 58 गेंदों पर 79 रन में तीन चौके और पांच छक्के लगाए।

दीपक हुड्डा ने 26 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 45 रन, मनन वोहरा ने 11 गेंदों में 19 रन और मार्कस स्टॉयनिस ने नौ रन बनाये। दुष्मंता चमीरा 11 रन बनाकर नाबाद रहे। पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाने के बाद, 18 अंक हासिल करने के बावजूद लखनऊ नेट रन रेट के लिहाज़ से राजस्थान से पिछड़ गई। इसके बाद प्लेऑफ़ के एलिमिनेटर मुक़ाबले में उन्हें बेंगलुरु से हार झेलनी पड़ी। कप्तान केएल राहुल ने टॉस के दौरान जेसन होल्डर को प्लेइंग इलेवन में जगह न देने को लेकर कहा था कि टीम होल्डर का पूरा उपयोग नहीं कर पा रही है, आज शायद लखनऊ को होल्डर की सबसे ज़्यादा ज़रूरत थी।

मैच के बाद राहुल ने कहा,यह काफी स्पष्ट कारण है कि हम मैच क्यों नहीं जीत पाए। हमने फील्ड में काफ़ी निराशाजनक प्रदर्शन किया। पाटीदार के शतक ने इस मैच में सबसे बड़ा फ़र्क़ डाला है। जब ऊपर से कोई खिलाड़ी अच्छी पारी खेलता है, तो टीम जीत जाती है। यह एक नई फ्रेंचाइजी है। हमने बहुत सारी गलतियां की हैं लेकिन आपको इससे सीख लेनी होगी और मज़बूत होकर वापसी करनी होगी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया में सीओए नियुक्त किया

नयी दिल्ली, 25 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने खेल संहिता के उल्लंघन के कारण हॉकी इंडिया के रोजमर्रा के कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (सीओए) को सौंपी दी। उच्च न्यायालय का यह आदेश पूर्व भारतीय खिलाड़ी असलम शेर खान की याचिका पर आया है जिन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा को हॉकी इंडिया का आजीवन सदस्य नियुक्त किए जाने को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा कि खेल संहिता के अंतर्गत हॉकी इंडिया का बत्रा को 'आजीवन सदस्य' और एलेना नोर्मन को सीईओ नियुक्त करना अवैध था।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ से संबंधित उच्चतम न्यायालय के मामले का संदर्भ लेते हुए उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एआर दवे की अगुआई में प्रशासकों की समिति का गठन किया जिसके सदस्य पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी और भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान जफर इकबाल होंगे।

उच्च न्यायालय ने कहा, "यह जनहित में होगा कि इसके (हॉकी इंडिया के) कामकाज का संचालन प्रशासकों की समिति (सीओए) को सौंप दिया जाए जैसा उच्चतम न्यायालय ने 18 मई 2022 को एक अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघ अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के मामले में निर्देश दिया था।"

न्यायमूर्ति नजमी वजीरी और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने अपने आदेश में कहा, "प्रतिवादी नंबर दो (हॉकी इंडिया) का प्रशासनिक ढांचा, आजीवन अध्यक्ष और आजीवन सदस्यों के कारण गलत और अवैध ढंग से गठित है।" उन्होंने कहा, "भारत सरकार ऐसे राष्ट्रीय खेल महासंघ को मान्यता नहीं दे सकती जिसका संविधान खेल संहिता के अंतर्गत नहीं हो।

राष्ट्रीय खेल महासंघ में आजीवन अध्यक्ष, आजीवन सदस्य के पद अवैध हैं और साथ ही प्रबंधन समिति में सीईओ का पद भी। इन पद को हटाया जाता है।" हॉकी इंडिया ने कहा कि हॉकी इंडिया के संविधान/ 'मेमोरेंडम आफ एसोसिएशन' से इस तरह के सभी संदर्भों को हटाया जाएगा।

दूसरे कार्यकाल के लिये चुनाव नहीं लड़ूंगा : बत्रा

नयी दिल्ली, 25 मई। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने बुधवार को उच्च न्यायालय के हॉकी इंडिया में उनके पद को 'अवैध'

घोषित करने बाद घोषणा की कि वह राष्ट्रीय खेल संस्था के लिये होने वाले चुनावों में शीर्ष पद के दूसरे कार्यकाल के लिये नहीं लड़ेंगे। बत्रा ने 2017 में हॉकी इंडिया के प्रतिनिधि (आजीवन सदस्य) के तौर पर आईओए पद के लिये नामांकन भरा था और आईओए अध्यक्ष चुने गये थे। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायायल ने बुधवार को बत्रा के हॉकी इंडिया में पद को 'अवैध' घोषित किया क्योंकि यह राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप नहीं था।

पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी और 1975 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य असलम शेर खान ने बत्रा की हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के तौर पर नियुक्ति पर चुनौती देते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। आईओए के एक सूत्र ने कहा कि 2017 में चुनावों में नामांकन पत्र दाखिल करते हुए बत्रा को हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के तौर पर शामिल किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटों के भीतर ही बत्रा ने बयान जारी किया कि वह आईओए चुनाव में दूसरे कार्यकाल के लिये नहीं लड़ेंगे।

बत्रा ने बयान में इस बात का जिक्र नहीं किया कि उन्होंने आईओए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है या नहीं। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के प्रमुख के तौर पर और अधिक समय देने की आवश्यकता है। आईओए के चुनाव पिछले साल दिसंबर में कराये जाने थे लेकिन अदालत में लंबित मामले के कारण इन्हें रोक दिया गया था।

आईओए अध्यक्ष पद से हटाये गये बत्रा

नयी दिल्ली, 25 मई। दिल्ली उच्च न्यायालय के हॉकी इंडिया में 'आजीवन सदस्य' पद को अवैध घोषित किये जाने के बाद अनुभवी खेल प्रशासक नरिंदर बत्रा को बुधवार को भारतीय ओलंपिक संघ में शीर्ष संस्था का चुनाव लड़ा और जीता था। आईओए के सीनियर उपाध्यक्ष अनिल खन्ना को कार्यवाहक प्रमुख बनाया गया है। बत्रा ने आईओए पद का अपना नामांकन हॉकी इंडिया के (आजीवन सदस्य) प्रतिनिधि के तौर पर ही भरा था उच्च न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद आईओए ने एक बयान जारी कर कहा कि खन्ना अब संस्था के कार्यवाहक प्रमुख होंगे।बयान के अनुसार, "इस फैसले के अनुसार बत्रा को आईओए अध्यक्ष पद से भी हटा दिया गया है। बत्रा को हटाने से आईओए के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना होंगे जो आईओए के सीनियर उपाध्यक्ष भी हैं। "

ब्रिटेन ने चेल्सी की बिक्री को मंजूरी दी

लंदन, 25 मई। ब्रिटिश सरकार ने रूसी व्यवसाई रोमन अब्रामोविच के चेल्सी फ़ुटबॉल क्लब को टॉड बोएहली को बेचने के फैसले को मंज़ूरी दे दी है। खलीज टाइम्स के अनुसार सरकार को यह सुनिश्चित करना था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संबंध रखने के लिये प्रतिबंधित अब्रामोविच को इस बिक्री से फ़ायदा नहीं हो रहा। 19 साल पहले अब्रामोविच ने चेल्सी को ख़रीदा था और उनके निवेश के कारण ही यह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे सफ़ल क्लबों में से एक बन पाया था।

प्रीमियर लीग की मंज़ूरी मिलने के बाद फीफा क्लब विश्व कप और 2021 यूरोपीय चैम्पियन चेल्सी को 2.5 अरब पाउंड (3.1 अरब डॉलर) में बेचा जाएगा। मार्च में अब्रामोविच की संपत्ति फ्रीज़ होने के बाद से चेल्सी सरकारी लाइसेंस पर संचालित हो रहा है जो 31 मई को समाप्त होने वाला है। रूस के यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू करने के बाद क्लब को खरीदने के लिये कई दावेदार सामने आये थे, और लॉस एंजलिस डॉजर्स के मालिक टॉड बोएहली को चेल्सी का नया मालिक बनने के लिये 1.75 अरब पाउंड (2.2 अरब डॉलर) का निवेश सुनिश्चित करना था।

चेल्सी ने इस महीने की शुरुआत में ही बोएहली, डॉजर्स के दूसरे मालिक मार्क वॉल्टर और स्विस अरबपति हांसहोर्ग विस के संकाय के साथ सौदा करने का निर्णय ले लिया था। पिछले 19 सालों में अब्रामोविच के स्वामित्व के दौरान चेल्सी प्रशंसक ठाठदार खर्च के आदी हो गये हैं। पुरुष टीम को 21 ट्रॉफियां जिताने वाली टीम पर अब तक कुल एक अरब डॉलर ख़र्च किया गया है।

श्रीलंका पहली पारी में बांग्लादेश से 83 रन पीछे

ढाका, 25 मई। कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (80), एंजेलो मैथ्यूज (नाबाद 58) और धनंजय डीसिल्वा (58) के शानदार अर्धशतकों से श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तीसरे दिन बुधवार को अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 282 रन बना लिए और वह बांग्लादेश के 365 रन के स्कोर से 83 रन पीछे है। श्रीलंका ने कल के दो विकेट पर 143 रन से आगे खेलना शुरू किया और स्टंप्स तक तीन विकेट गंवाकर अपना स्कोर 282 रन पहुंचा दिया। करुणारत्ने 70 रन से आगे खेलते हुए 80 रन बनाकर शाकिब अल हसन की गेंद पर बोल्ड हुए। मैथ्यूज ने 153 गेंदों पर नाबाद 58 रन में चार चौके और एक छक्का लगाया जबकि डिसिल्वा ने 95 गेंदों पर 58 रन में नौ चौके लगाए। स्टंप्स के समय मैथ्यूज के साथ दिनेश चांदीमल 10 रन बनाकर क्रीज पर थे। बांग्लादेश की तरफ से शाकिब ने तीन और इबादत हुसैन ने दो विकेट लिए।

बेंगलुरु के खिलाफ होगी राहुल की असली परीक्षा : मोहम्मद कैफ

मुम्बई, 25 मई। भारत के पूर्व बल्लेबाज़ मोहम्मद कैफ़ का मानना है कि लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान केएल राहुल की फॉर्म की असली परीक्षा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में होगी। लखनऊ और बेंगलुरु बुधवार को ईडन गार्डन में आईपीएल 2022 एलिमिनेटर में एक दूसरे का सामना करेंगे।

राहुल ने आईपीएल 2022 में दो शतक और तीन अर्धशतक की बदौलत 48.82 की औसत से 537 रन बनाए हैं। राहुल ने इस सीज़न में बेहतरीन बल्लेबाज़ी की है मगर उनके सभी शतक और अर्धशतक पहली पारी में आये हैं।

कैफ़ ने राहुल की बल्लेबाज़ी का विश्लेषण करते हुए कहा, मेरे हिसाब से केएल राहुल कप्तानी पारी खेलना चाहते हैं और वह अपने ऊपर बहुत ज़्यादा दबाव ले लेते हैं। अगर आप फॉर्म में हैं तो आपको लक्ष्य का पीछा करते हुए भी वैसे ही बल्लेबाज़ी करनी चाहिये जैसी आप पहले बल्लेबाज़ी के दौरान हुए करते हैं। डि कॉक आपके साथ खेल रहे हैं और उनका काम आक्रामक खेल दिखाना है, लेकिन आपका काम आखिरी ओवर तक खेलना है।

राहुल चेज़ करते हुए दबाव में दिखते हैं। इस वजह से कई बार आउट भी हुए हैं, लेकिन वह एक शानदार बल्लेबाज़ हैं। उनके पास फॉर्म है, संयम है और वह अंत तक खेलना जानते हैं। वह हर दिशा में शॉट मार सकते हैं। वह भले ही शुरू में समय लेते हैं लेकिन उन्हें मैच ख़त्म करना आता है। कैफ़ ने कहा कि आज के मैच में लखनऊ की जीत उनके कप्तान पर निर्भर करेगी। सुपरजायंट्स के पास कई ऑलराउंडर हैं, जिससे उन्हें बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी में गहराई उपलब्ध हो जाती है। इसपर चर्चा करते हुए कैफ़ ने कहा कि इसी कारण से लखनऊ की गेंदबाज़ी बेंगलुरु से बेहतर है। उन्होंने कहा, मूल रूप से, लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर है और आरसीबी काफी कमजोर है।

मोहम्मद सिराज पिछले मैच में बाहर हो गए और उनकी जगह सिद्धार्थ कौल आए और उन्होंने 4 ओवर में 40 रन दिए, जो काफी महंगा है। ईडन गार्डन्स की पिच पर हेजलवुड के अलावा आरसीबी की गेंदबाजी काफी कमजोर है। लखनऊ की गेंदबाजी बेहतर है, इसलिए आरसीबी को अपनी बल्लेबाजी से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ज्यादा छक्के लगाने होंगे तभी आज का मैच जीत पाएंगे। यह एक बड़ी लड़ाई है!

आर्थिक संकट के कारण श्रीलंका-ऑस्ट्रेलिया मुकाबलों का समय बदला गया

कोलंबो, 25 मई। श्रीलंका में चल रहे आर्थिक संकट के कारण अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सफेद बॉल मुकाबलों के समय में बदलाव किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई अखबार सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड ने बुधवार को बताया कि ईंधन की कमी के कारण सात से 24 जून तक श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले तीन टी20 और पांच एकदिवसीय मुकाबलों को दिन में आयोजित किया जाएगा। यह फैसला इसलिये लिया गया है ताकि फ्लडलाइट्स के प्रयोग से बचा जा सके।

श्रीलंका क्रिकेट ग्राउंड की लाइट जनरेटर की सहायता से जलती हैं, और हालांकि देश में ईंधन की खेप कुछ समय पहले ही पहुंची है, अधिकारियों ने फैसला किया है कि दुर्लभ संसाधनों का फिलहाल प्रयोग करना उचित नहीं है। अखबार ने बताया कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक इसकी घोषणा नहीं की है।

गत चैम्पियन जोकोविच तीसरे दौर में

पेरिस, 25 मइ। गत चैम्पियन नोवाक जाकोविच ने बुधवार को यहां आसान जीत से फ्रेंच ओपन टेनिस ग्रैंडस्लैम के पुरूष एकल वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सर्बिया के शीर्ष वरीय जोकोविच ने एलेक्स मोलकान को 6-2, 6-3, 7-6 से शिकस्त दी।

वहीं जर्मनी के तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए रोलां गैरां में पदार्पण कर रहे अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज को 2-6, 4-6, 6-1, 6-2, 7-5 से हराया। महिलाओं के वर्ग में चौथी वरीयता प्राप्त मारिया सकारी दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गयीं। वह पिछले साल यहां सेमीफाइनल तक पहुंची थीं।

सकारी को चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा ने 7-6, 7-6 से पराजित किया जिससे शीर्ष चार वरीय महिलाओं में से दो खिलाड़ी शुरूआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं। 81वीं रैंकिंग की खिलाड़ी मुचोवा ने 2021 आस्ट्रेलियन ओपन में तब की नंबर एक खिलाड़ी एश बार्टी को हराया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त और गत चैम्पियन बारबोरा क्रेजसिकोवा सोमवार को बाहर हो गयी थीं। अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ ने बेल्जियम की एलिसन वान उयतवांक को 6-1, 7-6 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। गॉफ पिछले साल यहां क्वार्टरफाइनल में पहुंची थीं जो उनका मेजर टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ नतीजा भी है।

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका ने दूसरे दौर में आंद्रिया पेतकोविच को 6-1, 7-6 से हराया। बेलारूस की 15वीं वरीय अजारेंका ने मुकाबले के दौरान 13 सहज गलतियां कीं जबकि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी 42 सहज गलतियां कर बैठीं। अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडूकानू दूसरे दौर में बेलारूस की एलियाकसांद्रोवा सासनोविच से हारकर बाहर हो गयीं। सासनोविच ने 19 वर्षीय राडूकानू पर 3-6, 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की।

रामकुमार की ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में पहली जीत, फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में

पेरिस, 25 मई। भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने अमेरिकी खिलाड़ी हंटर रीस के साथ मिलकर बुधवार को यहां फ्रेंच ओपन की पुरूष युगल स्पर्धा में डेनियल अल्टमेयर और ऑस्कर ओटे की जर्मनी जोड़ी को हराकर ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रा में पहली जीत दर्ज की। रामकुमार ग्रैंडस्लैम के एकल मुख्य ड्रा में जीत दर्ज करने के कई प्रयास कर चुके हैं, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली है। पर उन्होंने रीस के साथ मिलकर क्ले कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के पुरूष युगल के शुरूआती दौर में अपने प्रतिद्वंद्वियों को 7-6, 6-3 से हरा दिया। सत्ताईस वर्षीय भारतीय ने हमवतन रोहन बोपन्ना के साथ मिलकर एडिलेड में पहला एटीपी टूर खिताब और फिर पुणे में टाटा ओपन महाराष्ट्र में ट्राफी जीतकर इस साल के शुरू में युगल रैंकिंग के शीर्ष 100 में जगह बनायी थी।

महिला वनडे चैम्पियनशिप के अगले चक्र में कोई भारत-पाक मुकाबले नहीं

दुबई ,25 मई। आईसीसी ने 2022-2025 के महिला चैंपियनशिप में बांग्लादेश और आयरलैंड को नौवीं और दसवीं टीम के रूप में चुना है और साथ ही यह भी घोषणा की है कि इस चक्र में भारत और पकिस्तान के बीच कोई मुक़ाबले नहीं होंगे। इस महिला चैंपियनशिप के आधार पर शीर्ष की छह टीमों को 2025 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में स्थान मिलेगा। यह महिला चैंपियनशिप का तीसरा चक्र होगा और इसके अंतर्गत अगले तीन सालों में सभी टीमें कुल आठ तीन मैच के सीरीज़ खेलेंगी जिनमें आधे घर पर होंगे और आधे विदेश में। इस चक्र के अंत में पांच शीर्ष टीमों के साथ अगले विश्व कप के मेज़बान को डायरेक्ट एंट्री मिलेगी। इस मेज़बान का अभी चयन नहीं हुआ है। बाक़ी की चार टीमों को आईसीसी रैंकिंग के 11वें और 12वें स्थान की टीमों के साथ क्वालिफ़ायर खेलने होंगे जहां से दो और टीमों को विश्व कप में जगह मिलेगी। पाकिस्तान के चक्र में पहला विपक्षी है।

2007-08 में मैं अनिल कुंबले के भरोसे पर खरा उतरना चाहता था : सहवाग

नयी दिल्ली, 25 मई। 2007 में भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद वापसी करने पर वीरेंद्र सहवाग ने इस बात का श्रेय 2007 से 2008 में कप्तान रहे अनिल कुंबले को दिया। साथ ही सहवाग के अनुसार 2008 में ऑस्ट्रेलिया में हुए विवाद के बाद हरभजन सिंह के करियर को बचाने में भी कुंबले का बहुत बड़ा हाथ था।

स्पोर्ट्स18 पर सहवाग ने बताया कि जब उन्होंने जनवरी 2007 में अपना 52वां टेस्ट खेला तब उन्हें अंदाज़ा नहीं था कि अगले टेस्ट तक उन्हें एक साल का इंतज़ार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, अचानक से टेस्ट टीम का हिस्सा ना बनना मेरे लिए दु:खदाई बात थी। मुझे उस समय ड्रॉप नहीं किया गया होता तो मैं 10,000 से अधिक टेस्ट रन बना सकता था।

जब भारत 2007-08 में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो रहा था तब सहवाग को टीम में शामिल करने पर कुंबले पर कुछ सवाल ज़रूर उठे थे। उन्होंने पहले दो टेस्ट मैच भी नहीं खेले लेकिन उसके बाद पर्थ टेस्ट से पहले कैनबरा में एक अभ्यास मैच था जहां कुंबले ने सहवाग के सामने यह प्रस्ताव रखा कि अगर वह उस मैच में 50 बनाते हैं तो उन्हें पर्थ टेस्ट में चुना जाएगा। सहवाग ने इस अभ्यास मैच में लंच से पहले ही शतक दे मारा। कुंबले ने शर्तानुसार सहवाग को पर्थ टेस्ट में रखा हालांकि उन्होंने एडिलेड में आख़िरी टेस्ट में 63 और 151 रनों की पारियां खेली।

सहवाग ने याद किया, वह 60 रन मेरे जीवन के सबसे कठिन रन थे। मुझे अनिल भाई के भरोसे पर खरा उतरना था। मैं नहीं चाहता था कि कोई उनके मुझे ऑस्ट्रेलिया लाने के फ़ैसले पर उंगलियां उठाए। भारत के दूसरी पारी में मैच बचाने वाली 151 रनों की अपनी पारी पर सहवाग ने कहा, मैं स्ट्राइकर छोर पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। दूसरे छोर पर मैं अंपायर से बातचीत करता और कभी गाने गुनगुनाने लगता। इस प्रकार मुझपर कोई दबाव नहीं पड़ा। सहवाग ने कहा कि इस मैच के बाद कुंबले ने उन्हें वादा किया कि उनकी कप्तानी में उनकी टेस्ट टीम में जगह सुनिश्चित होगी। सहवाग ने कहा, एक खिलाड़ी को अपने कप्तान से ऐसे ही आत्मविश्वास की उम्मीद रहती है। यह पहले सौरव गांगुली और फिर कुंबले से मिली।

सहवाग ने कुंबले की तारीफ़ में हरभजन सिंह और एंड्रयू साइमंड्स के बीच हुए क़िस्से के बाद उनके व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, अगर अनिल भाई कप्तान नहीं होते तो शायद दौरा रद्द हो जाता। और तो और शायद हरभजन सिंह के करियर को भी बचाना असंभव होता।

कुंबले की कप्तानी में सहवाग ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद सात टेस्ट खेले जिनमें उनका औसत 62 का था और उन्होंने अपने करियर का सर्वाधिक 319 नाबाद भी इस दौरान बनाए और साथ ही श्रीलंका में एक मैच-जिताऊ 201 नाबाद भी बनाए। कुंबले के अंतिम टेस्ट में उन्होंने गेंद से अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए एक पारी में 104 रन देकर पांच विकेट भी लिए।

गुजरात टाइटंस में मुझे सभी का समर्थन और खेलने का मौका मिला : डेविड मिलर

कोलकाता, 25 मई। डेविड मिलर टी20 क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते चले आ रहे हैं। एक ऐसे फ़िनिशर की भूमिका जो गेंदबाज़ी ही नहीं करता। इस शैली के खिलाड़ियों को सफलता से अधिक निराशा हाथ लगती है। आपको विश्लेषकों को प्रभावित करने वाले बड़े रन बनाने का मौक़ा नहीं मिलता है। और तो और अगर आप विदेशी लीग में खेलते हैं, तो एकादश में स्थान बनाना कठिन हो जाता है। मिलर ने अपने पूरे करियर और विशेष रूप से अपनी पिछली फ्रैंचाइज़ी में, जिसे हराकर उन्होंने आईपीएल 2022 के फ़ाइनल में जगह बनाई, इस बात को क़रीब से देखा है। इस सीज़न की शुरुआत से पहले मिलर ने क्रिकइंफ़ो के मैट रोलर को बताया था कि एक मुश्किल रोल में लगातार नहीं खेल पाना कितना निराशाजनक था।

विलियमसन और पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा

मुम्बई, 25 मई। आईपीएल का हर सीज़न कुछ न कुछ मुश्किलें लेकर आता है लेकिन इस बार इस सीज़न में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। सनराइज़र्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन और मुम्बई इंडियंस के आल राउंडर कीरोन पोलार्ड के लिए यह आईपीएल उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। विलियम्सन इस सीज़न महज़ 19 के औसत और 93.5 के स्ट्राइक रेट से 216 रन ही बना पाए। जो कि बतौर सलामी बल्लेबाज़ यह आईपीएल के किसी भी सीज़न में न्यूनतम है।

हरियाणा ने सब-जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी में 18 पदकों पर कब्जा सुनिश्चित किया

बेल्लारी (कर्नाटक), 25 मई। हरियाणा के 18 मुक्केबाजों ने अपने सनसनीखेज प्रदर्शन को जारी रखते हुए कर्नाटक के बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में जारी 2022 सब-जूनियर गर्ल्स एंड बॉयज नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश करने के साथ अपने लिए कम से कम इतने ही कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिए।

प्रतियोगिता के 14 भार वर्गों में से हरियाणा की लड़कियों ने 10 श्रेणियों में और लड़कों ने आठ वर्गों में सेमीफाइनल सीट आरक्षित करने में कामयाबी हासिल की। सोनिका और अंशु ने हरियाणा के लिए जारी वर्चस्व की लड़ाई का नेतृत्व किया। इन दोनों ने लड़कियों के 38 किग्रा भार वर्ग और 40 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में क्रमशः दिल्ली की महेक वर्मा और मध्य प्रदेश की हिमानी को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराया। आरजू (42 किग्रा), जोनी (44 किग्रा) और पायल (46 किग्रा) ने भी इसी तरह के अंतर से जीत हासिल कर आगे का टिकट कटाया जबकि दीप्ति (48 किग्रा), भूमिका (50 किग्रा), हंसिखा (60 किग्रा) और लक्ष्य (63 किग्रा) ने आरएससी के आधार पर जीत दर्ज की।

साक्षी को लड़कियों के 36 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में दिल्ली की ख्याति पंवार के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी। हालांकि वह 3-2 के अंतर से जीत दर्ज करने में सफल रहीं। लड़कों के वर्ग में, महेश ने 46 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में पश्चिम बंगाल के एसके आर्यन के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। विनीत कुमार (40 किग्रा), पीयूष (49 किग्रा), योगेश डंडा (52 किग्रा), लोकेश (64 किग्रा), जितेश सांगवान (67 किग्रा), यश कुमार (70 किग्रा) और पर्यास (70 किग्रा) ने भी आराम से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। एलीट पुरुष वर्ग में मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने सब-जूनियर वर्ग में भी अपना दबदबा जारी रखा।

उसके 10 मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।मानशु ने एसएससीबी के लिए आक्रामक शुरुआत करते हुए 35 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल में राजस्थान के चंदन सैनी के खिलाफ आरएससी के आधार पर जीत हासिल की। इसी तरह, हर्ष (37 किग्रा), आकाश बधवार (40 किग्रा), प्रियांशु (43 किग्रा), मौसम सुहाग (46 किग्रा), देवांग (55 किग्रा), जशनदीप (58 किग्रा), नकुल शर्मा (61 किग्रा), प्रशांत (64 किग्रा) और हार्दिक पंवार (70 किग्रा) ने भी अगले दौर का टिकट कटाया।

विश्व के सबसे गहरे और बड़े ताजे पानी के चश्मों एक है वकूला स्प्रिंग्स। फ्लोरिडा के क्रॉफर्डविल में कुल 33 चश्मे हैं जिनमें वकूला सबसे बड़ा है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक यह क्षेत्र इंसान व जानवरों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। ऐसे प्रमाण हैं, जो बताते हैं कि 12,000 साल पहले भी यहां इंसान मौज मस्ती के लिए एकत्रित होते थे और लम्बे अर्से पूर्व लुप्त हो चुके, मैस्टडॉन्स (हाथी जैसे प्राचीन जीव) जैसे जानवर भी यहां आते थे। पुरातत्वविदों को सन् 1850 के बाद से ही यहां पर मैस्टडॉन्स, जाएंट ग्राउण्ड स्लॉथ, सेबर-टूथ्ड टाइगर्स आदि (सभी लुप्त हो चुके हैं) के जीवाश्म मिलते रहे हैं। विश्व का सबसे गहरा चश्मा, वकूला स्प्रिंग्स 185 फीट गहरा है। उत्तरी फ्लोरिडा की गर्मी से निजात पाने के लिए लोग यहां आते हैं। प्रकृति प्रेमी और वन्यजीव फोटोग्राफर्स को भी यह जगह बहुत पसंद है। एलिगेटर्स, सुवानी कूटर टर्टल, डियर और मैनटी (सर्दी में) यहां अक्सर नजर आते हैं। इसके अलावा अनहिंगा स्नेक बर्ड, ऑस्प्री, गैलीन्यूल्स, वुड डक्स, ग्रेट ईग्रेट, ब्लू हैरॉन्स, कॉरमोरैन्ट्स और पाइड बिल्ड ग्रीब जैसे पक्षी यहां बड़ी तादाद में रहते हैं। सन् 1986 में यहाँ एडर्व्ड बॉल वकूला स्प्रिंग्स स्टेट पार्क बनाया गया था। वकूला स्प्रिंग्स कई फिल्मों में भी नजर आ चुका है, जिनमें टार्जन श्रृंखला की पुरानी फिल्में प्रमुख हैं।

राहुल गांधी का पप्पू नाम रखने वाले कुमार विश्वास, कम्युनिस्ट से कांग्रेसी बने कन्हैया और प्रियंका को बनाओ राज्यसभा उम्मीदवार

मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने आलाकमान को सलाह दी

जयपुर, 25 मई (का.प्र.)। राजस्थान में चार सीटों पर होने वाले राज्यसभा चुनावों के लिए दावेदार दिल्ली से लेकर जयपुर तक अपने प्रयासों में जुटे हुए हैं। एक कयास यह भी है कि राज्यसभा की 3 में से 2 सीटों पर आलाकमा की मर्जी के उम्मीदवार तय होंगे। वही एक सीट मुख्यमंत्री की मर्जी से तय होगी। इस बीच अब मुख्यमंत्री के सलाहकारों से लेकर अन्य विधायकों ने भी अपनी पसंद बताना शुरू कर दिया है कि आलाकमान को राज्यसभा के लिए कैसे उम्मीदवार लाने चाहिए। वहीं बसपा से कांग्रेस में आए और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ने गुर्जर उम्मीदवार की मांग उठाई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 11 निर्दलीय विधायकों से राज्यसभा चुनावों को लेकर दो दिन चर्चा की थी। इस चर्चा के बाद एक फोटो भी जारी की गई थी कि तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन कांग्रेस उम्मीदवार के साथ रहेगा। उस मुलाकात में शामिल मुख्यमंत्री के सलाहकार एवं सिरोही के निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने बुधवार को एक ट्वीट कर आलाकमान को तीन नाम सुझाए हैं, जिसमें प्रियंका गांधी भी शामिल हैं। लोढ़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम सबसे पहले पप्पू लिखने वाले कवि विश्वास कुमार और कम्युनिस्ट पार्टी से कांग्रेस में आने वाले कन्हैया कुमार का नाम सुझा। लोढ़ा ने अपने ट्वीट में लिखा कि शासकीय नीतियों को जन अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने और केंद्र की सत्ता को बाध्य करने के लिए राज्यसभा के आगामी चुनावों में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, प्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास और कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार को राजस्थान से राज्यसभा में अवसर दिए जाने पर विचार किया जाना चाहिए।

■ **एक अन्य विधायक अवाना बोले- गुर्जर समाज के व्यक्ति को भेजा जाना चाहिए राज्यसभा में।**

दूसरी ओर राजस्थान में बसपा से कांग्रेस में शामिल हुए विधायक जोगिंदर सिंह अवाना ने कांग्रेस हाईकमान से गुर्जर समाज के व्यक्ति को राज्यसभा में भेजने की मांग की है। देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष अवाना ने कहा कि 70 से 75 विधानसभा क्षेत्रों में गुर्जर समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। देश की आजादी के बाद से अब तक राज्यसभा में गुर्जर समाज का कोई भी व्यक्ति नहीं गया है। राज्यसभा में गुर्जर समाज का व्यक्ति जरूर जाना चाहिए। अवाना ने बताया कि पूरे राजस्थान में करीब 10 से 15 लोकसभा की सीटें हैं, जिनमें गुर्जर समाज की अच्छी संख्या है।

रोहित जोशी को दिल्ली हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

जयपुर, 25 मई। जलदाय मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी से जुड़े मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने रोहित जोशी की याचिका पर दो माह बाद, 26 जुलाई, को सुनवाई तय की है। याचिका में किसी भी तरह का अंतरिम आदेश पारित नहीं होने के चलते रोहित जोशी को कोई भी राहत नहीं मिली है। हालाकि उसके पास अग्रिम जमानत याचिका पेश करने का विकल्प मौजूद है। रोहित जोशी की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा गया है कि युवती के साथ उसकी सहमति से संबंध बनते थे। लेकिन रोहित के पिता महेश जोशी उनके विवाहेत्तर संबंध के खिलाफ थे। जब रोहित जोशी ने युवती को बताया कि वह अपने पिता के खिलाफ जाकर दूसरी शादी नहीं कर सकता, और न ही अपनी वर्तमान पत्नी को तलाक दे सकता है। तब इस पर युवती ने उस पर दुष्कर्म का आरोप लगाया।

याचिका में युवती पर हनीट्रेप का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि मामले में याचिका कर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर निरस्त की जाए। इसके अलावा रोहित जोशी की ओर से मामले में गिरफ्तार न करने की गुहार की गई है।

गौरतलब है कि रोहित की गिरफ्तारी पर किसी तरह की रोक नहीं है। दिल्ली पुलिस को अब 2 महीने का समय और मिल गया है। माना जा रहा है कि दिल्ली पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक साथ कई ठिकानों पर दबिश देकर छापेमारी की कार्रवाई कर सकती है। रोहित के विदेश भागने की आशंका के चलते दिल्ली पुलिस ने उसके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी कर दिया है। इसके साथ ही रोहित के फोटो देश के सभी एयरपोर्ट पर भेजे गए हैं। पुलिस ने एयरपोर्ट पर निगरानी रखने के निर्देश जारी कर रखें हैं। लुक आउट नोटिस जारी करने के साथ उनकी धरपकड़ के लिए कई टीमें गठित की जा सकती हैं। दिल्ली पुलिस मामले में जल्द इंट्रोगेशन पूरा कर चालान पेश करना चाहती है।

■ **हाईकोर्ट ने रोहित जोशी की याचिका पर दो माह बाद 26 जुलाई को सुनवाई तय की है। हालांकि, कोर्ट ने किसी भी तरह का अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है।**

पानी के लिए पैदल यात्रा

पाली, 25 मई (नि.सं.)। पाली नगर परिषद की सभापति रेखा व उनके पति राकेश भाटी शहर के पेयजल संकट को लेकर आज पाली से जयपुर पैदल रवाना हुये। दम्पति ने सुबह उठकर एक बैग गले में लटकाया और भैरुघाट भैरुजी मन्दिर, लाखोटिया महादेव, सोमनाथ महादेव के दर्शन कर जयपुर रवाना हो गये। पाली नगर परिषद् में भाजपा का बोर्ड है।

इस नौतपा की भीष्ण गर्मी में पैदल निकलना, 300 किलोमीटर की दूरी के लिये बहुत कठिन व साहसिक कार्य है। यह निर्णय हर कोई नही ले सकता। इस दम्पति के दिलों दिमाग में पाली शहर की जनता के प्रति दर्द है। यह दम्पति पिछले कई वर्षों से सुबह सुबह अपने घर के नजदीक बहुत सारे मन्दिरों के दर्शन हर रोज करते है। भगवान से पाली शहर की जनता की खुशहाली के लिये दुआ हर रोज करते है मगर पानी की भयंकर किल्लत को देखते हुये इन्हें महसूस हुआ और लगा की ऐसी स्थिति में राज यानि सरकार को जगाया जाए और पैदल ही जयपुर कूच किया जाए। ये चाहते तो अपने अधीनस्थ ठेकेदारों व अन्य संस्थाओं के माध्यम से टैंकरो से पानी पहुंचा सकते थे, मगर इन्हें एहसास हुआ की इस व्यवस्था से आमजन की समस्याएं दूर नही होगी। इसका स्थायी समाधान होना चाहिये और यह दोनों निकल पड़े सरकार को जगाने के लिए।

■ **नगर परिषद सभापति रेखा और उनके पति राकेश भाटी पाली के भारी पेयजल संकट पर विरोध जताने के लिए भीषण गर्मी में जयपुर के लिए पैदल निकल पड़े हैं।**

दम्पति की आवाज़ को सुनना ही पड़ेगा। यह आवाज रेखा राकेश भाटी की नही सम्पूर्ण पाली की आवाज़ है कि सरकार पाली की जनता के लिये पानी की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई एन.आई.ए.कोर्ट ने

देश में बड़ी हिंसक वारदात होने की आशंका के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने राहत की सांस ली

नयी दिल्ली, 25 मई (वार्ता)। नब्बे के दशक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का पर्याय रहे जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के सरगना यासीन मलिक को उसके जघन्य अपराधों के लिए 32 साल बाद बुधवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

मलिक को आतंकवाद, राजद्रोह और आपराधिक साजिश आदि विभिन्न धाराओं के तहत विभिन्न अवधि की कारावास की सजा और कई रकम के जुर्माने किये गये हैं जिनमें 10 लाख रुपये का जुर्माना भी शामिल है। अदालत ने कहा है कि मलिक के कैद की विभिन्न सजायें एक साथ चलेंगी।

मलिक के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के मामलों की सुनवाई करने वाली पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत के न्यायाधीश प्रवीण सिंह के फैसले से पहले जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर में तनाव का माहौल था। श्रीनगर के लाल चौक पर दुकानें बंद थीं, पर यातायात चालू था।

■ **जैसा कि विदित है कि, जब कोर्ट में सजा सुनाई जाती है तो अपराधी का कोर्ट में मौजूद होना आवश्यक होता है।**

आतंकवादी सरगना मलिक जनवरी 1990 में कश्मीर में स्क्वाड्रन लीडर रवि खन्ना सहित भारतीय वायुसेना के चार अधिकारियों और जवानों की हत्या के मामले चर्चित हुआ था। उसके खिलाफ 2017 में आतंकवाद और विघटनकारी करतूतों में शामिल होने के आरोपों में मामला दायर किया गया था। इसी वर्ष मार्च में अदालत ने मलिक और अन्य के विरुद्ध गैर कानूनी गतिविधियां निवारक (यूएपीए) अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा चलाये जाने का आदेश दिया था।

मलिक के वकील उमेश शर्मा ने कहा कि, उसके मुवक्किल को आजीवन कारावास की दो सजाओं के अलावा 10 अभियोगों में 10 साल की बामशक्कत कैद की सजायें सुनायी गयी हैं और उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी सजायें एक साथ चलेंगी।

मलिक के विरुद्ध 10 वर्ष के कारावास और 10 हजार रुपये का जुर्माना एक जुर्माना भारतीय दंडिता संहिता के तहत सुनाई गयी है। इसी तरह सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ना, युद्ध छेड़ने का प्रयास करना या युद्ध छेड़ने को बढ़ावा देने के जुर्म में धारा 121 के तहत उम्र कैद तथा युद्ध छेड़ने की साजिश के आरोप में धारा 121 ए के तहत 10 साल की सजा तथा 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

उसे आतंकवाद के लिए धन जुटाने के आरोप में यूएपीए की धारा 17 के तहत उम्र कैद और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह धारा 20 (आतंकवादी गिरोह या संगठन से नाता रखने) के आरोप में 10 साल की सजा और 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

श्रीलंका ने भारत से मांगा कर्ज

कोलंबो, 25 मई (वार्ता)। जबरदस्त आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका ने भारतीय एक्जिम बैंक से 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज मांगा है ताकि इस रकम से ईंधन का आयात किया जा सके। द डेली एफटी समाचार पत्र ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि सोमवार को आयोजित एक बैठक में श्रीलंका की सरकार ने भारत से संपर्क करने का फैसला लिया। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने कहा, सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भारतीय एक्जिम बैंक से 50 करोड़ डॉलर अतिरिक्त ऋण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस रकम का इस्तेमाल ईंधन की किल्लत को कम करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीलंका ने इस रकम को चुकाने के लिए अतिरिक्त एक साल के साथ सात साल का समय मांगा है।

■ **श्रीलंका ने भारतीय एक्ज़िम बैंक से 50 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कर्ज मांगा है, ताकि वह ईंधन का आयात कर सके।**

ज्ञानवापी जैसा एक मामला कर्नाटक में भी सामने आया

मंगलुरु के मलाली क्षेत्र में जुमा मस्जिद के पुर्ननिर्माण के दौरान हिन्दू मंदिर के प्रतीक चिन्ह मिलने का दावा किया गया

मंगलुरु, 25 मई (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का विवाद अभी सुलझा भी नहीं कि कर्नाटक से एक और ऐसा मामला सामने आया है। जिसके बाद यहां मंगलुरु के मलाली में जुमा मस्जिद से 500 मीटर के दायरे तक बुधवार सुबह आठ बजे से धारा 144 लागू कर दी गई है।

इस दिन सुबह करीब साढ़े आठ बजे थेनकुलीपडी के रामंजनेय भजन मंदिर में तंबुला प्रश्न नामक धार्मिक आयोजन किए जाने के बाद सीआरपीसी की धारा 144 लगाई गई है।

■ **गौरतलब है कि, मंगलुरु प्रशासन यहां की जुमा मस्जिद का पुर्ननिर्माण करवा रहा था इस दौरान वहां हुई तोड़-फोड़ और खुदाई में हिन्दू मंदिर के प्रतीक चिन्ह आदि मिलने की बात सामने आई।**

चूंकि हिंदू सामाजिक संगठनों का मानना है कि, जुमा मस्जिद का निर्माण मंदिर के स्थान पर किया गया है इसलिए तंबुला प्रश्न अनुष्ठान के बाद अष्टमंगला प्रणाम की तैयारियां शुरू हो गईं।

उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को मैंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में स्थित जुमा मस्जिद में मस्जिद अधिकारियों द्वारा कराए जा रहे नवीनीकरण कार्य के दौरान मस्जिद के नीचे एक हिंदू मंदिर के जैसा वास्तुशिल्प डिजाइन मिलने की बात कही गई थी।

इसके बाद इलाके के हिंदू संगठनों ने दावा किया कि मस्जिद स्थल पर मंदिर के होने की पूरी संभावना है। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जिला प्रशासन से दस्तावेजों के सत्यापन तक मस्जिद में काम स्थगित करने की अपील की।

एक अनार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीसरी जाति, जो अपने आपको दरकिनार मान रही है, राजपूत है क्योंकि शासन ने इस तर्क के आधार पर उनसे जानबूझ कर दूरी बना रखी है कि वे भाजपा समर्थक हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वे भी अपना हिस्सा चाहते हैं। कांग्रेस में उठाया जा रहा दूसरा बिन्दु यह है कि चूँकि चुनाव बहुत नजदीक हैं, इसलिये राज्यसभा की कम से कम दो सीट स्थानीय नेताओं को दी जानी चाहिये। पहले राजस्थान से डॉ. मनमोहन सिंह तथा वेणुगोपाल राज्यसभा में भेजे गये थे। सूत्रों का कहना है कि रणदीप सिंह सुरजेवाला राजस्थान से राज्यसभा में पहुँचने के लिये अशोक गहलोत के प्रति जबरदस्त स्नेह जताने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि राजस्थान से उन्हें टिकट मिलने की कोई गुंजाइश दिखाई दे रही है क्योंकि हुडा उन्हें बाहर रखने के लिये कुछ भी कर गुजरेंगे। चूँकि राजस्थान से राज्यसभा की उम्मीदवारी के लिये गुलाम नबी आज़ाद के नाम पर गंभीरता से विचार चल रहा है तथा इसलिये स्थानीय नेताओं के समायोजन के लिये गहलोत के पास दो ही सीट बचती हैं।

प्राइमरी स्कूल में गोलीबारी में 18 बच्चों समेत 21 की मौत

टैक्सस के स्कूल में 18 वर्षीय युवक ने हैंडगन और राइफल से बच्चों और शिक्षकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं

टैक्सस, 25 मई। अमेरिका के टैक्सस शहर में एक स्कूल में हुई गोलीबारी में 18 बच्चों समेत 21 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। स्कूल में फायरिंग करने वाले 18 साल के शख्स को पुलिसकर्मियों ने मार गिराया। फायरिंग करने वाले शख्स का नाम सल्वाडोर रामोस बताया जा रहा है।

बंदूकधारी शख्स हैंडगन और राइफल के साथ रॉब एलीमेंट्री स्कूल में दाखिल हुआ और उसने बच्चों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बताया जाता है कि फायरिंग में जिन बच्चों की मौत हुई है उनकी उम्र 7 से 10 साल के बीच थी। सभी दूसरी, तीसरी और चौथी क्लास के छात्र थे।

■ **इस घटना के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुस्सा और निराशा व्यक्त करते हुये अमेरिका की आर्म्स पॉलिसी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि, ऐसा लगता है कि, हम इसमें फंस गए हैं और कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।''**

राष्ट्रपति ने कहा, ''भगवान के नाम पर हम बंदूक की लॉबी के लिए खड़े होने जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह समय है कि हम इस दर्द को कार्रवाई में बदल दें, एक बच्चे को खोने पर आत्मा को कष्ट पहुंचा है। सीने में एक खोखलापन है। ऐसा लगता है कि इसमें फंस गए हैं और कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।''

उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा,अब बहुत हो गया है। एक राष्ट्र के रूप में, हमें कार्रवाई करने और ऐसा दोबारा होने से रोकने का साहस होना चाहिए।

सिब्बल का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कपिल सिब्बल ने समावादी पार्टी नेता आज़म खान का केस लड़ा था, जिन्हें दो वर्ष तक जेल में रहने के बार जमानत मिल गई थी। सूत्र कहते हैं कि कपिल सिब्बल समाजवादी पार्टी के अधिकांश केस लड़ेंगे।

सिब्बल के पास कई राजनीतिक पार्टियों से राज्यसभा सदस्य बनने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने समाजवादी पार्टी को ही सिर्फ इसलिए चुना क्योंकि वह गांधी परिवार को एक कड़ा संकेत देना चाहते थे।

सिब्बल ने कांग्रेस के चिन्तन शिविर के समापन के बाद 16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।

सिब्बल ने पार्टी की कार्यशैली और क्रियाकलापों को लेकर कुछ प्रासंगिक मुद्दे उठाए हैं और राहुल गांधी ने उन्हें वर्ष 2019 से स्वयं से मिलने का समय नहीं दिया है।

सिब्बल कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं के समूह जी-23 की मूलतः प्राण वायु थे। इन नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी में सुधार किए जाने की मांग की थी।

पिछले 5 माह से भी कम समय में वे कांग्रेस के पांचवें ऐसे सीनियर नेता हैं, जिन्होंने पार्टी छोड़ी है। कांग्रेस के लिए किसी भी तरह से यह बहुत बड़ी क्षति है।

कपिल सिब्बल का छोड़कर जाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीच संवाद-सेतु का काम भी कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, सिब्बल ने कांग्रेस छोड़ तो दी है लेकिन किसी नाराजगी के कारण नहीं तथा पार्टी से अपने रिश्ते नहीं तोड़े हैं। यह बात कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के शब्दों से उस साफ झलक रही थी, जब उन्होंने कहा कि सिब्बल का त्याग-पत्र बहुत ही ऊँचे दर्जे का है।

इससे पूर्व सिब्बल ने कहा कि उन्होंने ''16 मई को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के साथ मेरे बहुत गहरे रिश्ते हैं। ये रिश्ते 30-31 साल पुराने हैं। यह कोई छोटी चीज नहीं है। मैं कांग्रेस में राजीव जी (पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी) के कारण शामिल हुआ था। आप सोच रहे होंगे कि कोई व्यक्ति 31 साल बाद कांग्रेस को कैसे छोड़ सकता है। मेरा ह्रदय भी कुछ न कुछ जरूर महसूस कर रहा होगा। कभी-कभी ऐसे निर्णय लेना जरूरी हो जाता है। लेकिन मेरी विचारधारा कांग्रेसी विचारधारा ही है। मैं कांग्रेस तथा उसकी विचारधारा से दूर नहीं गया हूँ। मैं पार्टी की भावनाओं के साथ ही हूँ।''

उन्होंने आगे कहा, ''हम सभी इस तथ्य से बँधे हुये एवं नियंत्रित हैं कि हम विभिन्न पार्टियों के सदस्य हैं तथा हमें पार्टी के अनुशासन का पालन करना ही होता है, लेकिन स्वतंत्र स्वर रखना भी महत्वपूर्ण तो है ही। जब किसी एक स्वतंत्र व्यक्ति की आवाज उठेगी तो लोग यह महसूस करेंगे कि वह किसी अन्य पार्टी से संबंध नहीं है।

सिब्बल ने कहा कि वह राज्यसभा टिकट के लिए उनका समर्थन कर रही समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हुए है क्योंकि वह एक निर्दलीय सदस्य बनकर भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करना चाहते हैं।

सपा के साथ उनका संबंध नया नहीं है। सपा ने वर्ष 2016 में भी राज्यसभा में उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया था। वर्ष 2017 में जब अखिलेश और मुलायम के बीच पार्टी सिम्बल को लेकर टकराव हो गया था, जब उन्होंने चुनाव आयोग में अखिलेश का प्रतिनिधित्व किया था। चारा घोटाले में भी सिब्बल लालू के वकील थे।

कभी कांग्रेस के सीनियर मोस्ट नेताओं में से एक माने जाने वाले सिब्बल पार्टी के 23 असंतुष्ट नेताओ के समूह जी-23 के पीछे मुख्य भूमिका में थे। इन नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को दो वर्ष पहले एक पत्र लिखकर मांग की थी कि पार्टी नेतृत्व तथा संगठन में पूर्ण तब्दीली की जाए।

वह गांधी परिवार, खासतौर पर राहुल गांधी नेतृत्व की आलोचना काफी मुखर एवं कटु रहते आए हैं। उन्होंने यह सार्वजनिक मांग भी की थी कि किसी गैर गांधी को पार्टी प्रमुख बनाया जाए।

403 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधानसभा में समाजवादी पार्टी के 111 विधायक हैं और वह अपने तीन सदस्यों को राज्यसभा में भेज सकती है, जबकि भाजपा विधायकों की संख्या 255 है और वह अपने आठ सदस्य राज्यसभा में भेज सकती है। सिब्बल ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र भरा। सिब्बल का समर्थन करने के समाजवादी पार्टी के कदम को एहसान का बदला चुकाने के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में आज़म खान की पैरवी की थी। दो वर्ष तक जेल में रहने के बाद आज़म खान को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था।

एक-एक करके...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य में पार्टी के पुराने नेतृत्व (ओल्ड गार्ड) ने उन्हें लाइम लाइट से दूर कर दिया है। गुजरात में कांग्रेस के कद्दावर नेता हार्दिक पटेल का भी पार्टी नेतृत्व से मोह भंग हो गया और उन्होंने पार्टी छोड़ दी। कई अन्य नेता भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने की प्रतीक्षा में है। इसी के साथ, हालांकि राजनैतिक विकल्प के रुप में कांग्रेस की प्रासंगिकता से किसी को भी इनकार नहीं है पर यह तभी हो सकता है जब पार्टी नेतृत्व अपनी कार्यशैली और सोच में आमूलचूल बदलाव कर ले। लगता है पार्टी को नेहरु -गांधी परिवार से मुक्ति पाने का एक अंतिम प्रयास करने की जरुरत है। इस संभावना का एक सकारात्मक संकेत है। जब नरसिम्हाराव कांग्रेस गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने यह सुनिश्चित किया था कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी या सरकार के नेतृत्व व पदों के आसपास भी ना आ पाए। ऐसा ही फिर से करने की जरुरत है। वर्ना पार्टी इतिहास बनकर रह जाएगी।

'सपा से मिले ''प्रसाद'' का स्वाद कैसा लगा'

नई दिल्ली/लखनऊ, 25 मई (वार्ता)। पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के कांग्रेस छोड़ कर समाजवादी पार्टी (सपा) से हाथ मिला कर राज्यसभा सीट हासिल करने पर साल भर पहले कांग्रेस छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए उत्तर प्रदेश के मंत्री जितिन प्रसाद ने तीखा कटाक्ष करते हुए पूछा कि उन्हें सपा से मिले 'प्रसाद' का स्वाद कैसा लगा।

दरअसल जितिन प्रसाद दस जून 2021 को कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए थे और उस समय सिब्बल ने ट्वीट करके कटाक्ष किया था - जितिन प्रसाद भाजपा में शामिल हुए। सवाल यह है कि क्या उन्हें भाजपा से प्रसाद मिलेगा या उन्हें केवल उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए फंसाया गया है। ऐसे सौदों में यदि विचारधारा की चिंता नहीं हो तो बदलाव आसान होता है।

■ **मौका आया तो सिब्बल पर यह कटाक्ष करके जितिन प्रसाद ने अपना साल भर पुराना बदला चुका लिया।**

सिब्बल के इस ट्वीट से प्रसाद को संभवतः भावनात्मक आघात लगा था। आज जब सिब्बल के सपा के समर्थन से राज्यसभा के चुनाव में पर्चा भरने की खबर आयी तो योगी सरकार में लोक निर्माण मंत्री प्रसाद खुद को रोक नहीं पाये और उन्होंने एक साल पुराने सिब्बल के उसी ट्वीट के जवाब में लिखा-प्रसाद कैसा लगा मिस्टर सिब्बल देखते ही देखते यह ट्वीट ट्रेंड करने लगा और डेढ़ घंटे के भीतर इसे 14 हजार से अधिक लोगों ने लाइक कर दिया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600